हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, बुधवार 12 मार्च 2025

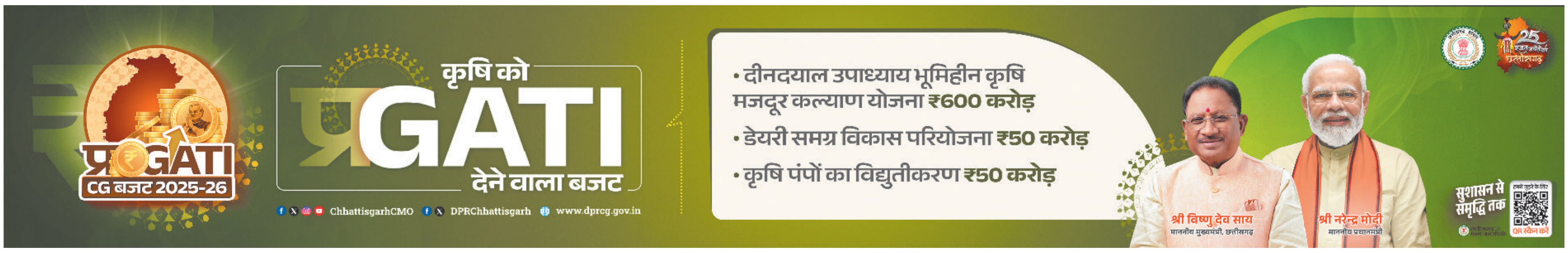

रायपुर से झारखंड लेकर जा रही थी पुलिस, छुड़ाने के लिए उसके लोगों ने फेंके बम, फिर मुठभेड़

शूटआउट में मारा गया बड़ा गैंगस्टर अमन, लॉरेंस गैंग से था संबंध, रायपुर में भी चलाई थी गोलियां

झारखंड-छत्तीसगढ़ में आतंक फैलाने वाले कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। झारखंड पुलिस ने मंगलवार को गैंगस्टर को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। झारखंड पुलिस की टीम अमन को रांची के बरियातू में कोयला कारोबारी पर हुए हमले और हजारीबाग में एनटीपीसी डीजीएम के मर्डर मामले में पूछताछ करने सोमवार रात को सेंट्रल जेल रायपुर से रिमांड पर रांची लेकर जा रही थी।

अति का अंत... 200 से अधिक वारदातों के आरोपी की ऐसी मौत

हरिभूमि न्यूज/रायपुर। सुबह करीब 9 बजे के आसपास पुलिस की टीम जैसे ही पलामु के चैनपुर पहुंची तभी पुलिस की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। ऐसी खबर है कि गाड़ी पर अमन गैंग के कुछ लोगों ने बम फेकें थे, जिसके बाद गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दौरान गैंगस्टर पुलिस जवान की रायफल छीनकर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास करने लगा। इस दौरान जवाबी फायरिंग में पुलिस की गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान अमन की रायफल से चली गोली से एक जवान के भी घायल होने की जानकारी है, जिसे अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

खास खबर

दो सौ से ज्यादा केस दर्ज

रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र के छोटे गांव मतवे का रहने वाला अमन के खिलाफ झारखंड में 8 से अधिक जिलों में दो सौ से अधिक केस दर्ज हैं। सूत्रों के अनुसार अमन ने अपराध की दुनिया में 17 वर्ष की उम्र में कदम रखा था, वहीं 2013 में अपना गैंग बना लिया था। उसका गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से भी गहरा संबंध था। उसके गैंग का आतंक इतना ज्यादा था कि झारखंड के कारोबारी, बिल्डर्स और ठेकेदार सभी दहशत में रहते थे। अमन के मारे जाने के बाद अब सभी राहत की सांस लेंगे।

रायपुर के कारोबारी को डराने कराई थी फायरिंग

अमन साहू के लिस्ट में छत्तीसगढ़ के भी कई कारोबारी थे। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा क्षेत्र में भी एक कारोबारी पर शूटरों ने फायरिंग की थी। इस फायरिंग के पीछे अमन गैंग का ही हाथ था। पुलिस ने इसी फायरिंग के मामले में चार शूटरों को दूसरे राज्यों से गिरफ्तार किया था। अमन उस समय झारखंड जेल में बंद था। वह जेल में रहकर ही गैंग को ऑपरेट करता था। रायपुर पुलिस ने इसके बाद ट्रांजिट रिमांड पर अमन को पूछताछ के लिए रायपुर लाई थी।

सोशल मीडिया में अमन का फोटो पोस्ट

अमन फेसबुक पर काफी एक्टिव था। सूत्रों के अनुसार उसका सोशल मीडिया विदेशों से ऑपरेट किया जाता था। हैरानी की बात यह है कि एनकाउंटर से करीब 15 घंटे पहले उसकी सोशल मीडिया में एक फोटो पोस्ट की गई थी। इस फोटो में वो एक बड़े सोफे पर टशन में बैठा नजर आ रहा है। कुख्यात गैंगेस्टर अमन साहू को झारखंड पुलिस कड़ी सुरक्षा के बीच लेकर निकली थी।

अमन को ट्रांजिट रिमांड पर अक्टूबर 2024 को लाया गया था रायपुर

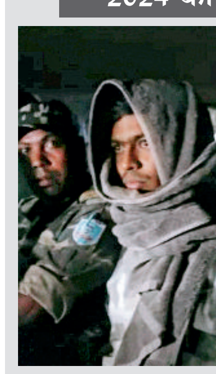

रायपुर पुलिस ने गैंगस्टर अमन को प्रोटक्शन रिमांड पर 14 अक्टूबर को देर रात झारखंड और रायपुर के सशस्त्र 40 पुलिस अधिकारी-कर्मियों की कड़ी निगरानी में झारखंड से रायपुर लाया था। यहां लाए जाने के बाद 15 अक्टूबर को उसे कोर्ट में पेश कर 5 दिन के लिए रिमांड पर भेजा था। रिमांड अवधि खत्म होने के बाद उसे 19 अक्टूबर को पुनः कोर्ट में पेश उसे 28 अक्टूबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। इस तरह अमन तब से रायपुर जेल में ही था। अमन के झारखंड में ▶▶|शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

100, 200 रुपए के जारी होंगे नए नोट

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को कहा कि वह जल्द ही गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले 100 और 200 रुपये के बैंक नोट जारी करेगा। रिजर्व बैंक ने बयान में कहा, इन नोटों का डिजाइन महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 100 और 200 रुपये के बैंक नोटों के समान है। इस बीच, रिजर्व बैंक द्वारा पहले जारी किए जा चुके 100 और 200 रुपये के सभी बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे।

कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

बिजली गुल, फसल बरबाद किसान ने की खुदकुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

पटेवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सिंघनपुर में एक किसान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के परिजनों का कहना है कि बिजली कटौती और फसल बर्बाद होने की वजह से उसे यह कदम उठाना पड़ा है। वहीं पुलिस ने इस मामले में जांच से पहले कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है। मामला जिले के पटेवा थाना क्षेत्र के ग्राम सिंघनपुर का है, जहां मंगलवार सुबह ▶▶|शेष पेज 6 पर

कलेक्टर ने एसडीएम को दिए जांच के निर्देश

मामले में महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि किसान की आत्महत्या की खबर मिली है। लेकिन, बिजली कटौती का कारण होना जांच का विषय है। जिसके बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। एसडीएम और थानेदार को जांच के लिए कहा गया है।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के भिलाई-3 स्थित पदुमनगर बंगले पर ईडी ने सोमवार को दी थी दबिश

ईडी अफसरों के वाहन पर हमला करने वाले 29 पर केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

हरिभूमि फॉलोअप

भिलाई-3 स्थित पदुमनगर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी पंजाब भूपेश बघेल के निवास स्थान पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम पर वापसी के दौरान कार्रवाई का विरोध कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया था। ईडी की गाड़ियों पर पथराव की खबर थी। वाहन चालक की रिपोर्ट पर पुलिस ने कांग्रेस नेता सन्नी अग्रवाल एवं 29 अन्य के खिलाफ बीएनएस की धाराओं के तहत जुर्म पंजीबद्ध किया है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

शराब घोटाले की जांच भूपेश आवास तक पहुंची, 14 ठिकानों पर छापे, कांग्रेस का हंगामा

ईडी के कार ड्राइवर ने दर्ज कराई रिपोर्ट

गौरतलब है कि सोमवार की अलसुबह पदुमनगर भिलाई-3 स्थित पूर्व सीएम के निवास स्थान पर कथित शराब घोटाले को लेकर केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने दबिश दी थी। 10 घंटे की पड़ताल के बाद ईडी की टीम ने 33 लाख रुपए बरामद कर साथ लेकर गए। जब ईडी की टीम सोमवार की शाम 6.15 बजे रायपुर के लिए रवाना हो रही थी, तब प्रदर्शनकारी कांग्रेसियों ने जमकर ईडी की टीम जिन ▶▶|शेष पेज 6 पर

आयुष्मान भारत योजना पर मंत्री का बड़ा खुलासा

3000 से अधिक अस्पतालों पर कार्रवाई, 3.56 लाख दावे खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत धोखाधड़ी करने वाली संस्थाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। 643 करोड़ रुपए के 3.56 लाख दावों को खारिज करने और 1,114 अस्पतालों को पैनल से हटाया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने मंगलवार को राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, 1,504 दोषी अस्पतालों पर 122 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। 549 अस्पतालों को निलंबित कर दिया गया है। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य ▶▶|शेष पेज 6 पर

दावों की जांच के लिए निगरानी

जाधव ने कहा कि दुरुपयोग या दुर्व्यवहार का पता लगाने के लिए, अस्पताल के दावों की जांच करने के लिए लगभग वास्तविक समय की निगरानी और एआई-आधारित प्रणालियों का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, दावों की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए अस्पतालों में यादृच्छिक ऑडिट और औचक निरीक्षण किए जाते हैं। स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने बताया ▶▶|शेष पेज 6 पर

हमर-प्रदेश

बिलासपुर, बुधवार 12 मार्च 2025 haribhoomi.com

हरिभूमि

40 लाख मीट्रिक टन चावल की नीलामी पर कांग्रेस ने कहा- केंद्र से चावल का कोटा बढ़ाने की पहल करें

धान निष्पादन पर विपक्ष का स्थगन, चर्चा नहीं होने पर गर्भगृह में घुसे कांग्रेस विधायक किए गए निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र में धान निष्पादन पर विपक्ष स्थगन प्रस्ताव लेकर आया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने धान की नीलामी से प्रदेश को 8 हजार करोड़ रुपए के नुकसान की बात उठाई। स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा नहीं होने पर विपक्ष के सदस्य सदन में नारेबाजी करते हुए गर्भगृह में आ गए। विधानसभा अध्यक्ष ने कार्य प्रक्रिया संचालन नियम के तहत कांग्रेस के 30 सदस्यों को निलंबित करने की घोषणा की।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शून्य काल में स्थगन प्रस्ताव पर कहा, सरकार ने स्वीकार किया कि धान की नीलामी होगी। पिछले समय भी धान का निष्पादन नहीं हो पाया था। धान की नीलामी से छत्तीसगढ़ को करीब 8 हजार करोड़ का आर्थिक नुकसान होगा। उन्होंने इसे छत्तीसगढ़ के खिलाफ केंद्र का उपेक्षापूर्ण रवैया बताया। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी की चार इंजन की सरकार कुछ नहीं कर पाई है। आने वाले वर्ष में घाटा लगा, तो धान खरीदी प्रभावित होगी, इसके साथ ही उन्होंने धान खरीदी के लिए राज्य सरकार को केंद्र सरकार से अनुरोध करने की बात कही। नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान धान की नीलामी से प्रदेश को करीब 8 हजार करोड़ रुपए के नुकसान की बात दोहराते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों, गरीबों को हक की राशि मिलनी चाहिए। सोच बदलने के लिए विपक्ष ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया था।

40 लाख मीट्रिक टन धान की होगी नीलामी

उन्होंने कहा, 149 लाख मीट्रिक टन से अधिक खरीदी में केंद्रीय पूल में 69 लाख मीट्रिक टन चावल जमा होगा। इतनी मात्रा में चावल के लिए करीब 108 लाख टन धान का निष्पादन हो पाएगा। करीब 40 लाख टन धान की खुले बाजार में बिक्री की जाएगी। राज्य शासन ने करीब 3600 रुपए क्विंटल में धान खरीदी की है। इसमें 3100 रुपए के अलावा सुरक्षा, भंडारण और अन्य व्यव को मिलाने से सरकार को कुल 3600 रुपए का भार आता है।

विपक्ष का आरोप डबल इंजन की सरकार फेल

मामले में विपक्ष ने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी मात्रा में धान की नीलामी राज्य सरकार के कोष में घाटा है। मामले में केंद्र सरकार से केंद्रीय पूल में चावल का कोटा बढ़ाने की मांग सरकार को करना चाहिए। मोदी की गारंटी के तहत सभी किसानों से खरीदी की गई चावल का पूरा निष्पादन करने पर जोर डबल इंजन की सरकार को करना चाहिए। सरकार की ओर से कोई आश्वासन नहीं आया।

हंगामे के बीच स्थगित रही कार्यवाही

विधानसभा अध्यक्ष ने अग्राहय कर दिया। कांग्रेस सदस्यों ने इसके बाद नारे लगाते हुए गर्भगृह में प्रवेश कर गए। आसंदी ने नियम प्रक्रिया के तहत स्वमेय निलंबित हो गए। आसंदी ने उन्हें बाहर जाने का निर्देश दिया। फिर उनका निलंबन समाप्त कर दिया। इस दौरान सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित की गई थी।

केंद्रीय पूल में 6.58 लाख मीट्रिक टन चावल जमा

प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय पूल में चावल उठाव का मुद्दा भी गूंजा। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल से एक के बाद एक कई सवाल पूछे। मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि इस साल केंद्रीय पूल में 69.72 लाख मीट्रिक टन चावल जमा होना है। अब तक 6.58 लाख मीट्रिक टन चावल जमा किया जा चुका है। करीब 60 लाख मीट्रिक टन चावल जमा होना शेष है। बचे धान का निराकरण शासन स्तर पर किया जाएगा।

खबर संक्षेप

तेलगु सुपर स्टार महेश और अभिनेत्री प्रियंका की एक झलक पाने भीड़ उमड़ी

जगदलपुर। बस्तर संभागीय मुख्यालय जगदलपुर से लगभग 150 किमी दूर ओडिशा के कोरापुट जिले के पर्यटन स्थल देवमाली और तोलोमाली में फिल्म स्टार और भव्य सेट को देखने के लिए सुबह से शाम तक भारी भीड़ जुट रही है। खासकर युवाओं में तेलगु सुपरस्टार महेश बाबू और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा का जबरदस्त क्रेज है। उनकी एक झलक पाने के लिए छात्र- छात्राएं और युवा घंटों शूटिंग स्थल और होटल के सामने डेरा डाले हुए है। बाहुबली 1 और 2, आरआरआर और मक्खी फिल्म बनाने वाले राजामौली लगभग 700 लोगों की टीम लेकर फिल्म की शूटिंग के लिये पहुंचे है। बताया जा रहा है कि फिल्म एसएसएमबी 29 लगभग एक हजार करोड़ की बजट से बन रही है। ओडिशा के बाद अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका में भी फिल्म की शूटिंग होगी। फिल्म के तीन प्रमुख कलाकार एक्टर महेश बाबू अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन वनांचल क्षेत्र में फिल्म के लिए कड़ी मेहनत कर रहे है।

ढाई साल में छत्तीसगढ़, झारखंड की 10 जेलों में रह चुका था अमन

अमन जेल से ही चलाता था गैंग, जलवा इतना कि फोटोसेशन भी करवाता था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

गैंगस्टर अमन इतना कुख्यात था कि उसे जिस जेल में रखा जाता था, उसी जेल में रहते हुए वह अपने गैंग को ऑपरेट करना शुरू कर देता था। इसी कारण से अमन को झारखंड की अलग-अलग जेल में भी शिफ्ट किया जाता रहा है। उसका गिरोह रांची के साथ रामगढ़, चतरा, धनबाद, हजारीबाग, पलामू, लातेहार और बोकारो में रंगदारी मांगने के लिए सक्रिय है। जेल में बंद रहते हुए वह कोल माइनिंग कंपनियों, कोयला व्यवसायी और ट्रांसपोर्टर, बिल्डर, ठेकेदार और कारोबारियों को रंगदारी के लिए टारगेट करता था तथा अपने शूटरों को भेजकर पहले फायरिंग कर उन्हें डराता था। इसके बाद अगर कोई रकम देने के लिए तैयार नहीं होता, तो उसे जान से भी मार दिया जाता था। यह गिरोह छत्तीसगढ़ में भी अपने पैर पसारने की तैयारी में था। इसके लिए राजधानी रायपुर में दो स्थानों पर और कोरबा शहर में कारोबारियों के फ्लैट व दफ्तर पर फायरिंग कराई गई थी।

■ झारखंड से छत्तीसगढ़ में रंगदारी करता था वसूल

इन जेलों में रह चुका है अमन

अमन पिछले ढाई साल में अलग-अलग 10 जेल की हवा खा चुका था। पहली बार उसे 29 अक्टूबर 2021 को गिरफ्तार कर रांची के पाकुड़ जेल में रखा गया था। इसके बाद 13 अप्रैल 2023 को गिरीडीह जेल, 17 सितंबर 2022 को पलामू जेल, 24 नवंबर 2024 को दुमका जेल, 19 अगस्त 2023 को चाईबासा जेल, 11 अक्टूबर 2023 को पलामू जेल, 20 जून 2024 को गिरीडीह जेल, 21 जुलाई 2024 को चाईबासा जेल, 14 अक्टूबर 2024 को पुलिस रिमांड पर रायपुर। इसके बाद से वह न्यायिक रिमांड पर रायपुर सेंट्रल जेल में बंद था।

जेल में अमन ने बनाई रील सुरक्षा पर उठे सवाल

ट्रांजिट रिमांड पर रायपुर लाने के बाद से अमन रायपुर सेंट्रल जेल में ही बंद था। इस तरह वह 148 दिनों तक रायपुर जेल में रहा है। अमन रायपुर जेल में भी टशन के साथ रहा है। जेल में रहते हुए ही उसने अपनी रील बनाई है, जो सोशल मीडिया में अब वायरल हो रही हैं। ये रील 19 अक्टूबर 2024 को बनी है, ऐसी जानकारी आ रही है। इस रील में अमन जेल के सेल में अलग-अलग पोज में फोटो शूट करता दिखाई दे रहा है। अमन की इस रील के वायरल होने से जेल प्रशासन की सुरक्षा पर भी सवाल उठने लगे हैं कि आखिर जेल में रहते हुए अमन ने फोटो शूट किससे और कैसे कराया है।

छत्तीसगढ़ में इन वारदातों को दिया गया था अंजाम

अमन गिरोह के शूटर छत्तीसगढ़ में भी वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। इनमें एक घटना कोरबा शहर की है। 30 सितंबर 2022 को टीपी नगर कोरबा ऑफिस के बाहर हेलमेट पहने बाइक सवार युवकों ने एक कारोबारी को डराने के लिए फायरिंग की और ऑफिस के बाहर पर्चा फेंका था। इस पर्चे में लिखा था कि कारोबार करने के लिए अमन गैंग से लेनदेन करना होगा। इसी प्रकार दूसरी वारदात को रायपुर के तेलीबांधा इलाके में अंजाम दिया गया। 11 फरवरी 2023 को आरकेटीसी के शंकर नगर सेक्टर-2 ऑफिस के सामने हेलमेट पहने बाइक सवार दो युवक फायरिंग कर फरार हो गए थे। तीसरी घटना 23 जून 2023 अनुपम नगर के पास की है। करिश्मा अपार्टमेंट में इंद्रमणी कोल कंपनी के कारोबारी के फ्लैट पर फायरिंग की गई थी। गोली बालकनी में लगे कांच को छेद करते हुए अंदर जाकर गिरी थी।

3971 महिलाओं को महतारी वंदन की नहीं मिली एक भी किस्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में महतारी वंदन योजना का मुद्दा एक बार फिर मंगलवार को सदन में गूंजा। कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने पूछा कि कितने हितग्राहियों को महतारी वंदन योजना की एक भी किस्त नहीं मिली है। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा, प्रदेश में 3971 हितग्राहियों को एक भी किस्त नहीं मिली है, क्योंकि इनका खाता आधार से लिंक नहीं था। खाता सक्रिय नहीं था या हितग्राही की मृत्यु हो गई थी। दावा रहित एवं अन्य तकनीकी कारणों से भुगतान नहीं हो सका। विधायक मंडावी ने उन्हें एकमुश्त राशि देने की मांग की। मंत्री ने कहा कि जो भी कमी होगी, उसे पूरा कराकर राशि देंगे।

■ कांग्रेस ने लगाया अनियमितता का आरोप, सदन में हंगामा, बहिर्गमन

कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने मामले में कहा, एक साल से त्रुटि सुधार नहीं कर पाए। कब तक कराएंगे। उन्होंने यह भी पूछा इन सभी के खाते में 12 माह की राशि एक साथ भुगतान कराएंगे। मंत्री ने कहा, सतत सूचना देकर भुगतान करा दिया जाएगा।

लाखों महिलाओं को नहीं मिल रहा लाभ- महंत

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने महतारी वंदन योजना का लाभ प्रदेश की लाखों महिलाओं को नहीं मिलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की महिलाओं के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा, महतारी वंदन योजना के नाम से चुनाव जीते हैं, लेकिन महिलाओं को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। एक ही क्षेत्र में 4000 महिलाओं को लाभ नहीं मिला है। पूरे प्रदेश में लाखों महिलाओं को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है।

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में सुधार होगा, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी।

मिथुन आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार का साथ मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। मन अशान्त रहेगा।

कर्क परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाइयों के सहयोग से कारोबार को गति मिल सकती है।

सिंह व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें।वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। आय की स्थिति में सुधार होगा। सेहत का ध्यान रखें। सन्तान सुख में वृद्धि होगी।

कन्या क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार में शान्ति एवं सद्भाव बनाये रखने के लिए प्रयास करें। नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति होगी।

तुला स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। मानसिक शान्ति बनाये रखें। माता का सानिध्य मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

धनु मित्रों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य होंगे। भवन की साज-सज्जा पर खर्च अधिक रहेंगे।

मकर आलस्य में वृद्धि हो सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, लेकनि परिणाम संदिग्ध हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

कुंभ खर्च बढ़ेंगे। आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में इच्छा-विरुद्ध कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मीन कारोबार में सुधार के लिए भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। रहन-सहन कष्टदायी होगा। तनाव से बचें।

सशक्त नारी से सशक्त राष्ट्र का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महिला दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती हर्षिता पांडेय को शाल और स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया। श्री साय ने महिला सशक्तिकरण में उनकी भूमिका की सराहना भी की और कहा कि नारी के सशक्त होने पर ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है।

इस अवसर पर श्रीमती हर्षिता पांडेय ने मुख्यमंत्री जी का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया। 'तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास रायपुर में ₹महतारी वंदन अभिनंदन₹ कार्यक्रम आयोजित किया गया था। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ताओं की मौजूदगी में राजधानी की महिला पत्रकारों/ मीडिया कर्मियों का सम्मान भी मुख्यमंत्री ने किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि

ये सम्मान महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री पंकज झा ,प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री अमित चिमनानी ,महिला मोर्चे की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत ,विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, भाजपा उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ,ममता साहू , किरण बघेल ,संध्या तिवारी सहित बड़ी संख्या में मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे 1

मेकाहार को बनाएंगे देश का सबसे अच्छा अस्पताल बिलासपुर में 700 बेड हॉस्पिटल बनेगा- स्वास्थ्य मंत्री

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि रायपुर के मेकाहारा अस्पताल को देश का सबसे अच्छा अस्पताल बनाया जाएगा। यह अस्पताल केवल रायपुर का नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां अस्पताल परिसर का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा और नए उपकरण भी लगाए जाएंगे। मंत्री ने यह जानकारी भी दी कि रायपुर की तरह बिलासपुर में 700 बिस्तरों वाला चमचमाता हुआ अस्पाताल भी बनाया जाएगा। इसके लिए प्रशासकीय स्वीकृति मिल गई है। स्वास्थ्य मंत्री के विभागों की बजट अनुदान मांगें मंजूर कर ली गई हैं।

श्री जायसवाल ने यह बात विधानसभा में अपने विभागों की बजट अनुदान मांगों पर चर्चा के जवाब में कही। मेकाहारा के संबंध में उन्होंने कहा कि यहां एस्कार्ट के नाम से हार्ट की अस्पताल भी चलता है। यहां बायपास सर्जरी की सुविधा भी है। इसके लिए बजट में दस करोड़ रुपयों का प्रावधान किया गया है। इस अस्पताल के लिए पैट मशीन और कैंसर विभाग के लिए 20 करोड़ रुपयों का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने विभाग के रीजेंट घोटाले के संबंध में कहा कि इस तरह के घोटाले को रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। दवाओं की खरीदी से संबंधित डाटा एक पोर्टल पर उपलब्ध होगा। किस अस्पताल में कितनी दवा है। किस दवा की कमी है। इन चीजों का डाटा होगा। इस तरह स्वास्थ्य विभाग में रीजेंट की तरह होने वाला घोटाला रोका जाएगा। इस बात का भी हिसाब होगा कि किस मरीज को कौन सी दवा दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि हाट बाजार क्लीनिक के लिए 57 नए वाहनों की खरीदी की जाएगी।

शब्द पहेली - 5804

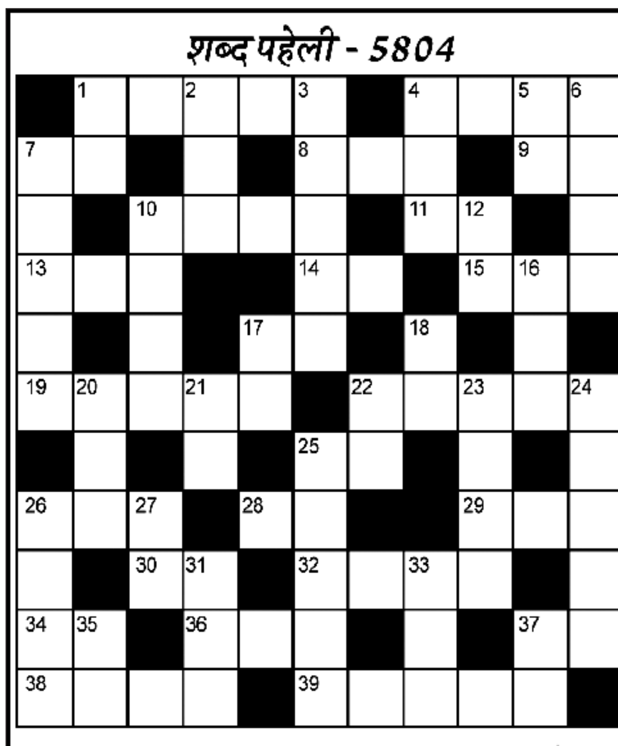

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -5803 का हल

सूडोकु नवताल - 5814

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5813 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

बिलासपुर

बुधवार, 12 मार्च 2025

फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
वर्ष : 24, अंक : 348
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 37.1
न्यून. 19.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

नक्सलवाद पर श्रीश्री रविशंकर का संदेश: बंदूक से कभी कोई काम नहीं बना, मुख्य धारा में लौट आओ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा मंगलवार को साइंस कॉलेज में आयोजित शंखनाद कार्यक्रम में आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर ने नक्सलवाद पर अपनी बात रखी। उन्होंने नक्सलियों को मुख्य धारा में लौटने का आह्वान करते हुए कहा कि बंदूक से कभी कोई काम नहीं बना है, अपनी मांगों को शांति के साथ व्यक्त करो और समाज के साथ मिलकर अपने विकास की दिशा तय करो। श्रीश्री रविशंकर ने कहा, मुख्यमंत्री नक्सलवाद से लड़ रहे हैं और पहले के मुकाबले अब काफी फर्क आया है। उनका उद्देश्य सबका विकास है, और इसके लिए उन्होंने अपनी जान दांव पर लगाई है। मैं नक्सलवाद से जुड़े युवाओं से अपील करता हूं कि ▶▶|शेष पेज 6 पर

शंखनाद कार्यक्रम में श्रीश्री ने कहा- अब समय आ गया है हमें मिलकर काम करना है

मुख्य धारा में लौटे, हम साथ खड़े रहेंगे

श्रीश्री ने नक्सलवाद पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, यहां किसी भी प्रकार का अहंकार नहीं होना चाहिए, वह सब छोड़ दीजिए। मैं व्यक्तिगत रूप से आप सभी का सम्मान करता हूं। आप दिलदार और साहसी लोग हैं। आप में हिम्मत है, आप में जोश है। आप सभी मुख्य धारा में लौटेंगे, और हम आपके साथ खड़े रहेंगे। हम सब मिलकर भारत को श्रेष्ठ बनाएंगे।

बंदूक से कभी काम नहीं बना

कार्यक्रम के दौरान श्रीश्री रविशंकर ने संदेश दिया कि बंदूक से कभी काम नहीं बना यहां सारी लड़ाई समृद्धि के लिए है, विनाश के लिए नहीं। हम न्याय और समृद्धि के लिए लड़ते हैं। यही दो सिद्धांत हैं, और यदि आप इन दोनों के लिए लड़ रहे हैं, तो आपको यह दोनों मिलेगा, जब आप एकजुट होंगे। मुख्य धारा में आकर अपनी मांगें सामने रखो, क्योंकि बंदूक से कभी काम नहीं बना है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

6,046 साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सरकार ने संसद में बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र द्वारा शुरू किए गए 'प्रतिबिंब' मॉड्यूल के जरिए 6,046 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। यह मॉड्यूल, अपराधियों के ठिकानों का पता लगाता है। गृह राज्य मंत्री बी. संजय कुमार ने प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

एएसी और जेकेआईएम पर पांच साल बैन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के दो संगठनों पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। इन संगठनों में उमर फारूक की अध्यक्षता वाली अवामी एक्शन कमेटी और मसरूर अब्बास अंसारी नीत जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन (जेकेआईएम) शामिल हैं।

बस और बाइक की टक्कर, चार की मौत

कुरनूल। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम की बस और दो मोटरसाइकिल के बीच टक्कर हो जाने से चार युवकों की मौत हो गई। यह दुर्घटना पांडवगल्लू गांव के पास हुई थी। जब मोटरसाइकिल और बस के बीच टक्कर हुई तो दो पीड़ित दोपहिया वाहन पर थे, जबकि तीन लोग एक अन्य मोटरसाइकिल पर थे।

अस्थायी तंबू में आग, तीन की मौत, प्राथमिकी दर्ज

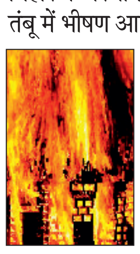

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार में अस्थायी रूप से बने एक तंबू में भीषण आग लग गई। इसमें जलकर दो भाईयों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान जग्गी (30) के अलावा श्याम सिंह (40) और कांता प्रसाद (37) इन दो भाइयों के रूप में हुई है। ये सभी उत्तर प्रदेश निवासी थे।

30 करोड़ की याबा की गोलियां जब्त

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य के कछार जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 30 करोड़ रुपए मूल्य की याबा गोलियां जब्त की गई हैं। सोमवार रात लखीपुर थाना क्षेत्र में अभियान के दौरान 3.5 लाख रुपए नकद के साथ याबा की कुल 98 हजार गोलियां जब्त की गईं।

एयर स्ट्राइक की तैयारी में पाक, बलूच आर्मी ने दिया 48 घंटे का अल्टीमेटम

पाकिस्तान में ट्रेन हाईजैक, 182 यात्रियों को बनाया बंदी, मुठभेड़ में मारे गए 30 सैनिक

एजेंसी ▶▶| कराची/इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में संदिग्ध बलूच बंदूकधारियों ने मंगलवार को एक यात्री ट्रेन पर गोलीबारी की, जिसमें कई यात्री घायल हो गए। हमलावरों ने दावा किया कि उन्होंने 214 लोगों को बंधक बना लिया है। अधिकारियों ने बताया कि नौ डिब्बों में लगभग 500 यात्रियों को लेकर जाफर एक्सप्रेस क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही थी। तभी गुदलार और पीरू कोनेरी इलाकों के बीच उस पर गोलीबारी की गई। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि उसने ट्रेन को बेटपरी कर उसपर कब्जा कर लिया। 30 सुरक्षाकर्मियों की हत्या कर दी और सक्रिय ड्यूटी कर्मियों सहित 214 से ज्यादा यात्रियों को बंधक बना लिया है। हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों ने बीएलए के दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है। महिलाओं और बच्चों सहित यात्रियों की तत्काल स्थिति का पता नहीं चल पाया है। बीएलए ने एक बयान जारी कर चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तानी सेना ने कोई सैन्य कार्रवाई की तो 'सभी बंधकों को मार दिया जाएगा'। यह समूह पाकिस्तान के अलावा ब्रिटेन और अमेरिका में भी प्रतिबंधित है। आधिकारिक तौर पर हताहतों की संख्या की जानकारी नहीं दी गई है।

पाकिस्तान का अशांत प्रांत बलूचिस्तान एक बार फिर चर्चा में है। अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी ने बोलन में जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर लिया और 214 लोगों को बंधक बना लिया। बीएलए ने चेतावनी दी है कि अगर उनके खिलाफ कोई सैन्य कार्रवाई की गई तो वे सभी यात्रियों को मार डालेंगे। अभी तक 30 सैन्यकर्मी मारे जा चुके हैं। इस बीच पाक सुरक्षाबलों ने दावा है कि 80 बंधकों को छुड़ा लिया गया है।

सुरंग में थी जाफर एक्सप्रेस, तभी पटरी को उड़ाया

ट्रेन को कब्जे में लिया

सुरंग संख्या-8 में उड़ाया ट्रैक

बलूच बंदूकधारियों ने इस घटना को तब अंजाम दिया जब ट्रेन आब-ए-गम इलाके के पास सुरंग संख्या 8 से गुजर रही थी, तभी बलूच उग्रवादियों ने सुरंग का रेलवे ट्रैक उड़ा दिया। इससे जाफर एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। इसके बाद ट्रेन पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि बलूच आतंकियों ने इलाके का फायदा उठाया, जहाँ 17 सुरंगें हैं, जिससे ट्रेनें धीमी गति से चल रही थीं।

- पाक सेना की कार्रवाई तैनात किए हवाई जहाज
- महिलाओं और बच्चों को किया रिहा

गोलीबारी का सामना करने के लिए सुरक्षा बल के जवान सामने आए लेकिन विद्रोहियों ने उन पर भी हमला बोल दिया और ट्रेन को अपने कब्जे में कर लिया। बलूच अलगाववादियों द्वारा हमलों की आशंका के कारण बलूचिस्तान में ट्रेनों में आम तौर पर सुरक्षाकर्मी सवार होते हैं। इस घटना के बाद पाकिस्तानी सेना ने जमीनी हमला और हवाई बमबारी करके जवाबी कार्रवाई की है। हालाँकि, आतंकवादी सेना के जमीनी अभियान को रोकने में कामयाब रहे हैं।

ट्रेन में सवार सेना और आईएसआई के लोग

बंधकों में पाकिस्तानी सेना, पुलिस, आतंकवाद निरोधक बल और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के एक्टिव-ड्यूटी कर्मी शामिल हैं। ये सभी छुट्टी पर पंजाब जा रहे थे। बीएलए ने चेतावनी दी है कि अगर ट्रेन में मौजूद सैनिकों ने किसी भी तरह की कोई कार्रवाई करने की कोशिश की तो सभी बंधकों को मार दिया जाएगा।

क्वेटा से पेशावर तक चलती है जाफर एक्सप्रेस

जाफर एक्सप्रेस क्वेटा से पेशावर के बीच हर रोज चलती है। यह एक यात्री ट्रेन है। ये ट्रेन रोहरी-चमन रेलवे लाइन और कराची-पेशावर रेलवे लाइन के एक हिस्से के साथ यात्रा करते हुए, 1,632 किलोमीटर (1,014 मील) की दूरी तय करती है। ये दूरी कवर करने में ट्रेन को 34 घंटे 10 मिनट लगते हैं।

सोना तस्करी मामला

कर्नाटक डीजीपी रामचंद्र के खिलाफ होगी जांच

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

कन्नड़ फिल्मों की अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े कथित सोना तस्करी के मामले में उनके सौतेले पिता व डीजीपी रैंक के अधिकारी के. रामचंद्र राव की भूमिका की जांच के लिए कर्नाटक सरकार ने अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता को नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि गौरव गुप्ता की नियुक्ति का आदेश सोमवार रात जारी किया गया। सरकार ने बेंगलुरू हवाई अड्डे पर पुलिस अधिकारियों की लापरवाही के खिलाफ भी जांच का आदेश दिया।

12 करोड़ का सोना पकड़ा गया था

राजस्व खुफिया निदेशालय ने तीन मार्च को यहां केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रान्या के पास से 12.56 करोड़ रुपए मूल्य की सोने की पट्टियां जब्त की थीं। अगले दिन, डीआरआई ने कहा कि उसने बेंगलुरु में रान्या के आवास से 2.06 करोड़ रुपए के सोने के आभूषण और नकदी जब्त की। डीआरआई इस मामले की जांच कर रही है, वहीं सीबीआई भी जांच में शामिल हो गई है।

अभिनेत्री रान्या ने सुविधाओं का किया दुरुपयोग

आदेश में कहा गया है कि फिल्म अभिनेत्री रान्या राव को राजस्व खुफिया निदेशालय ने उस समय गिरफ्तार किया, जब वह दुबई से अवैध तरीके से सोना लेकर बेंगलुरु आ रही थीं। आदेश में कहा गया है कि मामले की जांच के दौरान मीडिया में यह खबर आई कि गिरफ्तार रान्या ने हवाई अड्डे पर उच्च पदस्थ अधिकारियों को दी जाने वाली सुविधाओं का दुरुपयोग किया। आदेश के मुताबिक, ऐसी खबर मिली है कि रान्या के विदेश जाने और वहां से लौटने के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा कर्तव्य निर्वहन में बरती गई लापरवाही की जांच करने के लिए भी सीआईडी को निर्देश दिया गया है।

चैंबर चुनाव हुआ रोचक, अब पारवानी नहीं लड़ेंगे, चुनाव मैदान से हटने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के निवृतमान अध्यक्ष अमर पारवानी अब चैंबर चुनाव नहीं लड़ेंगे। श्री पारवानी ने चुनाव मैदान से हटने का ऐलान कर दिया है। उनका कहना है कि चैंबर में नए चेहरे को सामने लाने का समय है। पूरे प्रदेश का दौरा करने के बाद मैंने यह महसूस किया है कि चैंबर में नई टीम को लाने का यही अनुकूल समय है। वरिष्ठजनों से रायशुमारी के ▶▶|शेष पेज 6 पर

हरिभूमि फॉलोअप

कहा नए चेहरे को लाने का है समय, जय व्यापार पैनल के संरक्षक मंडल की हुई बैठक

नए चेहरे के लिए हटे तो स्वागत है : श्रीचंद सुंदरानी संरक्षक एकता पैनल

चैंबर चुनाव में अमर पारवानी नए चेहरे को मौका देने चुनाव मैदान से हटे हैं, तो उनका स्वागत है। मैं भी दो बार चैंबर अध्यक्ष रहा, इसके बाद अमर पारवानी को अपने पैनल से चुनाव लड़ने का मौका देने हटा था, पर पारवानी ने खुद को चैंबर में स्थापित करने बंद कमरे में बैठकर चुनाव नियम में संशोधन किया, ये ठीक नहीं है। दो बार चैंबर ▶▶|शेष पेज 6 पर

जय व्यापार पैनल के संरक्षक मंडल की बैठक आज

सूत्रों के मुताबिक छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के त्रैवार्षिक चुनाव को लेकर जय व्यापार पैनल के संरक्षक मंडल की आवश्यक बैठक 12 मार्च को दोपहर 12 बजे आयोजित है। जिसमें पैनल के अध्यक्ष पद प्रत्याशी को लेकर चर्चा और नाम का ऐलान हो सकता है। जानकारों के मुताबिक अमर पारवानी के चुनाव मैदान से हटने के बाद अजय भसीन अध्यक्ष पद प्रत्याशी हो सकते हैं।

पहले भारतीय बने प्रधानमंत्री

पीएम मोदी को मॉरीशस का सर्वोच्च सम्मान

पोर्ट लुईस। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने पीएम नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'द ग्रांड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन' से सम्मानित किया है। यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी को भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए उनके योगदान के लिए दिया गया है। मोदी इस सम्मान को प्राप्त करने वाले पहले भारतीय हैं।

भारत-मॉरीशस के संबंधों का सम्मान

वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मॉरीशस के पीएम ने अभी घोषणा की है कि वे मुझे अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित करेंगे। मैं आपके फैसले को विनम्रता के साथ स्वीकार करना चाहता हूं। यह भारत और मॉरीशस के ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान है।

नौकरशाहों को जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को विफल करने की इजाजत नहीं दी जा सकती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

- सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के एक गांव में एक महिला को सरपंच पद पर बहाल करने के बंबई उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा है कि नौकरशाहों को "जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को विफल करने" की इजाजत नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र में हाल-फिलहाल में ऐसे कई मामले ▶▶|शेष पेज 6 पर

क्या है मामला

कलावती राजेंद्र कोकाले ने जिलाधिकारी के सात जून 2024 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें सरपंच पद से उनके इस्तीफे पर महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम की धारा-29 के तहत मुहर लगाई गई थी, जबकि उन्होंने इस्तीफा वापस ले लिया था।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
(DEEMED TO BE UNIVERSITY)

SAAT-2025

Empowering students for a brighter future

CORE B.TECH PROGRAMMES IN COMPUTING
- Computer Science and Engineering
- Computer Science and Information Technology

APPROVAL & RECOGNITIONS
- Approved by UGC and AICTE
- Re-accredited by NAAC with A++ Grade
- Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC
- NBA Accredited Programmes

NIRF INDIA RANKINGS 2024
- 14th Best in University Category
- 26th Best in Engineering Category

INTERNATIONAL RANKINGS 2025
- Ranked in QS World Rankings 2025
- Ranked in Times World Rankings 2025

To apply for admission through SAAT, Please visit: www.soa.ac.in

लोकसभा में पेश हुआ अप्रवासन और विदेशी विधेयक-2025

घुसपैठियों की खैर नहीं, 7 साल की कैद, 10 लाख जुर्माना!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

घुसपैठ और अवैध अप्रवास रोकने के मकसद से लोकसभा में मंगलवार को अप्रवासन और विदेशी विधेयक 2025 पेश किया है। अमित शाह की तरफ से गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि किसी को देश में आने से रोकने के लिए यह बिल नहीं लाया गया है बल्कि इस बिल का मकसद है कि जो भी विदेशी भारत आएं वे यहां के नियमों का पालन करके ही आएं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और टीएमसी के सौगत राय ने बिल का विरोध किया है।

कड़ी सजा

भारत में अवैध रूप से एंट्री करने पर पांच साल तक की कैद और 5 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। जाली दस्तावेजों पर दो से सात साल तक जेल और एक लाख रुपए से 10 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।

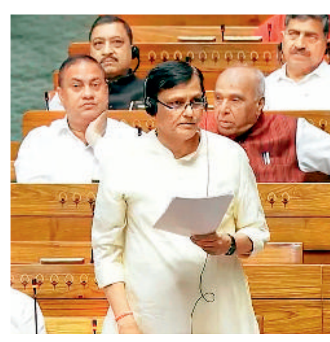

लाने वाला ही होगा जवाबदेह: बिना उचित दस्तावेज के व्यक्तियों को लाने-ले जाने वाले ट्रांसपोर्ट को भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन पर 5 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। भुगतान न करने पर उनके वाहन जब्त किए जा सकते हैं। ऐसे मामलों में जहां किसी विदेशी को प्रवेश से वंचित किया जाता है, ट्रांसपोर्टर पर उनके तत्काल प्रस्थान को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी होगी।

इधर, संसद में बोली सरकार

टैरिफ कम करने पर काम करेंगे भारत और अमेरिका

भारत और अमेरिका एक ट्रेड एग्रीमेंट करने की योजना बना रहे हैं। दोनों देश मिलकर ट्रेड को आसान बनाने, इंपोर्ट ड्यूटी कम करने और सप्लाई चेन को मजबूत करने पर ध्यान देंगे। लोकसभा में एक लिखित जवाब में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि अभी तक अमेरिका ने भारत पर कोई अतिरिक्त टैरिफ नहीं लगाया है। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका एक नए ट्रेड एग्रीमेंट पर चर्चा कर रहे हैं, जिससे दोनों देशों को फायदा होगा। इसका मकसद व्यापार बढ़ाना और नियमों को आसान बनाना है।

रोचक खबरें

जिस पालतू कुत्ते की हुई मौत, 19 लाख खर्च कर महिला ने ऐसे दोबारा किया जिंदा!

बीजिंग। चीन में एक महिला ने अपने मर चुके पालतू डॉबरमैन डॉगी का क्लोन बनाने के लिए 1,60,000 युआन (19 लाख रुपए से अधिक) खर्च किए हैं, जिससे पालतू जानवरों की क्लोनिंग में लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है। ऐसा दावा है कि चीन में ऐसा करने की अनुमति है, लेकिन इसके लिए नैतिक दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा और योग्य कंपनियों द्वारा ही इसका संचालन होना चाहिए। एक रिपोर्ट के अनुसार, जू सरनेम की यह महिला पूर्वी चीन के हांग्जो की रहने वाली हैं। 2011 में महिला ने एक डॉबरमैन खरीदा, जिसका नाम उसने जोकर रखा। महिला ने बताया कि जोकर ने उसकी लाइफ में काफी अहम भूमिका निभाई। जब वह अकेले रहती थी, तो उसे सुरक्षा का एहसास होता था। लेकिन, 9 साल की उम्र में आते ही जोकर की गर्दन में घातक सार्कोमा विकसित हो गया, जिसके लिए सर्जरी की आवश्यकता थी। महिला ने बताया कि तमाम जोखिमों के बावजूद बिना एनेस्थीसिया के जोकर ने इस सर्जरी को बहादुरी से सहन किया।

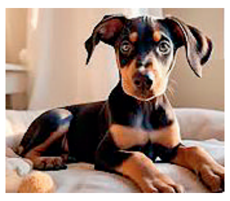

क्लोन को दिया लिटिल जोकर नाम

रिपोर्ट के मुताबिक, एक साल बाद जू को बताया गया कि क्लोनिंग सफल रही। इसके बाद हर 15 दिन में अपडेट दिया गया, जिसमें अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट और वीडियो शामिल थे। 2024 में लूनर ईयर से ठीक पहले जू ने जोकर के क्लोन को लिटिल जोकर नाम दिया। उनका कहना है कि ये बिल्कुल जोकर की तरह ही बर्ताव करता है।

कुत्ते का क्लोन बनाने में कामयाबी की हासिल

बता दें कि 2017 में चीन ने अपने पहले कुत्ते का सफलतापूर्वक क्लोन बनाने में कामयाबी हासिल की थी। ऐसे में जू ने एक्सपर्ट की सलाह पर क्लोनिंग की इस प्रक्रिया को अपनाने का फैसला किया। जू ने बताया कि क्लोनिंग कंपनी का नाम गुप्त रखते हुए उन्होंने पूरी फीस पहले ही चुका दी। वैज्ञानिकों ने जोकर के पेट, कान और सिर से त्वचा के सैंपल लिए और उतक का उपयोग कर भ्रूण तैयार कर एक सरोगेट मां में प्रत्यारोपित कर दिया।

वैज्ञानिकों के हाथ लगा 2600 साल का पुराना रहस्यमयी ख़ज़ाना, चमक ऐसी कि चौंधिया गईं आंखें!

काहिरा। दुनिया का इतिहास बहुत पुराना हैं। हम इसमें से कुछ सदियों के बारे में जानते हैं, लेकिन सब कुछ नहीं, क्योंकि इतनी घटनाएं लिखी भी नहीं गई हैं। यही वजह है कि समय-समय पर कुछ न कुछ ऐसे रहस्य सामने आते रहते हैं, जो हमें हैरान कर देते हैं। एक ऐसा ही खोया हुआ खजाना मिस्र में वैज्ञानिकों के हाथ लगा है, जिसके पीछे एक खास रहस्य छिपा हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों की टीम ने मिस्र के कर्णाक मंदिर के परिसर में ये खजाना ढूंढा हैं। ये जगह थेबेस के प्राचीन शहर में है और जिस मंदिर के परिसर में ये मौजूद है, वो करीब 4000 साल पहले बनाया गया था। समय से साथ इसका विस्तार हो गया और इसमें कई बार बदलाव किए हैं। इस दौरान किसी की भी नजर इस खजाने पर नहीं पड़ी थी।

मंदिर के परिसर में मिला ख़ज़ाना

पुरातत्ववेत्ताओं के मुताबिक ये सोने से भरा हुई एक गड़ा हुआ बर्तन है, जिसमें बेशकीमती चीज़ें मौजूद हैं। जिन अहम चीजों की जानकारी दी गई है, उनमें सोने के चमकीले गहने और एक बहुत दुर्लभ प्रतिमा भी मौजूद हैं। ये किसी देवता के परिवार की प्रतिमा लग रही हैं। इतना ही नहीं, सोने के कई मोती और नज़र से बचाने वाले नज़रबट्टू भी इसमें मौजूद हैं। मिस्र के पर्यटन मंत्री ने बताया कि कर्णाक मंदिर के उत्तर-पश्चिमी हिस्से से ये मूर्तियां मिली हैं।

भगवान ने मुफ्त दी थी 'खास' चीज लड़की ने ऑनलाइन बेच की बंपर कमाई

लंदन। भगवान ने एक महिला को कई तोहफों से नवाजा हैं। शारीरिक सुंदरता के साथ ही साथ लड़की को ऐसी कई खूबियां दी गई है, जो मर्दों के नसीब में नहीं हैं। इसी में से एक तोहफा है वर्जिनिटी का। वर्जिनिटी यानी कौमार्य। एक लड़की के कुंवारी रहने का सबूत होता है उसका कौमार्य। एक बार लड़की किसी के साथ शारीरिक संबंध बना लेती है तो उसका कौमार्य भंग हो जाता हैं। हालांकि, आज के डेट में लड़कियों की फिजिकल एक्टिविटी इतनी बढ़ गई है कि वर्जिनिटी लूज करने का एक कारण ये भी बनता जा रहा हैं। भारत में जहां लड़कियों के लिए उसकी वर्जिनिटी का महत्व सिर्फ शादी के लिए होता है, वहीं विदेश में लड़कियां भगवान की इस देन को ऑनलाइन बेचकर पैसे कमा रही हैं। जी हां, ब्रिटेन की एक स्टूडेंट ने तो ऑनलाइन ही अपनी वर्जिनिटी की सेल लगा दी। हैरानी की बात तो ये है कि उसकी इस सेल के बदले उसके खाते में अट्ठारह करोड़ रुपए भी आ गए।

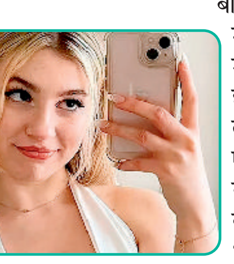

पैसे कमाने का आसान तरीका

बाइस साल की मेनचेस्टर की रहने वाली लौरा ने अपनी वर्जिनिटी को अट्ठारह करोड़ में बेच दिया। अपने इस फैसले का उसे कोई अफ़सोस नहीं हैं। लौरा के मुताबिक, वो एक धार्मिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। लेकिन, उसे आने वाले समय में अपनी जरूरतों के लिए अमीर शख्स को डेट करने में कोई आपत्ति नहीं हैं। पैसे कमाने के लिए वो शुगर डैडी की तलाश कर रही हैं। पैसे ही कमाने के लिए उसने ऑनलाइन अपनी वर्जिनिटी सेल की थी, जिसे एक रईसजादे ने अट्ठारह करोड़ में खरीद लिया।

नीलामी में शामिल थी जानी-मानी हस्तियां

लौरा ने एक एस्कॉर्ट कंपनी की वेबसाइट पर ये सेल रखी थी। इसके बाद उसे कई इवेंट्स में बुलाया गया। आखिरकार सबसे अधिक पैसे देने वाले एक हॉलीवुड स्टार ने उसकी वर्जिनिटी खरीदी। लौरा ने खुलासा किया कि उसकी वर्जिनिटी खरीदने के लिए इंट्रेस्ट दिखाने वालों में राजनेता से लेकर कई बिजनेसमैन भी शामिल थे।

ब्लड मून के दौरान चंद्र मिशन पर खतरा, पूर्ण चंद्रग्रहण के दौरान क्या मर जाएगा नासा और चीन का चंद्रयान?

वॉशिंगटन। दुनिया के खगोलविज्ञानी और अंतरिक्ष प्रेमियों के लिए गुरुवार-शुक्रवार (13-14 मार्च) की रात अंतरिक्ष में ब्लड मून का अनोखा नजारा होगा। इस दौरान चंद्रमा पृथ्वी की छाया में रहेगा, जिसे पूर्ण चंद्रग्रहण दिखाई देगा। लेकिन जब ये घटना हो रही होगी, ठीक उसी समय अंतरिक्ष में चंद्रमा की परिक्रमा कर रहे अंतरिक्ष यान के लिए खतरा पैदा होने जाएगा। नासा के लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर के लिए यह समय खुद को बचाने की चुनौती लेकर आएगा, जो साल 2009 से चंद्रमा की परिक्रमा कर रहा है। चंद्रमा की परिक्रमा करने वाले ऑर्बिटर सौर ऊर्जा से संचालित होते हैं, लेकिन चंद्रग्रहण के दौरान चांद पृथ्वी की छाया में चला जाता है और वह सूर्य से कट जाता है। ऐसे में इसके संचालन के लिए, समस्या उत्पन्न होने लगती है। स्पेस डॉट कॉम की रिपोर्ट में नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर में एलआरओ मिशन के प्रोजेक्ट साइंटिस्ट नोआ पेट्रो के हवाले से बताया गया कि पूर्ण चंद्रग्रहण के दौरान चंद्र अंतरिक्ष यान के ऐसे उपकरण जो आवश्यक नहीं है, उन्हें बंद रखा जाएगा।

सूझबूझ और सही ज्ञान का इस्तेमाल करना हैं जरूरी : इस घटना से यही सीख मिलती है कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय सूझबूझ और सही ज्ञान का इस्तेमाल करना जरूरी हैं। अगर कभी जीभ पर आइसक्रीम या कोई अन्य ठंडा पदार्थ चिपक जाए।

समंदर की गहराई में गए वैज्ञानिक तभी दिखी 'पीली ईंटों वाली सड़क'

वॉशिंगटन। पृथ्वी की सतह का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा जल से ढका हुआ है। चारों तरफ महासागर मौजूद हैं। लेकिन, ये समंदर अपने अंदर आज भी कई रहस्यों को छुपाए हुए हैं, जिनके बारे में कई दिन खुलासे होते रहते हैं। यूट्यूब पर इसी तरह की खोज का एक वीडियो शेयर किया गया। इस वीडियो के मुताबिक साल 2022 में अमेरिका के हवाई द्वीप के ठीक उत्तर में एक गहरे समुद्र के अंदर मौजूद चोटी पर किए गए एक अभियान में एक आश्चर्यजनक खोज सामने आई। वैज्ञानिकों को वहां एक प्राचीन सूखी हुई झील का तल मिला, जो पीली ईंटों की सड़क जैसी दिखती है। यह दृश्य अन्वेषण पोत नॉटिलस द्वारा पापाहानामोकुआकेआ समुद्री राष्ट्रीय स्मारक के भीतर लिलिउओकलानी पर्वतमाला का सर्वेक्षण करते समय देखा गया। बता दें कि पापाहानामोकुआकेआ मरीन नेशनल मोनुमेंट को दुनिया के सबसे बड़े समुद्री संरक्षण क्षेत्रों में से एक माना जाता हैं। ये अमेरिका में मौजूद सभी समुद्री संरक्षित क्षेत्रों से बड़ा है, जिसके केवल 3 प्रतिशत हिस्से में ही वैज्ञानिक जांच कर सके हैं। महासागर अन्वेषण ट्रस्ट के रिसर्चर्स इस जंगल की सीमाओं का पता लगाने में जुटे हैं, जो समुद्र की सतह से 3,000 मीटर से भी अधिक नीचे स्थित है, और सबसे अच्छी बात यह है कि कोई भी इस अन्वेषण को देख सकता है। यूट्यूब पर खोज के तुरंत बाद ही इसका वीडियो साल 2022 में शेयर कर दिया गया था। इस वीडियो में एक हाइलाइट रील में उस क्षण को कैद किया गया था, जब गहरे समुद्र में वाहन चलाने वाले शोधकर्ता ओज की सड़क पर पहुंचे।

पृथ्वी के छिपे भूविज्ञान की मिलेगी जानकारी

उल्लेखनीय है कि वैज्ञानिक चट्टान की सतहों पर पाए जाने वाले फेरोमैंगनीज क्रस्ट के भीतर रहने वाले सूक्ष्मजीव समुदायों का अध्ययन कर रहे हैं। साथ ही यह भी कि कैसे क्रस्ट की विशेषताएं महासागर बेसिनों में क्षेत्र दर क्षेत्र बदलती रहती हैं और उन पर और उनके भीतर रहने वाले सूक्ष्मजीव भी भी बदलते हैं। ये अध्ययन समुद्री पर्वतों के जीवित समुदायों के बारे में आधारभूत जानकारी प्रदान करने में मदद करेंगे जो प्रबंधन और संरक्षण उपायों को सूचित कर सकते हैं। जांचकर्ताओं का मानना है कि अनोखी 90 डिग्री की दरारें संभवतः इस पके हुए मार्जिन पर हुए कई विस्फोटों से उत्पन्न तापन और शीतलन तनाव से संबंधित हैं।

संचालनालय वित्तीय प्रबंध एवं सूचना प्रणाली, छत्तीसगढ़ मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

ई-प्रोक्योरमेंट पुनः निविदा (द्वितीय आमंत्रण) सूचना

क्रमांक/71/IFMIS Next Gen/2025 नवा रायपुर, अटल नगर
दिनांक 11/03/2025

संचालनालय वित्तीय प्रबंध एवं सूचना प्रणाली, छत्तीसढ़ अंतर्गत SELECTION OF SYSTEM INTEGRATOR FOR DESIGN, DEVELOPMENT, IMPLEMENTATION, OPERATIONS & MAINTENANCE OF IFMIS NEXT GEN हेतु ऑन लाईन पुनः निविदा आमंत्रित की जाती है

(अ) ई – निविदा प्रारंभ तिथि – दिनांक 12.03.2025
(ब) ई–निविदा जमा करने की अंतिम तिथि – दिनांक 28.03.2025 समय अपराह्न 5:30 बजे तक
(स) ई – निविदा खोलने की तिथि – दिनांक 01.04.2025 समय अपराह्न 3:30 बजे

पुनः निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट https://finance.cg.gov.in/ से प्राप्त की जा सकती है। पुनः निविदा में पूर्व में प्रथम आमंत्रण उपरांत जारी किये गये समस्त संशोधनों को शामिल करने के उपरांत ही निविदा दस्तावेज अपलोड किया गया है। तथापि पुनः निविदा में संशोधन एवं इस संबंध में किसी भी प्रकार की सूचना उपरोक्त वेबसाईट पर ही प्रदर्शित की जायेगी ।

(संचालक द्वारा अनुमोदित)

उप संचालक
वित्तीय प्रबंध एवं सूचना प्रणाली, छत्तीसगढ़

जी. 242505900/2

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग- कोण्डागांव, छत्तीसगढ़ कोड क्रमांक- 041

Email :- eewrkon@cgwrd.in

निविदा निरस्तीकरण आदेश

क्रमांक 408/व.ले.लि./2024–25 कोण्डागांव, दिनांक :28 /02/2025

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 18/ व.ले. लि./ 2023–25 दिनांक 23.02.2024 सिस्टम निविदा क्रमांक 153207, जी नम्बर 08100 द्वारा छ. ग. राज्य के जिला कोण्डागांव, विकासखण्ड कोण्डागांव की भवरडींग नदी पर सिरपुर स्टापडेम निर्माण कार्य, (प्रथम आमंत्रण) राशि 782.32 लाख का निविदा आमंत्रित किया गया था। उक्त निविदा में न्यूनतम निविदाकार श्री राम शिरोमणि तिवारी "अ" वर्ग ठेकेदार के नाम कार्यालयीन ज्ञापन क्रमांक LOA00221/ 2855/SAC/ Date 16–12–2024 द्वारा 15 दिवस के भीतर अनुबंध करने हेतु LOA जारी किया गया | परन्तु ठेकेदार द्वारा 15 दिवस के भीतर अनुबंध नही किया गया। उक्त निविदा को निरस्त कर पुनः निविदा आमंत्रण किया जाना है।

अतः जी नम्बर 08100 सिस्टम निविदा क्रमांक 153207 (प्रथम आमंत्रण) नि.आ.सू. क्रमांक 18/ व.ले.लि./2023–24 दिनांक 23.02.2024 को एतत द्वारा निरस्त की जाती है एवं पुनः निविदा आमंत्रित करने की कार्यवाही की जाती है
संलग्न :–शून्य ।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग- कोण्डागांव
जिला-कोण्डागांव, कोड क्रमांक-041

जी-242505887/4

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKASPRADHIKARAN

Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Atal Nagar- 492 002, Chhattisgarh.
Tel No: +91 771 2512000; Fax No.: +91 771 2512400.
Website: www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice

The Chief Executive Officer, NRANVP invites tender for following works:

1.NIT No.: 93/Holographic/EE-E/CE/NRANVP/2024-25, Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur, Dated: 10.03.2025

Name of Work: "Selection of an agency for Supply, Installation, Testing, Commissioning and O&M of Immersive Holographic Entertainment Centre at Nava Raipur Atal Nagar, Dist-Raipur (C.G.) (1st call)"

Period of completion including rainy season	Estimated Cost (INR)	EMD (INR)
06 Months for capex & 2 years O&M	4.99 Crore	5.99 Lakh

Last Time & Date of Online Submission: 15:00 hrs on 02.04.2025

2.NIT No: 94/El-sec-22/EE(E)/CE/NRANVP/2024-25, Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur, Dated: 10.03.2025

Name of Work: "Upgradation of new 5MVA Power transformer in Existing Grid Station at sec-22 of Nava Raipur Atal Nagar, Dist. - Raipur (C.G.). (2nd Call)"

Period of completion including rainy season	Estimated Cost (INR)	EMD (INR)
06 Months	1.94 Crs	2.94 Lakh

Last Time & Date of Online Submission: 15:00hrs on 26.03.2025

The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) http://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.

Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

S.- 43203 Chief Engineer, NRANVP

MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(Call-2nd)

NIT NO:- 467/RAIPUR DATED: 11/03/2025

Online bids are invited for the following works up to 26/03/2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work / Description of work	Probable Amount of contract
1	165863	जोन क्रमांक 06 अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग में कार्य करने हेतु 13 वाहन चालक प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से उपलब्ध कराने का कार्य।	2406768.00

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 11/03/2025, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal. NIT Details and other documents.

Note:- 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.

2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. *Help Desk at Toll Free No.* 18004199140 or through Email ID *helpdesk.eproc@cgswan.gov.in*

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSIONER
(ZONE NO. 06)
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि :- 10.03.2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग– सूरजपुर संभाग
03. स.क्रं. 01 से 04 "स" वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि–01.04.2025

सरल क्र.	एन.आई.टी.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	178	जिला सूरजपुर विकासखण्ड प्रेमनगर के चंदननगर में हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित। (प्रथम आमंत्रण)	119.98
2	179	जिला सूरजपुर विकासखण्ड प्रेमनगर के लक्ष्मणपुर में हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित। (प्रथम आमंत्रण)	119.98
3	180	जिला सूरजपुर विकासखण्ड प्रेमनगर के बकालो में हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित। (प्रथम आमंत्रण)	119.98
4	181	जिला जेल सूरजपुर में 01 बैरक ;(50 बंदी क्षमता भूतल + 50 बंदी क्षमता प्रथम तल) का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित। (प्रथम आमंत्रण)	116.50

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी-242505873/2

कार्यालय अधिष्ठाता, स्व. बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, डिमरापाल, जगदलपुर (छ.ग.)

क्रमांक/1207/स्था./शाचिम/2025 जगदलपुर, दिनांक 27/02/2025

विज्ञापन (वॉक-इन-इन्टरव्यूह)

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि, स्व. श्री बलीराम कश्यप स्मृति, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, डिमरापाल, जगदलपुर जिला बस्तर (छ.ग.) हेतु स्वीकृत निम्नलिखित शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरने हेतु शासन द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए संविदा भर्ती हेतु कार्यालय अधिष्ठाता, स्व. श्री बलीराम कश्यप स्मृति, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, डिमरापाल, जगदलपुर में प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह के गुरुवार को प्रातः 11:00 बजे "वाक इन इन्टरव्यू" आयोजित किया जाता है। अवकाश होने की स्थिति में अगले कार्य दिवस को "वाक इन इन्टरव्यू" आयोजित होगा।

इस संस्था के विभिन्न विभागों में आरक्षित/अनारक्षित वर्ग के चिकित्सा शिक्षकों, चिकित्सकों, सीनियर रेसीडेंट, जूनियर रेसीडेंट, प्रदर्शक/ट्यूटर एवं अन्य चिकित्सक प्रथम, द्वितीय श्रेणी के रिक्त पदों पर आरक्षण रोस्टर अनुसार संविदा नियुक्ति हेतु मेडिकल इंडिया के मापदण्ड की अर्हता अधिकतम आयु 70 वर्ष तक नियुक्ति मान्य होगी) रखते हों। योग्य उम्मीदवार (MBBS, PG,Certificate, Registration, Pan Card, Experience Certificate, Domicile Certificate, Caste Certificate and Relieving letter from previous institution, applicable etc.) उनकी स्व–प्रमाणित छायाप्रतियों के साथ इस महाविद्यालय में कार्यालयीन समय में स्वयं के व्यय पर साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते है।

क्र.	प्राध्यापक	एक मुश्त संविदा वेतन	रिक्त पद
1	प्राध्यापक	2,25,000/–	04
2	सह प्राध्यापक	1,85,000/–	13
3	सहायक प्राध्यापक	1,25,000/–	24
4	सीनियर रेसिडेंट (पी.जी.)	95,000/–	24
5	प्रदर्शक/प्रदर्शक (पी.जी.)	53000/95,000/–	07
6	जूनियर रेसिडेंट	63,000/–	11

विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी चिकित्सा महाविद्यालय डिमरापाल, जगदलपुर की वेबसाईट E-mail : gmcdjagdalpur02@yahoo.com पर उपलब्ध है । रिक्त पदों की संख्या समय–समय पर परिवर्तनीय हैं।
संलग्न–विभागवार रिक्त पदों की सूची।

अधिष्ठाता
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
डिमरापाल, जगदलपुर (छ.ग.)

जी-242505890/3

कार्यालय बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट बिलासपुर (चकरभाठा)

निविदा सूचना

पृ. क्रमांक/67/निविदा/बि.दे.के./ बिलासपुर (चकरभाठा) दिनांक 08.03.2025

बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट, बिलासपुर (चकरभाठा) में कर्मियों की आपूर्ति हेतु 02 ड्राईवर कम ऑपरेटर (कुशल) 12 माह के अस्थायी रूप से संचालन हेतु निविदा निर्धारित प्रारूप एवं शर्तों के अधीन निविदा दिनांक 24.03.2025 समय दोपहर 02:00 बजे तक आमंत्रित किया गया है इच्छुक फर्म / संस्था निर्धारित प्रारूप के साथ 500/– रूपये का डिमांड ड्राफ्ट बिलासपुर एयरपोर्ट बिलासपुर के नाम से बंद लिफाफा में अधेहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन समय प्रातः 10:30 से दोपहर 02:00 बजे तक (अवकाश दिवस को छोड़कर) जमा कर सकते है।

निर्धारित प्रारूप एवं आवश्यक शर्ते बिलासपुर जिले के वेबसाईट www.bilaspur.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 24.03.2025 को 02:00 बजे अपरान्ह तक निविदा खोलने की तिथि :– 24.03.2025 को सायं 03:00 बजे
स्थान :– बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट, बिलासपुर (चकरभाठा)

एयरपोर्ट डायरेक्टर
बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट,
बिलासपुर (चकरभाठा)

जी. 242505861/1

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER MAHANADI PROJECT, RAIPUR (CHHATTISGARH)

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(First Call)

Online Tenders are invited for the following work up to 01.04.2025 at 17.30 Hours. (As per S.O.R dated 01.08.2010 and amended upto dated 22.08.2022).

S. No.	System No.	NIT No. and Dated	Name of work	Amt.
1	165533	29/SAC/ 24-25 07.03.2025	Construction work of Bank Protection on Mahanadi River near Village Tila, Block Abhanpur, District Raipur.	Rs. 1097.40 Lakhs
2	165534	30/SAC/ 24-25 07.03.2025	Construction work of 1200 m. Bank Protection on Mahanadi River from Village Pitaiband to Village Lakhna, Block Abhanpur, District Raipur.	Rs. 1183.24 Lakhs
3	165535	31/SAC/ 24-25 07.03.2025	Construction work of Parsada Stopdam at Block Abhanpur, District Raipur.	Rs. 258.91 Lakhs

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh Integrated e-Procurement Portal (https://eproc.cgstate.gov.in) from Date 17.03.2025, at 17.31 Hours.(IST) onwards.

NOTE:- All eligible/intrested contractors/bidders are mandated to get enrolled on the Integrated e- procurement portal (https://eproc.cgstate.gov.in) and get approval on specific vendor class from PWD under Centralized Contractor/Supplier Registration in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process.

Executive Engineer
Water Management Division No. 1, Raipur
For, Chief Engineer,
Mahanadi Project Raipur (C.G.)

G.- 242505868/5

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई–पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार हेतु सरल क्र. 1 एवं 2 हेतु दिनांक 21.03.25 तक एवं सरल क्र. 3 से 15 हेतु दिनांक 27.03.2025 तक निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र.	नि.आ.सू. क्र./दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख मे)
1	377	छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी भवन बोदरी बिलासपुर के ऑडिटोरियम में एकास्टिक फॉल सीलिंग एवं इंटीरियर कार्य। द्वितीय आमंत्रण। संभाग क्र. 2, बिलासपुर।	66.53
2	378	जिला बिलासपुर के तारबहार से नगपुरा मार्ग लंबाई 1.80 कि.मी. निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण। संभाग क्र. 1, बिलासपुर।	130.33
3	379	जिला मुंगेली विकासखण्ड लोरमी के फुलवारी (एफ) में हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।	67.55
4	380	जिला मुंगेली विकासखण्ड लोरमी के लाखासार में हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।	67.55
5	381	जिला मुंगेली विकासखण्ड लोरमी के लीलापुर में हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।	67.55
6	382	जिला जाजंगीर चांपा ब्लॉक नवागढ़ के धाराशिव (खोखरा) में शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। चांपा संभाग।	68.74
7	383	विकासखण्ड पाली के ग्राम कर्रनवापारा में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। कोरबा संभाग।	66.50
8	384	जिला गोरेला पेण्ड्रा मरवाही के लरकेनी में शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। पेण्ड्रा संभाग।	66.81
9	385	जिला गोरेला पेण्ड्रा मरवाही के ग्राम कारीआम एवं कोटमी में आर.टी.ओ. के लिये चेक पोस्ट का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। पेण्ड्रा संभाग।	36.00
10	386	जिला रायगढ़ में जिला परिवहन चेकपोस्ट रेंगालपाली कार्यालय भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। रायगढ़ संभाग।	36.58
11	387	जिला जेल रायगढ़ में पाठ शाला निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। रायगढ़ संभाग।	36.51
12	388	व्यवहार न्यायालय परिसर घरघोड़ा में लायर्स हॉल, शौचालय काम्पलेक्स एवं डिजीटल कम्प्यूटर कक्ष निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। रायगढ़ संभाग।	37.20
13	389	जिला सारंगढ़–बिलाईगढ़ वि.ख. बरमकेला के अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल दुलोपाली का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। सारंगढ़ संभाग।	68.21
14	390	नवीन जिला सारंगढ़–बिलाईगढ़ के जिला पशुधन कार्यालय भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। सारंगढ़ संभाग।	65.42
15	391	चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ़ परिसर में लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित महाविद्यालय भवन, चिकित्सा भवन, छात्रावास भवन एवं आवासीय भवनों के वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य। प्रथम आमंत्रण। रायगढ़ संभाग।	194.97

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखें जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि. बिलासपुर मंडल बिलासपुर

जी-242505863/2

संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़

ब्लॉक - II, द्वितीय तल, इन्दावती भवन, अटल नगर नवा रायपुर अटल नगर-492002
Email ID : diagricg.cg@nic.in, Phone No. 0771-2511630

ज्ञापन क्रमांक/स्था./ 1–1–ब (1) / सी.न. –05–2023/408 रायपुर दिनांक 07/03/2025

सहायक सांख्यिकी अधिकारी एवं प्रयोगशाला सहायक के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन का शुद्धि पत्र

संचालनालय कृषि द्वारा सहायक सांख्यिकी अधिकारी के कुल 17 एवं प्रयोगशाला सहायक के कुल 10 रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन क्र. / स्था. / अ–1–ब (1) / सी.भ. – 05 – 2023 /713 दिनांक 04.10.2023 जारी किया गया है।

2– इसी अनुक्रम में छ.ग. शासन, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, मंत्रालय महानदी भवन के पत्र कमांक एफ 3–63 / 2024/14 –1 दिनांक 15.10.2024 के माध्यम से उक्त संवर्गो के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु पूर्व में जारी विज्ञापन दिनांक 04.10.2023 एवं छ.ग. व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की वेबसाईट पर प्रदर्शित विस्तृत विज्ञापन में अंकित पदों की संख्या में संशोधन कर शुद्धि पत्र जारी करने के संबंध में एक अन्य समान प्रकरण में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिए गए अभिमत अनुसार छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर के परिपत्र कमांक एफ 13 – 4 / 2015 /आ.प्र. / 1–3– दिनांक 24.02.2015 परिपत्र क्रमांक एफ 13–4/2014 / आ.प्र. / 1–3 दिनांक 14.07.2017 एवं पत्र क्रमांक 1206 / 609/आ.प्र. / 2021 /1–3 दिनांक 31.07.2021 अनुसार इस प्रकरण में भी आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए है। 3– सहायक सांख्यिकी अधिकारी एवं प्रयोगशाला सहायक के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु छ.ग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल की वेबसाईट पर प्रदर्शित विस्तृत विज्ञापन के महत्वपूर्ण टीप के बिन्दु क्रमांक 1 अनुसार पदों की संख्या में परिवर्तन हो सकता है तथा विस्तृत विज्ञापन के बिन्दु क्रमांक – 4 (2) अनुसार राज्य में सीधी भर्ती के पदों के लिये लागू महिला आरक्षण, भूतपूर्व सैनिक के लिये आरक्षण एवं दिव्यांगजनों के लिये आरक्षण के संबंध में जारी किये गये नियम / निर्देश लागू होंगे, उल्लेखित हैं। 4– उपरोक्तानुसार विस्तृत विज्ञापन में उल्लेखित बिन्दुओं तथा छ.ग. शासन, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, मंत्रालय महानदी भवन के पत्र कमांक एफ 3–63 / 2024 / 14–1 दिनांक 15.10.2024 के आधार पर छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर के परिपत्र कमांक एफ 13–4/2015/आ.प्र./ 1–2 दिनांक 24.02.2015 परिपत्र कमांक एफ 13–4 / 2014 / आ.प्र./ 1–3 दिनांक 14.07.2017, पत्र क्रमांक 1206/609/आ.प्र./2021/1–3 दिनांक 31.07.2021 तथा भूतपूर्व सैनिकों हेतु 10 प्रतिशत आरक्षण नियमों का पालन करते हुए सहायक सांख्यिकी अधिकारी एवं प्रयोगशाला सहायक के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु प्रकाशित विज्ञापन दिनांक 04.10.2023 एवं छ.ग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल की वेबसाईट पर प्रदर्शित विस्तृत विज्ञापन की कंडिका (रिक्त पदों का विवरण) में सहायक सांख्यिकी अधिकारी एवं प्रयोगशाला सहायक के समक्ष अंकित पदों की संख्या में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है:

पद	(अ) कुल पद श्रेणीवार					(ब) कॉलम (अ) में दर्शाये गये रिक्त पदों में से महिलाओं के लिए आरक्षित पदों की संख्या 30%					(स) कॉलम (अ) में दर्शाये गये कुल पदों में से दिव्यांग के श्रेणी के लिए 7%	महायोग
	UR	SC	ST	OBC	योग	UR	SC	ST	OBC	योग		
सहायक सांख्यिकी अधिकारी	7	2	6	2	17	2	0	1	0	3	1	17
प्रयोगशाला सहायक	4	1	3	2	10	1	0	0	0	1	1	10

5– विज्ञापन क्र./स्था. / अ – 1 – ब (1) / सी.भ. –05–2023/713 दिनांक 4.10.2023 एवं छ.ग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल की वेबसाईट पर प्रदर्शित विस्तृत विज्ञापन की शेष समस्त शर्तें / कंडिकायें यथावत रहेगी।

अपर संचालक कृषि
संचालनालय कृषि छ.ग. रायपुर

जी. 242505899/2

भस्म में रंगे साधु

काशी में उमड़ा भक्तों का रेला

बाबा विश्वनाथ की मसाने होली

भूतभावन बाबा विश्वनाथ के साथ रंगभरी एकादशी पर अबीर गुलाल संग होली खेलने के बाद मंगलवार की सुबह मणिकर्णिका घाट की विश्व प्रसिद्ध मसाने की होली का उत्सव मनाया गया। जमकर भक्तों ने होली खेली। सुबह 11 बजे शुरू हुई होली शाम 4 बजे तक लगातार चली। 25 देशों से 2 लाख से ज्यादा पर्यटक मसाने की होली खेलने पहुंचे। ऐसा पहली बार हुआ कि महिलाएं मसाने की होली में शामिल नहीं हुईं। दरअसल महाकुंभ समापन के बाद भीड़-भाड़ देखते हुए उनके आने पर रोक लगाई गई थी। महिलाओं को नाव से मसाने की होली देखने की गुजारिश की गई थी। बता दें, होलिका दहन 13 मार्च व रंगपंचमी 14 मार्च को है।

बाबा मसान नाथ की निकाली गई पालकी।

आयोजक गुलशन कपूर ने बाबा की आरती उतारी।

विदेश मंत्रालय ने कहा- लुभावने प्रस्तावों से सावधान रहें लोग

म्यांमार से छुड़ाए गए ठगी के शिकार 283 भारतीय नागरिक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने हाल ही में म्यांमार से 283 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के बाद नौकरी चाहने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की है। मंत्रालय ने भारतीयों से विदेश में नौकरी के प्रस्तावों को स्वीकार करने से पहले नियोक्ताओं की साख और भर्ती एजेंटों की विश्वसनीयता को वेरीफाई करने की सलाह दी है। यह कदम तब उठाया गया जब पता चला कि ये नागरिक फर्जी नौकरी के ऑफर के बहकावे में आकर म्यांमार पहुंचे थे। भारतीय वायु सेना के एक विमान ने थाइलैंड के माई सोत हवाई अड्डे से सोमवार रात 283 लोगों को लेकर उड़ान भरी। ये लोग मंगलवार तड़के यहां पहुंच गए। विदेश मंत्रालय ने यहां बताया कि भारत सरकार म्यांमार सहित विभिन्न दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में रोजगार की फर्जी पेशकश के साथ लुभाने वाले रैकेट में फंसे भारतीय नागरिकों की रिहाई और प्रत्यावर्तन को सुरक्षित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

नागरिकों से अपील

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, 'हमारे म्यांमार और बैंकॉक में स्थित भारतीय मिशनों को हाल ही में थाइलैंड और म्यांमार में कॉल सेंटर घोटालों और क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी से जुड़े फर्जी नौकरी ऑफरों की जानकारी मिली है।' मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे लुभावने प्रस्तावों से सावधान रहें और किसी भी नौकरी को स्वीकार करने से पहले उसकी पूरी जांच-पड़ताल करें।

शर्मनाक

दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 13 भारत के

दिल्ली एक बार फिर बनी सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी

दुनिया के शीर्ष 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 13 भारत में हैं तथा भारत की राजधानी दिल्ली एक बार फिर दुनिया सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी है। मंगलवार को प्रकाशित एक नई रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर की बात की जाए तो इस लिस्ट में असम के बर्नीहाट का नाम सबसे ऊपर है।

आईक्यूएयर की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट हुई जारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के कारणों में वाहनों का धुआं, औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआं और कूड़ा जलाने से निकलने वाला धुआं शामिल हैं। स्विट्जरलैंड की वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी 'आईक्यूएयर' की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2024 में कहा गया है कि दिल्ली वैश्विक स्तर पर सबसे प्रदूषित राजधानी शहर बना हुआ है, जबकि भारत 2024 में दुनिया का पांचवा सबसे प्रदूषित देश बन गया है जबकि साल 2023 में इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर था।

भारत के ये शहर प्रदूषित

दुनिया के टॉप 20 प्रदूषित शहरों में से 13 भारत के हैं, जिसमें बर्नीहाट, दिल्ली, मुल्लानपुर (पंजाब), फरीदाबाद, लोनी, नई दिल्ली, गुरुग्राम, गंगानगर, ग्रेटर नोएडा, भिवाड़ी, मुजफ्फरनगर, हनुमानगढ़ और नोएडा शामिल है। कुल मिलाकर 35 फीसदी भारतीय शहरों में वार्षिक पीएम2.5 का स्तर डब्लूएचओ की सीमा 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से 10 गुना अधिक है।

टॉप प्रदूषित शहरों की लिस्ट में 4 शहर पाक के

पाकिस्तान के चार शहर और चीन का एक शहर दुनिया के शीर्ष 20 प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 2024 में पीएम 2.5 सांद्रता में सात प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जो 2023 में 54.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की तुलना में औसतन 50.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है। दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 13 भारत में हैं।

108.3 माइक्रोग्राम तक पहुंचा प्रदूषण : दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर है, वार्षिक औसत पीएम 2.5 की सांद्रता 2023 में 102.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से बढ़कर 2024 में 108.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हो गई है।

टॉप 10 सिटी

1.बरनिहाट, इंडिया 2. दिल्ली, इंडिया 3. कारागांडा, कजाखिस्तान 4. मुलानपुर इंडिया, 5. लाहौर, पाकिस्तान, 6. फरीदाबाद, इंडिया, 7. एनडाजमेना, चाड, 8 लोनी, इंडिया, 9. नई दिल्ली, भारत, 10. मुल्तान, पाकिस्तान।

प्रदूषण की वजह से होती हैं कई बीमारियां

पिछले साल प्रकाशित लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ की स्टडी के मुताबिक, 2009 से 2019 तक भारत में हर साल लगभग 15 लाख मौतें संभावित रूप से PM2.5 प्रदूषण के दीर्घकालिक संपर्क से जुड़ी थीं। PM2.5 का मतलब 2.5 माइक्रोन से छोटे वायु प्रदूषण कण हैं, जो फेफड़ों और रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं, जिससे सांस लेने में समस्या, हृदय रोग और यहां तक कि कैंसर भी हो सकता है। स्रोतों में वाहन का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन और लकड़ी या फसल के कचरे को जलाना शामिल है।

बोलने से रोका तो भड़के कांग्रेस नेता

खड़गे के विवादित बोल

क्या-क्या ठोकना है हम ठीक से ठोकेंगे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के 'ठोकेंगे' वाले बयान पर हंगामा हुआ। दरअसल, डिप्टी चेयरमैन ने दिग्विजय सिंह को बोलने के लिए कहा, लेकिन खड़गे बीच में अपनी बात रखने लगे। इस पर डिप्टी चेयरमैन हरिवंश ने उन्हें टोका, कहा- आप सुबह बोल चुके हैं। इस पर खड़गे ने कहा- 'ये क्या डिक्टेटरशिप है। मैं हाथ जोड़कर आपसे बोलने की अनुमति मांग रहा हूं।' इस पर हरिवंश ने कहा- अभी दिग्विजय सिंह के बोलने का मौका है, इसलिए आप बैठ जाइए। इसके बाद खड़गे ने कहा- वो तो बोलेंगे ही, लेकिन आपको क्या-क्या ठोकना है हम ठीक से ठोकेंगे, सरकार को भी ठोकेंगे। जब हरिवंश ने खड़गे के बयान पर आपत्ति जताई

तो उन्होंने कहा कि हम सरकार की नीतियों को ठोकने की बात कर रहे हैं। खड़गे के बयान पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, 'नेता विपक्ष की ओर से आसन के लिए इस तरह की भाषा किसी भी रूप में स्वीकार नहीं है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए।'इसके बाद खड़गे ने सदन में खड़े होकर कहा, 'मैंने आसन के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने उपसभापति से कहा कि अगर आपको मेरी बातों से ठेस पहुंची है तो मैं इसके लिए माफी मांगता हूं।

आखिरकार सरकार ने माना, ताजमहल में हो रहा रिसाव

लोकसभा में सरकार ने इस बात को स्वीकार किया कि बारिश के दौरान ताजमहल में पानी के रिसाव की एक घटना सामने आई तथा आश्वासन दिया कि वह ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रश्नकाल के दौरान एआइएमआइएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। उन्होंने कहा कि जहां तक ताज महल के रखरखाव का विषय है तो यह बात सही है कि पानी के रिसाव की एक घटना सामने आई थी। लगातार बारिश के कारण जो स्थिति बनी, उसमें तुरंत सुधार किया गया है। केंद्र सरकार पूरी तरह संवेदनशील है और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए काम कर रही है।

अमेरिका ने पाकिस्तानी राजदूत को एयरपोर्ट से ही वापस लौटाया

पाक की इंटरनेशनल बेइज्जती !

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान को एक बार फिर इंटरनेशनल बेइज्जती का सामना करना पड़ा है। तुर्कमेनिस्तान में तैनात पाकिस्तान के राजदूत को वैध वीजा और सभी कानूनी यात्रा दस्तावेज होने के बावजूद अमेरिका में एंट्री करने से रोक दिया गया। उन्हें लॉस एंजिल्स से पाकिस्तान डिपोर्ट कर दिया गया।

द न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, केके अहसान वगान छुट्टी मनाने लॉस एंजिल्स जा रहे थे। लेकिन अमेरिकी इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें एयरपोर्ट पर ही रोककर तुरंत डिपोर्ट कर दिया। हालांकि, अमेरिका ने उन कारणों के बारे में नहीं बताया है, जिनके कारण राजदूत को निर्वासित किया गया। सूत्रों के मुताबिक, इमिग्रेशन से जुड़ी आपत्तियों की वजह से पाकिस्तानी राजदूत को डिपोर्ट किया गया है। बता दें कि राजदूत के तौर पर इमिग्रेशन में कई तरह की छूट मिलती है। लेकिन राजदूत वगान को ऐसी कोई सुविधा नहीं मिली है।

ये है मामला

हालांकि, अमेरिकी प्रशासन के इस कदम से डिप्लोमैटिक प्रोटोकॉल पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए वागान को पाकिस्तान सरकार इस्लामाबाद बुला सकती है। इधर, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने लॉस एंजिल्स में अपने वाणिज्य दूतावास को मामले की जांच करने का निर्देश दे दिया है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने इस मामले को लेकर अमेरिकी दूतावास से संपर्क किया है।

चिंतन

वो दिन दूर नहीं जब पाक का एक और बंटवारा होगा

बहुत पुरानी कहावत है, जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है, वह खुद उसमें गिरता है। यही हाल पड़ोसी पाकिस्तान का हो रहा है। पाकिस्तानी हुकूमरान हरसंभव नापाक हरकत करते रहे कि किसी भी तरह से भारत को आतंकवाद की आग में झोंका जाए और वहां दहशत का माहौल बनाकर विश्व बिरादरी में भारत को बदनाम किया जाए, लेकिन हो गया है इसके बिल्कुल उलट। पाकिस्तानी सियासतदानों ने जिस आतंकवाद का भारत में दहशत फैलाने के लिए पोषण किया, उसे दूध पिलाया, आज वो उसे ही दहला रहा है। शायद ही कोई ऐसा दिन निकलता हो जब पाकिस्तान में बम धमाका न हो। हर रोज आतंकी वारदातें सामने आ रही हैं। मासूम नागरिक इसके शिकार हो रहे हैं। सिडनी स्थित इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की तरफ से जारी वैश्विक आतंकवाद सूचकांक रिपोर्ट 2025 में पाकिस्तान को दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा आतंक प्रभावित देश बताया गया। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सबसे ज्यादा आतंक प्रभावित इलाके हैं। देशभर की कुल आतंकी घटनाओं में से 90 फीसदी इसी इलाके में हुई हैं। तहरीक-ए-तालिबान को लगातार दूसरे साल पाकिस्तान का सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठन बताया गया है। 2024 में इस ग्रुप ने 482 हमले किए, जिसकी वजह से 558 मौतें हुई थीं, जो 2023 के मुकाबले 91 प्रतिशत ज्यादा हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि पाकिस्तान में हालात क्या हो गए हैं। मंगलवार को तो इसके दो कदम आगे बढ़कर बलूचिस्तान को अलग देश बनाने के लिए हिंसक आंदोलन कर रहे बलूच लिबरेशन आर्मी ने एक पैसेंजर ट्रेन को ही हाईजैक कर लिया। क्वेटा से पेशावर जा रही जाफर एक्सप्रेस पर पेहरो कुनरी और गदलार के बीच भारी गोलीबारी की खबरें हैं, जिसमें 6 पाक सैनिकों की मौत हो गई है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने अपने एक बयान में कहा कि हमारे लड़ाकों ने माशकाफ, धादर और बोलान में इस ऑपरेशन को प्लान किया है। रेलवे ट्रैक को उड़ा दिया गया है, जिसकी वजह से जाफर एक्सप्रेस को रुकना पड़ा। इसके बाद हमारे लड़ाकों ने इस ट्रेन पर कब्जा कर लिया और यात्रियों को बंधक बना लिया, जिसमें 500 यात्री सवार थे। हमने सिर्फ पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के कर्मियों को बंधक बनाया है। अगर हमारे खिलाफ कोई मिलिट्री ऑपरेशन करने की कोशिश की गई तो हम सभी बंधकों को मार देंगे। इस कत्ल-ए-आम की जिम्मेदारी पाकिस्तानी सेना की होगी। असल में बलूच का आंदोलन नया नहीं है। यह आजादी के बाद से ही सुलगता रहा है। भारत को ब्रिटिश शासन से आजादी मिलने से चार दिन पहले बलूचिस्तान को एक स्वतंत्र देश घोषित किया गया था और 1947 में पाकिस्तान को एक अलग राष्ट्र के रूप में बनाया गया था। इससे भी अधिक विडंबना यह थी कि बलूचिस्तान के शासक खान के मामले की पैरवी करने वाले वकील मुहम्मद अली जिन्ना थे, लेकिन बलूचिस्तान केवल 227 दिनों तक ही स्वतंत्र राष्ट्र रह सका। बाद में उसे पाकिस्तान में मिला दिया गया। इसी को लेकर बलूची नाराज हैं और लगातार अलग देश की मांग करते रहे हैं। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, जो इसके भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 44 फीसदी हिस्सा है। यह प्राकृतिक संसाधनों तेल, सोना, तांबा और अन्य खदानों से समृद्ध है। अगर ये सब ऐसे ही चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब पाकिस्तान का बांग्लादेश के बाद एक और बंटवारा हो जाएगा।

विमर्श

प्रो. महेश चंद गुप्ता

सनातन संस्कृति में पर्यावरण समस्या का हल

> विदेशों में बसा हिंदू समुदाय भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह कर रहा है। इस बात को अब विदेशों में भी स्वीकार कर इससे प्रेरणा ली जाने लगी है। ब्रिटेन के इंस्टीट्यूट फॉर द इम्पैक्ट ऑफ फेथ इन लाइफ (आईआईएफएल) की ओर से हाल में किए गए एक अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है। अध्ययन की रिपोर्ट में उल्लेख है कि पर्यावरण सुरक्षा के मुद्दे पर ब्रिटेन में हिंदू समुदाय बाकी समुदायों की तुलना में सबसे ज्यादा सक्रिय है। अधिकांश हिंदू पर्यावरण के लिए कुछ न कुछ कर रहे हैं। कण-कण में भगवान के होने का विश्वास उनका प्रेरणास्रोत है। प्रकृति की रक्षा करना केवल हमारा धर्म नहीं बल्कि हमारा नैतिक उत्तरदायित्व भी है।

भारतीय सनातन संस्कृति और पर्यावरण के बीच युगों पुराना नाता है। एक सनातन संस्कृति ही है, जिसमें प्रकृति को केवल अस्तित्व का आधार ही नहीं बल्कि पूजनीय माना गया है। आधुनिक विज्ञान में जिस पर्यावरणीय संतुलन की वकालत की जाती है, उस संतुलन को सनानत परंपराओं में सदियों से साधा जा रहा है। सनातन संस्कृति में प्रत्येक प्राकृतिक तत्व को दिव्य माना गया है। हमारे लिए सूर्य, जल, वायु और वनस्पति सब देवतुल्य हैं। जरूरत के समय पेड़ों को काटने से पहले उनकी अनुमति मांगने और तुलसी पत्र तोड़ते समय विनम्र भाव से क्षमा मांगने की विनम्रता केवल हमारी संस्कृति में ही है।

हम सूर्यास्त के बाद फूल-पत्तियां इसलिए नहीं तोड़ते क्योंकि तब वे विश्राम की अवस्था में होते हैं। न केवल भारत में बल्कि विदेशों में बसा हिंदू समुदाय भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह कर रहा है। इस बात को अब विदेशों में भी स्वीकार कर इससे प्रेरणा ली जाने लगी है। ब्रिटेन के इंस्टीट्यूट फॉर द इम्पैक्ट ऑफ फेथ इन लाइफ (आईआईएफएल) की ओर से हाल में किए गए एक अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है। अध्ययन की रिपोर्ट में उल्लेख है कि पर्यावरण सुरक्षा के मुद्दे पर ब्रिटेन में हिंदू समुदाय बाकी समुदायों की तुलना में सबसे ज्यादा सक्रिय है। अधिकांश हिंदू पर्यावरण के लिए कुछ न कुछ कर रहे हैं। कण-कण में भगवान के होने का विश्वास उनका प्रेरणास्रोत है। 64 फीसदी हिंदू 'रीवाइल्डिंग' यानी इको सिस्टम को नई जिंदगी देने में शामिल हैं। 78 फीसदी हिंदू अपनी आदतों में इसलिए बदलाव लाते हैं ताकि पर्यावरण को नुकसान कम हो। 44 प्रतिशत हिंदू पर्यावरणीय संगठनों से जुड़े हैं। अध्ययन में हिंदू, मुस्लिम और ईसाई समुदायों के पर्यावरण संबंधी नजरिये और गतिविधियों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट से पता चलता है कि ब्रिटेन के 82 फीसदी ईसाई धर्म को पर्यावरण सुरक्षा से जोड़ते हैं पर उनके सुरक्षा संबंधी काम सबसे कम हैं। अगर हिंदू पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय हैं तो इसका मुख्य कारण यह है कि हिंदू धर्म में 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना निहित है जो संपूर्ण सृष्टि को एक परिवार के रूप में देखने की शिक्षा देती है। यही भाव हममें प्रकृति के प्रति एकात्मता का भाव विकसित करता है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है, तब सनातन संस्कृति की यह सोच और व्यवहार मानवता के लिए एक प्रेरणा बन सकता है। यह अध्ययन पर्यावरण संकट और जलवायु परिवर्तन के खतरों के दृष्टिगत बहुत महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन से न सिर्फ सनातन संस्कृति और पर्यावरण के संबंधों का पता चलता है, वहीं यह बात भी साबित होती है कि दशकों पहले कामकाज के सिलसिले में विदेशों में बस गए हिंदू आज भी अपनी संस्कृति को आत्मसात किए हुए हैं। हिंदू सनातन धर्म में पर्यावरण केवल आध्यात्मिकता या पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है बल्कि यह संपूर्ण सृष्टि के प्रति एक गहरी जागरुकता और सम्मान की भावना से ओत-प्रोत है। हमारी संस्कृति में प्रकृति और जीव-जंतुओं को पूजनीय मानते हुए उनके संरक्षण पर जोर दिया गया है। इससे हिंदू धर्म में पर्यावरण संरक्षण केवल नैतिक दायित्व नहीं है बल्कि धार्मिक आस्था और दैनिक जीवन का अभिन्न अंग भी है। सनातन धर्म में यह मान्यता है कि संपूर्ण सृष्टि पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश पंचतत्वों से बनी है। इन पंचतत्वों को संतुलित रखना जीवन का मूल

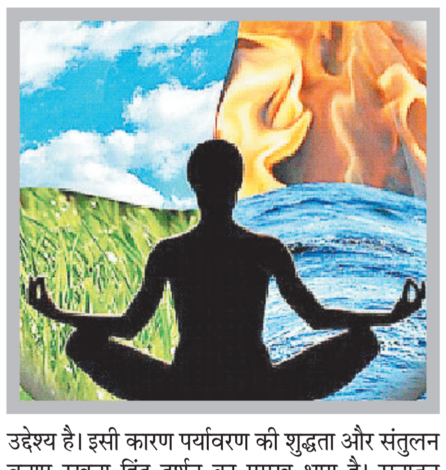

उद्देश्य है। इसी कारण पर्यावरण की शुद्धता और संतुलन बनाए रखना हिंदू दर्शन का प्रमुख भाग है। सनातन संस्कृति में पग-पग पर पर्यावरण संरक्षण के उपाय किए गए हैं। नदियों को देवी मानकर पूजने के पीछे गंगा, यमुना, नर्मदा, कृष्णा आदि तमाम नदियों की पवित्रता को बनाए रखने की मंशा ही तो है।

हवन और यज्ञ में प्राकृतिक जड़ी-बूटियों का उपयोग करने के पीछे पर्यावरण को शुद्ध करने की भावना निहित है। हमारे पुरखों ने योग और प्राणायाम के जरिए शुद्ध वायु का महत्व कितने वैज्ञानिक ढंग से समझाया है। पेड़ों और वनस्पतियों को देवतुल्य मानकर उनकी पूजा के पीछे उनके संरक्षण की भावना ही तो है। सदियों पहले जिस तुलसी को मां लक्ष्मी का स्वरूप मानकर हर घर में लगाने की परंपरा शुरू की, उसके औषधीय गुणों को आज वैज्ञानिक भी स्वीकार करते हैं। हमारे यहां प्राचीन काल में ही ऋषि-मुनि आश्रमों में वन लगाने को प्राथमिकता दी गई और आज भी मंदिरों और आश्रमों में पौधरोपण को पवित्र कार्य के रूप में करके उसका अनुसरण किया जा रहा है। हमारे देश में पर्यावरण संरक्षण हमारी शिक्षा पद्धति का प्राचीन काल से ही भाग रहा है। हमारे ऋषि-मुनि पर्यावरण शुद्ध रखने के लिए हवन-यज्ञ करते थे। इससे वातावरण को साफ एवं समय पर वर्षा में मदद मिलती थी। मौजूदा समय में तो प्राचीन परंपराओं का अनुसरण करने की ज्यादा जरूरत हैं क्योंकि नदियों का जल कम एवं प्रदूषित हो रहा है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं। समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और विश्व के कई तटीय शहरों के डूब जाने का अंदेशा है।

प्राचीन गुरुकुलों में पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया जाता था तो मौजूदा दौर में भी कॉलेजों-विश्वविद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण पर शोध एवं अध्ययन, अधिकाधिक पेड़ लगाने और पर्यावरण अनुकूलता के लिए स्वच्छ वातावरण को प्राथमिकता दी जा रही है। हमारी मान्यता है कि शुद्ध एवं साफ वातावरण में लक्ष्मी का वास होता है और इससे समृद्धि आती है, हमारे इस विचार को विदेशों में अपनाया गया है। विभिन्न देशों में विश्वविद्यालयों के लंबे-चौड़े, खुले परिसर एवं वहां सघन हरियाली इसका प्रमाण है। सनातन संस्कृति में जैव विविधता को बनाए रखने के लिए जहां गाय को माता का दर्जा दिया गया है, वहीं नाग पंचमी पर सांपों की पूजा कर उनके महत्व को भी स्वीकारा गया है। गंगा दशहरा और कार्तिक स्नान जैसे त्योहारों के माध्यम से जल शुद्धता बनाए रखने का संदेश दिया गया है। अर्द्धकुंभ, कुंभ और महाकुंभ में नदियों की सफाई और उनकी महत्ता पर बल दिया गया है। आज समूची दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और पारिस्थितिक असंतुलन की समस्याओं से जूझ रही है। इन समस्याओं का समाधान भारतीय सनातन संस्कृति में खोजा जा सकता है। हमारी महान परंपराएं समूची दुनिया में पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शक बन सकती हैं। हिंदू धर्म में पुराने कपड़ों और सामान का पुनः उपयोग करने की परंपरा रीसाइक्लिंग और अपशिष्ट प्रबंधन का प्राचीन रूप नहीं तो क्या है। हमारे यहां शाकाहार को बढ़ावा इसलिए दिया गया क्योंकि हमारे पूर्वज जानते थे कि शाकाहार को बढ़ावा देने से कार्बन उत्सर्जन कम होता है और पर्यावरणीय संतुलन बना रहता है। हिंदू सनातन धर्म और पर्यावरण संरक्षण की भावना परस्पर गहराई से जुड़े हुए हैं। यह जुड़ाव केवल धार्मिक नियमों का पालन करने तक सीमित नहीं है बल्कि एक संपूर्ण जीवन शैली है जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन, सम्मान और संरक्षण को प्राथमिकता देती है। अगर आज पूरी दुनिया इन सिद्धांतों को अपना ले तो न सिर्फ पर्यावरण संकट को कम किया जा सकता है बल्कि जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से भी निपटा जा सकता है। प्रकृति की रक्षा करना केवल हमारा धर्म नहीं बल्कि हमारा नैतिक उत्तरदायित्व भी है।

(लेखक प्रख्यात शिक्षाविद्, वक्ता व चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

नो स्मोकिंग डे

योगेश कुमार गोयल

धूम्रपान मुक्त जीवन ही है स्वस्थ भविष्य की गारंटी

प्रतिवर्ष मार्च महीने के दूसरे बुधवार को 'धूम्रपान निषेध दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 12 मार्च को मनाया जा रहा है। इस दिन का उद्देश्य निकोटीन के आदी लोगों को धूम्रपान छोड़ने के लिए मदद पाने को प्रोत्साहित करना है। यह समाज पर धूम्रपान के दुष्परिणामों को उजागर करने और जीवन के स्वस्थ तरीकों तथा धूम्रपान मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने का दिन है। पहली बार धूम्रपान निषेध दिवस 1984 में आयरलैंड गणराज्य में मनाया गया था। तब यह मार्च महीने के पहले बुधवार को मनाया जाता था लेकिन समय के साथ यह मार्च के दूसरे बुधवार को मनाया जाने लगा। उसके बाद से यूके सहित कई देशों में यह एक वार्षिक कार्यक्रम की भांति मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 'इस नो स्मोकिंग डे पर अपनी जिंदगी वापस लें' विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष का विषय हमें यह याद दिलाता है कि धूम्रपान छोड़कर हम न केवल अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं बल्कि अपने परिवार और प्रियजनों के साथ अधिक गुणवत्तापूर्ण समय भी बिता सकते हैं। धूम्रपान छोड़ने से हृदय रोग, कैंसर और सांस की बीमारियों का खतरा कम होता है। यह आर्थिक दृष्टिकोण से भी फायदेमंद है क्योंकि धूम्रपान पर खर्च होने वाले पैसे की बचत की जा सकती है। कई अध्ययनों में यह तथ्य सामने आ चुका है कि सिगरेट तथा अन्य धूम्रपान उत्पादों में मौजूद रसायन प्रतिवर्ष लाखों लोगों की जान ले लेते हैं। दरअसल सिगरेट के धुएं में ऐसे रसायन होते हैं, जो धूम्रपान के दौरान और बाद में शरीर पर घातक प्रभाव डालते हैं। तंबाकू के सेवन से दुनियाभर में हर साल 80 लाख से ज्यादा मौतें होती हैं। निकोटीन विकासशील मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकता है। व्यस्कों के मुकाबले बच्चों के बहुत जल्दी आदी हो जाने की भी संभावना है। धूम्रपान करने वाले बच्चों में निकोटीन अवसाद और चिंता से भी जुड़ा है। सार्वजनिक स्थलों के अलावा बंद कमरे में धूम्रपान करना तो धूम्रपान न करने वालों के लिए भी बेहद खतरनाक सिद्ध होता है, जिसके सबसे बड़े शिकार प्रायः घरों में बच्चे ही होते हैं।

चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि जिन बच्चों के माता-पिता बीड़ी-सिगरेट के आदी होते हैं, उन बच्चों में निमोनिया, ब्रोंकाइटिस जैसी सांस, गले और छाती की बीमारियां होना एक आम बात है। बच्चों में धूम्रपान के संपर्क में आने से श्वसन संक्रमण, कान में संक्रमण और अस्थमा का दौरा पड़ सकता है। जहां तक तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा की बात है तो यह इसलिए बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि बच्चों का मन-मस्तिष्क बहुत कोमल होता है और तंबाकू उद्योग बच्चों को लक्षित करने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग करता है। ऐसे ही तरीकों में तंबाकू उद्योग आकर्षक विज्ञापनों और मार्केटिंग अभियानों का सहारा लेता है, जिनके जरिये बच्चों को तंबाकू उत्पादों को आकर्षक और वांछनीय लगने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जाता है। सोशल मीडिया के जरिये भी तंबाकू कंपनियां बच्चों के साथ जुड़ने और उन्हें तंबाकू उत्पादों के बारे में जानकारी देने का प्रयास करती हैं। धूम्रपान करने से बच्चों को अनेक प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। डब्ल्यूएचओ के स्वास्थ्य संवर्धन विभाग के निदेशक डा. रूडिगर क्रेच कहते हैं कि वे इस बात से आश्चर्यचकित हैं कि तंबाकू उद्योग अनगिनत जिंदगियों की क़ीमत पर मुनाफ़ा कमाने के लिए इस हद तक जाएगा। उनके मुताबिक जैसे ही किसी देश की सरकार को लगता है कि उसने तंबाकू के खिलाफ लड़ाई जीत ली है, तंबाकू उद्योग स्वास्थ्य नीतियों में हेरफेर करने और अपने घातक उत्पादों को बेचने के अवसर को अपनी पकड़ में ले लेता है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि दुनियाभर में तंबाकू उद्योग के बढ़ते हस्तक्षेप से स्वास्थ्य नीति को बचाने के प्रयास लड़खड़ा गए हैं, इसीलिए उसने ऐसे में विभिन्न देशों से कार्रवाई तेज़ करने का आह्वान किया है। चूंकि धूम्रपान करने से बच्चों में इसकी लत लगने की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, जो उनके जीवन को कई प्रकार से नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है, इसीलिए तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किया जाना समय की बहुत बड़ी मांग है। इसके लिए जरूरी यह भी है कि बच्चों तथा उनके माता-पिता को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप और तंबाकू उत्पादों के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं और तंबाकू उत्पादों के उपयोग से संबंधित कानूनों का सख्ती से पालन किया जाए

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का मार्गदर्शन करती है अंतःकरण की आवाज

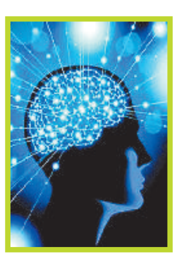

संकलित
दर्शन

हमारे अंतःकरण की आवाज हमारी मुख्य मार्गदर्शक होती है। यही हमें सही और गलत में अंतर का आभास कराती है। मनोविज्ञान के अनुसार, जब किसी मनुष्य का कोई कार्य, विचार और अभिव्यक्ति नैतिक मूल्यों के विपरीत परिणाम देती है तो अंतर्मन की आवाज उस व्यक्ति में ग्लानि और पश्चाताप की भावना को जन्म देती है, लेकिन जब हमारे कार्य नैतिक मूल्यों के अनुरूप परिणाम देते हैं तो इससे मन भीतर से प्रसन्न होता है। आज के इस कोलाहल भरे समय में हम प्रायः अपने अंतःकरण की आवाज को सुन नहीं पाते या उसे सुनकर उस पर अपेक्षित मनन नहीं करते। यही कारण है कि हम अपने जीवन में भटकाव महसूस करते हैं। महात्मा गांधी तो अंतःकरण की आवाज को ही सर्वोच्च मानते थे। उनके कई निर्णयों का आधार ही अंतःकरण की आवाज थी। इसी कारण गांधीजी सत्य के साथ खड़े रहे। इसीलिए उनके द्वारा किए गए अधिकांश प्रयोग सफल रहे। जीवन में सदैव संतुष्ट एवं प्रसन्न रहने का सरल सा तरीका यही है कि हम अपने अंतःकरण की आवाज सुनें, क्योंकि हमारे अंदर से आने वाली आवाज प्रत्येक परिस्थिति में सही होती है। हम जब कभी भी कुछ गलती या बुरा आचरण कर रहे होते हैं, तब हम अपनी भूल को जानते हैं। हमें कुछ अटपटा सा लगता है। भीतर से आवाज आती है कि यह कार्य उचित नहीं है। यही हमारे अंतःकरण की आवाज होती है। यही आवाज हमें कुछ गलत करने से रोकती है। जब हम अपने अंतःकरण की आवाज को अनसुना करते हैं तो अंतरात्मा से हमारा संपर्क कमजोर हो जाता है।

अपने बल पर न करें घमंड न दूसरों को कमजोर समझें

संकलित
प्रेरणा

महाभारत युद्ध में अर्जुन और कर्ण आमने-सामने थे। दोनों दिव्य अस्त्र-शस्त्रों से लड़ रहे थे। जब-जब अर्जुन के तीर कर्ण के रथ पर लग रहे थे तो कर्ण का रथ बहुत पीछे खिसक रहा था। दूसरी ओर जब-जब कर्ण के तीर अर्जुन के रथ पर लगते तो उसका रथ थोड़ा सा ही पीछे खिसकता था। ये देखकर अर्जुन को घमंड हो गया कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। अर्जुन ने ये बात श्रीकृष्ण से कही तो भगवान ने कहा कि तुम्हारे बाणों से ज्यादा शक्ति कर्ण के बाणों में है। भगवान की बात सुनकर अर्जुन ने कहा कि ये कैसे संभव है, मेरा रथ तो थोड़ा सा ही पीछे खिसक रहा है। श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम्हारे रथ पर मैं स्वयं बैठा हूं, ऊपर ध्वजा पर हनुमान जी विराजित हैं, तुम्हारे रथ के पहिए को शेषनाग ने थाम रखा है। इतना होने के बाद भी कर्ण के बाण ये रथ पीछे खिसक रहा है तो इसका मतलब यही है कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। यदि ये न होता तो पता नहीं तुम्हारे रथ की क्या स्थिति होती। ये बात सुनकर अर्जुन को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसका घमंड टूट गया। इस कथा में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को सीख दी है कि कभी अपनी शक्ति का घमंड न करें और शत्रु को कमजोर न समझें। यथा स्थिति का अच्छा से अवलोकन करे।

अंतर्मन

आज की पाती

होली का त्योहार सामूहिक उमंग और उत्साह का प्रतीक

त्योहार और पर्वो की संस्कृति का देश है भारत। इसमें हर दिन कोई न कोई त्योहार मनाया जाता है। ये त्योहार मानव-समाज की उमंगों एवं आशाओं के प्रतीक हैं। मनुष्य सहज ही आशावादी होता है, आशा ही उसे प्रसन्न और कार्यशील रखती हैं। इसलिए आशाओं को जीवित और प्रचण्ड रखने के लिए वह पर्व, त्योहार आदि उत्सव मनाता रहता है। त्योहारों में मानव जाति को संस्कार और विचार देने की एक अन्तरधारा छिपी रहती है। जैसे गंगा-यमुना के प्रवाह के भीतर सरस्वती का प्रवाह छिपा है। वैसे ही हमारे देश में हर त्योहार व पर्व के भीतर एक आदर्श समाज की कल्पना और भावना, मानव जाति के पारस्परिक प्रेम, समानता, हर्ष-उल्लास का संस्कार और आदर्शों की कल्पना इन पर्वों के पीछे छिपी है। *- कांतिलाल मांडोत, सूरत*

करंट अफेयर

अफगानिस्तान की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं: भारत

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि उसने तालिबान शासन के साथ द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की है और लोगों से लोगों के 'विशेष' संबंध देश के भारत के मौजूदा जुड़ाव का 'आधार' रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने सोमवार को अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा बैठक में कहा कि इस साल की शुरुआत में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दुबई में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी से मुलाकात की थी। हरीश ने परिषद में कहा, 'दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। अफगान पक्ष ने अफगानिस्तान के लोगों के साथ जुड़ने और उनका समर्थन करने के लिए भारतीय नेतृत्व की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया।' उन्होंने कहा, 'यह निर्णय लिया गया कि भारत, अफगानिस्तान में जारी मानवीय सहायता कार्यक्रमों के अलावा निकट भविष्य में विकास परियोजनाओं में शामिल होने पर विचार करेगा।' मिस्री और मुत्ताकी के बीच जनवरी में हुई बैठक, 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से भारत और तालिबान के बीच अब तक का सबसे उच्च स्तरीय संपर्क था।

ऑफ बीट

बैठने के बजाय खड़े होकर काम करना फायदेमंद है?

आधुनिक समय में हममें से अधिकतर लोग जागते हुए अपना अधिकांश समय बैठकर गुजारते हैं। हाल में एक अनुसंधान में लंबे समय तक बैठने के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभावों को रेखांकित किया गया है। कई कार्यस्थलों पर 'सिट-स्टैंड' डेस्क सिस्टम को अपनाया गया है, जिस पर आप लंबे समय तक बैठने के नुकसान से बचने के लिए डेस्क को बटन या लीवर दबाकर ऊंचा कर सकते हैं और खड़े होकर काम कर सकते हैं। लेकिन खड़ा होना बेहतर कैसे है? और क्या बहुत अधिक खड़े होने के भी नुकसान हैं? बहुत अधिक बैठने और खड़े होने के जोखिमों के बारे में अनुसंधान क्या कहता है, और क्या 'सिट-स्टैंड' डेस्क में निवेश करना ठीक है। बहुत अधिक बैठने के क्या नुकसान हैं? जो लोग बहुत अधिक बैठते हैं उनमें टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के विकसित होने और उनका जीवन कम होने की आशंका बढ़ जाती है। लंबे समय तक बैठे रहने से मांसपेशियों, हड्डियों में, खासकर गर्दन और पीठ में दर्द संबंधी शिकायत बढ़ जाती है। उन लोगों को अधिक बैठने से और भी ज्यादा नुकसान हो सकता है जो बहुत कम व्यायाम करते हैं या एक मानक स्तर तक शारीरिक गतिविधियां नहीं करते।

ट्रेंड

मॉरीशस में स्वागत

मॉरीशस में अविस्मरणीय स्वागत से बहुत अभिभूत हूं। यहां की संस्कृति में भारतीयता किस तरह रची-बसी है, उसकी पूरी झलक 'गीत-गवई' में देखने को मिली। हमारी भोजपुरी भाषा मॉरीशस में जिस तरह से फल-फूल रही है, वह हर किसी को गौरवान्वित करने वाली है।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अस्पताल का लोकार्पण

उत्तम चिकित्सा सुविधाओं तक हर नागरिक की सुगम और सुलभ पहुंच की सुनिश्चितता हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। आज झांसी में 200 बेड के अस्पताल का लोकार्पण किया। 'स्वस्थ उत्तर प्रदेश' की संकल्पना की सिद्धि में नया उत्तर प्रदेश सतत गतिशील है।
-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

जनप्रतिनिधि का कर्तव्य

जन भावनाओं को सुनना जनप्रतिनिधि का कर्तव्य ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने का काम भी करता है। दिल्लीवासियों की हर शंका का समाधान करना मेरी जिम्मेदारी है।
-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

सभी धर्मों का सम्मान

इस समय रमज़ान चल रहे हैं और होली का भी त्योहार आ रहा है। इसकी आड़ में कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं। सभी धर्मों के अनुयायियों के मान-सम्मान का बराबर ध्यान रखना बहुत जरूरी।
-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

हिंदुस्तान जिंक ने किया सेरेंटिका से समझौता

नई दिल्ली। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसने 530 मेगावाट तक हरित बिजली की आपूर्ति के लिए सेरेंटिका रिन्यूएबल्स के साथ समझौता किया है। इस बिजली आपूर्ति समझौते (पीडीए) के साथ हिंदुस्तान जिंक की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 450 मेगावाट से बढ़कर 530 मेगावाट हो जाएगी। इसके साथ ही कंपनी की कुल बिजली जरूरत में हरित ऊर्जा का योगदान 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा।

थर्मैक्स केमिकल ने ओसीक्यू के साथ संयुक्त उद्यम बनाया

नई दिल्ली। थर्मैक्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी थर्मैक्स केमिकल सॉल्यूशंस ने ब्राजील की केमिकल कंपनी ओस्वाल्डो क्रूज क्यूमिका इंडस्ट्रिया ई कॉमर्सियो लिमिटेड (ओसीक्यू) के साथ एक विशेष शेयरधारक समझौता किया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। समझौते के अनुसार, थर्मैक्स नई इकाई में 51 प्रतिशत की बहुलांश हिस्सेदारी रखेगी, जबकि ओसीक्यू के पास बाकी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

जनवरी तक 1,61,150 इकाईयों को मिली स्टार्टअप की मान्यता

नई दिल्ली। सरकार ने इस साल 31 जनवरी तक 1,61,150 इकाईयों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी गई है। यह जानकारी मंगलवार को संसद को दी गयी। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इनमें से 28,511 इकाइयों को महाराष्ट्र में और 16,954 को कर्नाटक में स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी गई है। उन्होंने कहा, ''31 जनवरी 2025 तक, 1,61,150 इकाइयों को डीपीआईआईटी (उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग) द्वारा स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी गई है।''

रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ 87.21 प्रति डॉलर

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के चार माह के निचले स्तर पर आने के बीच रुपया मंगलवार को भारी गिरावट से उबरकर 10 पैसे की बढ़त के साथ 87.21 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के रुख और अमेरिका में मंदी के डर और व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी के बाहर जाने से स्थानीय मुद्रा में सुधार सीमित रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.37 पर खुला और डॉलर के मुकाबले दिन के निचले स्तर 87.39 तक चला गया।

एयरटेल का तीव्र इंटरनेट सेवाओं के लिए मस्क की स्पेसएक्स से करार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल ने मंगलवार को कहा कि उसने भारत में अपने ग्राहकों को स्टारलिंक की उच्च गति वाली इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की उपग्रह कंपनी स्पेसएक्स के साथ साझेदारी की है।

एयरटेल ने बयान में कहा कि यह समझौता स्पेसएक्स को भारत में स्टारलिंक की उपग्रह संचार-आधारित सेवाओं को बेचने के लिए मंजूरी हासिल करने के अधीन है। बयान के मुताबिक, यह समझौता एयरटेल और स्पेसएक्स को यह पता लगाने में सक्षम बनाएगा कि स्टारलिंक एयरटेल की पेशकश को किस तरह पूरक बनाने के साथ विस्तारित कर सकती है। इससे भारतीय बाजार में एयरटेल की विशेषज्ञता उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए स्पेसएक्स की सीधी पेशकशों को पूरक बनाने की भी परख होगी। भारती एयरटेल के प्रबंध निदेशक और वाइस चेयरमैन गोपाल विट्टल ने कहा कि भारत में एयरटेल के ग्राहकों को स्टारलिंक सेवाएं प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स के साथ काम करना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और यह अगली पीढ़ी की उपग्रह कनेक्टिविटी के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एयरटेल भारत में स्टारलिंक की उपग्रह आधारित सेवा बेचेगी

विश्वस्तरीय तेज गति का ब्रॉडबैंड मिलेगा

विट्टल ने कहा, ''यह सहयोग भारत के सबसे दूरदराज के इलाकों में भी विश्वस्तरीय तेज गति वाला ब्रॉडबैंड लाने की हमारी क्षमता को बढ़ाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हर व्यक्ति, व्यवसाय और समुदाय के पास विश्वसनीय इंटरनेट हो। स्टारलिंक, एयरटेल के उत्पादों के समूह को पूरक और उन्नत करेगी, ताकि हमारे भारतीय ग्राहकों के लिए विश्वसनीय और सस्ता ब्रॉडबैंड सुनिश्चित हो सके।''

ग्रामीण इलाकों में तलाशी जाएगी संभावनाएं

इस समझौते के तहत, एयरटेल और स्पेसएक्स एयरटेल के खुदरा स्टोर पर स्टारलिंक उपकरण, एयरटेल के माध्यम से व्यावसायिक ग्राहकों को स्टारलिंक सेवाएं, समुदायों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों को जोड़ने के अवसर, भारत के सबसे दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में भी कई अन्य सुविधाएं प्रदान करने की संभावना तलाशेंगे।

बैन एंड कंपनी और आईवीसीए ने जारी की रिपोर्ट

उद्यम पूंजी कोषों का 2024 में भारतीय कंपनियों को वित्तपोषण 43 फीसदी बढ़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के उद्यम पूंजी (वीसी) परिवेश ने 2024 में मजबूत वृद्धि प्रदर्शित की। इस दौरान उद्यम पूंजी कोषों का वित्तपोषण सालाना आधार पर 43 प्रतिशत बढ़कर 13.7 अरब डॉलर हो गया। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

- वित्त पोषण सालाना आधार पर बढ़कर 13.7 अरब डॉलर

बैन एंड कंपनी और आईवीसीए की रिपोर्ट कहती है कि उद्यम पूंजी कोषों के वित्तपोषण में आई यह तेजी सौदों की संख्या में 45 प्रतिशत की वृद्धि के कारण दर्ज हुई। वर्ष 2024 में भारतीय बाजार में कुल 1,270 सौदे हुए जिससे यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में उद्यम पूंजी और वृद्धि वित्तपोषण के लिहाज से दूसरा बड़ा बाजार साबित हुआ।

खास बातें

- तेजी सौदों की संख्या में 45 प्रतिशत की वृद्धि के कारण दर्ज हुई
- वर्ष 2024 में भारतीय बाजार में कुल 1,270 सौदे हुए

छोटे व मध्यम सौदे 1.4 गुना बढ़े

रिपोर्ट के मुताबिक, छोटे और मध्यम आकार के सौदे (पांच करोड़ डॉलर से कम) 1.4 गुना बढ़ गए और इनकी कुल सौदों में हिस्सेदारी करीब 95 प्रतिशत रही। वहीं पांच करोड़ डॉलर से अधिक मूल्य के सौदों की संख्या लगभग दोगुनी होकर कोविड महामारी-पूर्व के स्तर पर पहुंच गई। इसके साथ ही पिछले कैलेंडर वर्ष में भारतीय बाजार में 10 करोड़ डॉलर से अधिक आकार के बड़े सौदे भी 1.6 गुना बढ़ गए।

उपभोक्ता प्रौद्योगिकी से 5.4 अरब डॉलर का वित्त हासिल

रिपोर्ट कहती है कि उपभोक्ता प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर और जनरेटिव एआई समेत सॉफ्टवेयर सेवा और वित्तीय-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों ने कुल वित्तपोषण का 60 प्रतिशत से अधिक आकर्षित किया। इसमें उपभोक्ता प्रौद्योगिकी क्षेत्र 5.4 अरब डॉलर का वित्तपोषण हासिल कर सबसे आगे रहा।

जेप्टो को मिला 1.4 अरब डॉलर का वित्तपोषण

रिपोर्ट के मुताबिक, यह तीव्र वृद्धि त्वरित आपूर्ति, शिक्षा प्रौद्योगिकी और बी2सी कारोबार में महत्वपूर्ण निवेश से प्रेरित थी। इसमें जेप्टो (1.4 अरब डॉलर), मीशो (27.5 करोड़ डॉलर) और लेंसकार्ट (20 करोड़ डॉलर) जैसी कंपनियों को मिले वित्तपोषण की प्रमुख भूमिका रही।

स्टार्टअप और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार

इसके अलावा सॉफ्टवेयर और जेनरेटिव एआई क्षेत्रों ने भी 1.7 अरब डॉलर जुटाकर वित्तपोषण की गति को बनाए रखा। रिपोर्ट कहती है कि बड़े यानी एंजल निवेशकों से लिए जाने वाले कर की व्यवस्था को खत्म करना, दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर कर की दरों को कम करना और विदेशी उद्यम पूंजी निवेशक पंजीकरण को आसान बनाने जैसी सरकारी पहल ने स्टार्टअप और निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल माहौल तैयार किया है।

नीतिगत सुधारों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया

भारतीय उद्यम और वैकल्पिक पूंजी संघ (आईवीसीए) के अध्यक्ष रजत टंडन ने कहा, '2024 में शुरू किए गए नीतिगत सुधारों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है, जिससे 2025 के लिए एक गतिशील माहौल तैयार हुआ है। हमें खासकर विकास-चरण के निवेश में सौदे बढ़ने की उम्मीद है।'

खाद्य तेल आयात फरवरी में आठ प्रतिशत घटा

सालाना आधार पर घटकर 8.85 लाख टन पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इस साल फरवरी में भारत का खाद्य तेल आयात सालाना आधार पर आठ प्रतिशत घटकर 8,85,561 टन रहा है। उद्योग निकाय एसईए के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। फरवरी, 2024 में खाद्य तेलों का आयात 9,58,852 टन का हुआ था।

- फरवरी 2024 में आयात 9,58, 852 टन रहा

सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के आंकड़ों से पता चलता है कि फरवरी के दौरान वनस्पति तेलों (खाद्य और अखाद्य तेल) का आयात फरवरी, 2024 के 9,65,852 टन की तुलना में सात प्रतिशत घटकर 8,99,565 टन रह गया। इसमें 8,85,561 टन खाद्य तेल और 14,004 टन अखाद्य तेल शामिल हैं।

बंदरगाह तक पहुंचने की कीमत मजबूत हुई

पिछले कुछ सप्ताह में, भारतीय बाजार में बंदरगाह तक पहुंचने की लागत के सापेक्ष कच्चे पाम तेल की कीमतें थोड़ी मजबूत हुई हैं। इसने कहा, ''हालांकि, वैश्विक बाजार में कमजोर मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता निकट भविष्य में भारतीय पामतेल आयात घटा सकती है। एसोसिएशन ने कहा कि वर्ष 2024-25 में वनस्पति तेल की खपत में वृद्धि धीमी होने की उम्मीद है।

दूरसंचार ग्राहकों की संख्या दिसंबर में बढ़कर 119 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में टेलीफोन ग्राहकों की कुल संख्या दिसंबर, 2024 में मामूली रूप से बढ़कर 118.99 करोड़ हो गयी। इसमें जियो ने मोबाइल और फिक्स्ड लाइन दोनों क्षेत्रों में सबसे अधिक ग्राहक जोड़े। दूरसंचार नियामक ट्राई ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नवंबर में कुल टेलीफोन ग्राहकों की संख्या 118.72 करोड़ थी।

- जियो मोबाइल व फिक्स्ड लाइन में सबसे आगे

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों के अनुसार, रिलायंस जियो इन्फोकॉम 47.66 करोड़ ब्रॉडबैंड ग्राहकों के साथ सबसे आगे रही। उसके बाद भारती एयरटेल (28.93 करोड़) और वोडाफोन आइडिया (12.64 करोड़) का स्थान था। शहरी टेलीफोन ग्राहक बढ़कर दिसंबर में 66.34 करोड़ हो गए, जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 65.99 करोड़ था। इसी अवधि के दौरान ग्रामीण ग्राहक घटकर 52.66 करोड़ हो गये जो इससे पिछले महीने में 52.73 करोड़ थे। ट्राई के आंकड़ों के अनुसार, वायरलेस ग्राहकों की संख्या दिसंबर, 2024 में 0.17 प्रतिशत बढ़कर 115.07 करोड़ हो गयी जो इससे पिछले महीने नवंबर में 114.87 करोड़ थी। दिसंबर के अंत में वायरलेस टेलीघनत्व बढ़कर 81.67 प्रतिशत हो गया, जबकि नवंबर के अंत में यह 81.59 प्रतिशत था। आंकड़ों के अनुसार, रिलायंस जियो ने 39,06,123 वायरलेस ग्राहक जोड़े, जबकि भारती एयरटेल ने इस अवधि के दौरान 10,33,009 ग्राहकों को जोड़ा।

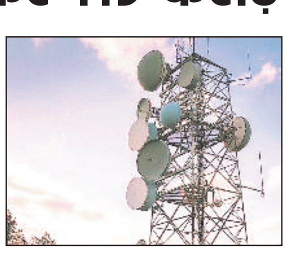

वायर लाइन ग्राहकों की संख्या बढ़ी

ट्राई के आंकड़ों के अनुसार, वायरलाइन ग्राहकों की संख्या दिसंबर, 2024 के अंत में बढ़कर 3.93 करोड़ हो गई, जो एक महीने पहले नवंबर, 2024 में 3.85 करोड़ थी। इससे देश में समग्र वायरलाइन टेली-घनत्व 2.73 प्रतिशत से बढ़कर 2.79 प्रतिशत हो गया।

सोने में तेजी लौटी, चांदी फिसली

सोना बढ़कर 88,790 रुपए प्रति 10 ग्राम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सोने में तीन दिनों से जारी गिरावट मंगलवार को थम गई तथा मजबूत वैश्विक रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत मजबूती के साथ 88,790 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गयी। अखिल भा र ती य सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

- चांदी में 350 रुपय गिरकर 98,900 रुपए किलो रही

राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 40 रुपये की तेजी के साथ 88,790 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ जो पहले 88,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं

99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 40 रुपये की तेजी के साथ 88,390 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। हालांकि, चांदी की कीमत 350 रुपये की गिरावट के साथ 98,900 रुपये प्रति किलोग्राम रही। सोमवार को चांदी की कीमत 99,250 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक बाजारों में अप्रैल डिलीवरी वाले कॉमेक्स सोना वायदा 19.30 डॉलर बढ़कर 2,918.70 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस बीच, हाजिर सोना 0.82 प्रतिशत बढ़कर 2,912.43 डॉलर प्रति औंस हो गया।

खादी कारीगरों की मजदूरी अप्रैल से 20 प्रतिशत बढ़ेगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के चेयरमैन मनोज कुमार ने मंगलवार को कहा कि इस साल एक अप्रैल से खा दी कारीगरों की मजदूरी 20 प्रतिशत बढ़ जाएगी।

- केवीआईसी के चेयरमैन ने दी जानकारी
- एक अप्रैल, 2025 से 2.50 रुपए तक बढ़ाया जाएगा

मौ जू दा समय में, 'स्पिनर' को चरखे पर प्रति हांक कताई के लिए 12.50 रुपये मिलते हैं, जिसे एक अप्रैल, 2025 से 2.50 रुपये तक बढ़ाया जाएगा। बढ़ी हुई दर के अनुसार, उन्हें 15 रुपये प्रति हांक स्पून मिलेंगे। केवीआईसी के चेयरमैन ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। केवीआईसी ने चेयरमैन के हवाले से बयान में कहा, ''खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री पांच गुना होकर 31,000 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 2023-24 में 1,55,000 करोड़ रुपये हो गई। खादी के कपड़ों की बिक्री छह गुना बढ़ गई यानी पहले के 1,081 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 6,496 करोड़ रुपये हो गई।''

बयान में कहा गया,, ''कुल मिलाकर, 10.17 लाख नए व्यक्तियों को वित्तव र्ष 2023-24 में रोजगार मिला।'' उन्होंने कहा, ''अब तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में उत्पादन और बिक्री का एक नया रिकॉर्ड बनाया जाएगा।'' उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 साल के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खादी क्रांति ने कारीगरों के जीवन में व्यापक बदलाव किया है।

बुनकरों की आय में हुई वृद्धि

सरकार ने स्पिनरों और बुनकरों की आय में ऐतिहासिक वृद्धि की है। इससे पहले, 17 सितंबर, 2024 को, प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर, कारीगरों की मजदूरी में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

उड़द का शुल्क मुक्त आयात मार्च 2026 तक बढ़ाया गया

नई दिल्ली। सरकार ने उड़द के शुल्क मुक्त आयात को एक और साल के लिए 31 मार्च, 2026 तक बढ़ा दिया है। एक सरकारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। पहले यह प्रावधान इस साल मार्च के अंत तक था। म्यामां भारत को उड़द का मुख्य निर्यातक देश है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, 'उड़द की मुक्त आयात नीति को 31 मार्च, 2026 तक बढ़ा दिया गया है।' इस कदम से घरेलू बाजारों में दलहन कीमतों को स्थिर करने में मदद मिलेगी।

सेबी ने कर्ज मामले में जारी की आईआईएफएल को चेतावनी

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज को चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी कंपनी के मर्चेंट बैंकिंग विभाग में ऋण देने को लेकर जांच-पड़ताल के संदर्भ में जारी की गयी है। आईआईएफएल कैपिटल ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सात मार्च, 2025 को एक प्रशासनिक चेतावनी पत्र जारी किया है। नियामक ने एक अप्रैल, 2022 से 30 अप्रैल, 2024 की अवधि के लिए कंपनी के मर्चेंट बैंकिंग प्रभाग द्वारा प्रबंधित कर्ज मामलों के संबंध में निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में सामने आये कुछ तथ्यों को लेकर चिंता जतायी गयी।

इंडसइंड बैंक के शेयर में आया भूचाल, 27% टूटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडसइंड बैंक ने मंगलवार को लेखा विसंगति के कारण हुए 2,100 करोड़ रुपये के नुकसान के असर को कम करने की भरपूर कोशिश की और कहा कि उसके पास इस झटके से उबरने के लिए पर्याप्त पूंजी है। प्रबंधन के भरोसा दिलाने के बावजूद बैंक का शेयर 27 प्रतिशत टूट गया। इंडसइंड बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक सुमंत कठपालिया ने कहा कि लेखा चूक के बारे में पिछले साल सितंबर-अक्टूबर के आसपास पता चला, और बैंक ने पिछले सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को इस बारे में बताया।

एजेंसी अप्रैल के शुरूआत में देगी रिपोर्ट

बैंक को हुए नुकसान के अंतिम आंकड़े बाहरी एजेंसी की पड़ताल के बाद पता चलेंगे। बैंक ने बाहरी एजेंसी की नियुक्ति कर दी है, जो अपनी रिपोर्ट अप्रैल की शुरुआत में देगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष

अमन को ट्रांजिट...

भी कई केस दर्ज है। इसी केस में अमन से पूछताछ के लिए झारखंड पुलिस अमन को 10 मार्च को रिमांड पर लेकर रायपुर सेंट्रल जेल से रांची लेकर जा रही थी। अमन को रांची लेने जाने के लिए झारखंड से शस्त्र पुलिस की टीम पहुंची हुई थी। यह टीम अमन को रायपुर से रात करीब साढ़े आठ बजे लेकर रांची के लिए रवाना हुई थी। उसे 12 मार्च को एटीएस कोर्ट में पेश किया जाना था। बताया गया कि 11 मार्च को सुबह करीब 9.15 बजे अमन कारे जिस पुलिस गाड़ी में बिठाकर ले जाया जा रहा था, वह गाड़ी पलामु के चैनपुर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होते ही अमन मौके का फायदा उठाकर एक पुलिस जवान की रायफल छीनकर भागने लगा। इस दौरान पुलिस के जवान उसे पकड़ने जब उसके पीछे दौड़े, तो अमन ने फायरिंग शुरू कर दी। इस फायरिंग में पुलिस के एक जवान को गोली भी लगी। इसके बाद पुलिस ने भी अमन पर फायरिंग की, जिससे गोली लगने से उसकी मौत हो गई।

बिजली गुल फसल...

परिजनों को किसान पूरन निषाद की लाश खेत के ही पेड़ में लटकी मिली। जिसकी तत्काल सूचना पुलिस को दी गई। मृतक के बेटे ने बताया कि मृतक ने झलप स्थित जिला सहकारी बैंक की झलप शाखा से डेढ़ लाख का केसीसी कर्ज लिया था। इसके अलावा भी साहूकारों से लगभग डेढ़ लाख का कर्ज होने की बात सामने आई है। मृतक के पुत्र तुलेश्वर निषाद ने बताया कि खेती-बाड़ी की वजह से पिता परेशान थे। खेत में बोर खुदवाए थे, जिसमें से एक बोर चल रहा था, लेकिन बिजली कटौती की वजह से खेत पूरी तरह सूख गया। उन्होंने बताया कि छह से आठ घंटे कटौती होती है। ऑपरेटर अगर सो जाता है तो रात भर बिजली गुल रहती है। बिजली कटौती से खेत में लगी खड़ी फसल को हो रहे नुकसान से मृतक परेशान था।

ईडी अफसरों के...

सीएसपी छावनी हरिश पाटिल ने बताया कि केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की टीम सोमवार की शाम पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बंगले से लौट रही थी। इस दौरान वहां पर सन्नी अग्रवाल एवं अन्य साथियों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान ईडी के वाहनों पर पत्थर फेंके और टीम का मार्ग रोकने का प्रयास किया। वाहन चालक की रिपोर्ट पर भिलाई-3 पुलिस ने सन्नी अग्रवाल सहित अन्य लोगों के खिलाफ धारा 3 एलसीजी, 126 (2) बीएनएस 132, 190, 191 (2), 221 के तहत जुर्म पंजीबद्ध किया है। सीएसपी पाटिल का कहना है कि आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है। आरोपियों की शिनाख्ति के लिए टेक्निकल साक्ष्य का गहन परीक्षण किया जा रहा है।

ईडी के कार...

कारों में सवार थी कार क्षतिग्रस्त हुए। सोमवार की रात 10:30 बजे ईडी के कार ड्राइवर की रिपोर्ट पर भिलाई-3 पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है।

3000 से अधिक...

योजना (एबी-पीएमजेएवाई) सरकार की एक प्रमुख योजना है, जो भारत की आबादी के आर्थिक रूप से कमजोर निचले 40 प्रतिशत 12.37 करोड़ परिवारों के अनुरूप लगभग 55 करोड़ लाभार्थियों को माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य कवर प्रदान करती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अक्टूबर, 2024 को 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को शामिल करने के लिए एबी-पीएमजेएवाई के विस्तार की घोषणा की। विस्तार के तहत, 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को 'आयुष्मान वय वंदना कार्ड' मिल रहा है, जिससे उन्हें स्वास्थ्य सेवा लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

बुजुर्गों के लिए खास सुविधा-

'आयुष्मान वय वंदना कार्ड' 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बावजूद पांच लाख रुपए का मुफ्त स्वास्थ्य कवर प्रदान करता है। एबी-पीएमजेएवाई के तहत पहले से ही कवर किए गए परिवारों से संबंधित वरिष्ठ नागरिकों को अपने लिए प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक का अतिरिक्त टॉप-अप कवर मिलता है। इस योजना का विस्तार 4.5 करोड़ परिवारों के छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को कवर करने के लिए किया गया था।

दावों की जांच...

कि एबी-पीएमजेएवाई के तहत, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर तीन स्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली लागू की गई है, जिसमें प्रत्येक स्तर पर समर्पित नोडल अधिकारी और समितियां हैं।

नक्सलवाद पर श्रीश्री रविशंकर...

आप सभी मुख्य धारा में लौट आइए। हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ और पूरे भारत को एक नई दिशा देंगे।उन्होंने यह भी कहा कि सरकार इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि हर गांव में पानी, बिजली, शिक्षक, प्रशिक्षण और नौकरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। श्रीश्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने सपनों को शांति से पूरा करें और समाज के साथ मिलकर अपने जीवन को बेहतर बनाएं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उपस्थित रहे।

चैंबर चुनाव हुआ...

बाद यह निर्णय लिया है। हरिभूमि से बातचीत में अमर पारवानी ने कहा कि पूरा प्रदेश के व्यापारियों से मिलने के बाद जय व्यापार पैनल के हित को ध्यान में रखते हुये आगामी चैंबर चुनाव में जय व्यापार पैनल के अध्यक्ष पद प्रत्याशी ये अपना नाम वापस ले रहे हैं, लेकिन व्यापारिक समाज की सेवा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए वे संकल्पित रहेंगे। यह निर्णय किसी व्यक्तिगत लाभ या हानि से परे व्यापारी समाज के हित में संगठन की गरिमा को ध्यान में रखकर लिया गया है।

पारवानी का चुनाव न लड़ना हमारी नैतिक जीत : शिव ग्वालानी-

विसिल ब्लोअर शिव ग्वालानी ने कहा है कि अमर पारवानी का चैंबर चुनाव न लड़ना हमारी नैतिक जीत है। हमने चुनाव पर स्टे नहीं मांगा है, बल्कि अपात्र लोगों को चुनाव लड़ने पर रोक लगाने की मांग की है। पुराने संविधान में दो कार्यकाल पूरे कर चुके प्रत्याशी चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। श्री पारवानी का चैंबर में अध्यक्ष के रूप में दो कार्यकाल हो चुका है इस लिहाज से वे अपात्र हो जाते। उन्होंने संविधान में संशोधन नहीं किया। पारवानी का चुनाव न लड़ना हमारी नैतिक जीत है।

नए चेहरे के...

का प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद उन्हें चैंबर चुनाव नहीं लड़ना था। नये संविधान और रजिस्ट्रार के फैसले पर व्यापारी एकता पैनल ने स्थगन मांगा है। चुनाव पुराने संविधान पर कराने की मांग की है।

नौकरशाहों को जमीनी...

सामने आए हैं, जिनमें नौकरशाहों ने पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार किया। पीठ ने कहा, हमने दो-तीन मामलों में फैसला सुनाया है, जिनमें बाबू निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार करते पाए गए थे। ऐसा आम तौर पर महाराष्ट्र में हो रहा है। इन बाबुओं को निर्वाचित प्रतिनिधियों के अधीन होना चाहिए। इन नौकरशाहों को जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को विफल करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उसने कहा कि न्यायालय को यह भी पता चला है कि नौकरशाह खासतौर पर जमीनी स्तर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को अयोग्य ठहराने के लिए पुराने मामलों को खोलने की कोशिश कर रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अर्चना सचिन भोसले के वकील से कहा, वे (नौकरशाह) पुराने मामलों को खोलने का प्रयास करते हैं, जैसे कि आपके दादा ने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया है, इसलिए आप अयोग्य हैं। उच्च न्यायालय ने सरपंच के रूप में अर्चना का निर्वाचन 29 जनवरी को रद्द कर दिया था। कलावती राजेंद्र कोकाले को सरपंच के रूप में बहाल करते हुए शीर्ष अदालत ने रायगढ़ के जिलाधिकारी के सात जून 2024 के उस आदेश को रद्द करने के उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा, जिसके तहत रोहा तालुका के ऐंघर गांव में सरपंच पद खाली होने की घोषणा की गई थी और चुनाव कराने के लिए एक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया था। पीठ ने सात मार्च को पारित आदेश में कहा, हम उच्च न्यायालय की ओर से अपनाए गए दृष्टिकोण से सहमत हैं। हम प्रतिवादी संख्या एक (कोकाले) को ग्राम पंचायत, ऐंघर, तालुका रोहा, जिला रायगढ़ की विधिवत निर्वाचित प्रधान के रूप में बहाल किए जाने का समर्थन करते हैं।

हाईकोर्ट ने कलेक्टर के आदेश को किया था रद्द-

उच्च न्यायालय ने जिलाधिकारी के आदेश को अवैध और रद्द किए जाने योग्य करार दिया था। इसके चलते भोसले का निर्वाचन शुरू से ही शून्य माना गया था। उच्च न्यायालय ने कहा था, चूंकि, याचिकाकर्ता ने सरपंच का पद नहीं छोड़ा, इसलिए प्रतिवादी संख्या 4 के उस पद पर निर्वाचित होने का कोई सवाल ही नहीं है। उसने कहा था कि हालांकि, ग्राम पंचायत अधिनियम की धारा-29 में इस्तीफा वापस लेने के लिए कोई विशिष्ट प्रावधान नहीं है, फिर भी त्यागपत्र देने वाले सदस्य, उपसरपंच या सरपंच को उसे वापस लेने का अंतर्निहित अधिकार है।

पचास साल पुराना डाइट चार्ट! यूं वजन कम करती थीं महिलाएं

लंदन। आज के समय में लोगों के सामने मोटापा एक बड़ी समस्या के तौर पर सामने आया हैं। लोगों की लाइफस्टाइल ऐसी हो गई है कि उनका वजन आउट ऑफ़ कंट्रोल होता जा रहा हैं। वजन जिस हिसाब से बढ़ता है, उसी हिसाब से लोगों को बीमारियां घेरती जा रही हैं। ऐसे में डाइट और एक्सरसाइज का चलन काफी बढ़ गया हैं। ऐसे कई कोच सामने आने लगे हैं जो लोगों की वजन कम करने में मदद करने का दावा करते हैं।

लेकिन अगर आपको ऐसा लगता है कि डाइट चार्ट और एक्सरसाइज आज के जमाने का चलन है तो जरा ठहरिये। लंबे समय से ही खासकर महिलाओं के लिए वजन कंट्रोल करना एक चुनौती के तौर पर देखा जाता हैं। पहले के समय में, खासकर अगर महिला मॉडलिंग फील्ड से है तो

उसके लिए वजन कम रखना काफी जरूरी होता था। ऐसे में सोशल मीडिया पर आज से 48 साल पहले वोग मैगज़ीन में छपा एक डायट चार्ट काफी वायरल हो रहा हैं। इसे देखने के बाद लोग भी हैरान हैं।

1977 का डाइट प्लान

वायरल हो रहे वीडियो में वोग, जो कि एक फैशन मैगजीन है, उसमें छपा डायट प्लान देखने को मिला। इसे 1977 में पब्लिश किया गया था। इस प्लान के जरिये महिलाएं तीन दिन में अपना करीब ढाई किलो वजन घटा सकती थीं। इस प्लान में सिर्फ वाइन और अंडे शामिल थे। बताया जा रहा है कि इस प्लान के जरिये मॉडल्स किसी बड़े इवेंट से पहले अपना वजन कंट्रोल करती थीं। ऐसे में उनकी फोटोज काफी अच्छी आती थी।

कुछ ऐसा था प्लान

इस प्लान में सुबह का नाश्ता, लंच और डिनर शामिल था। महिलाओं को एक दिन में पूरी एक बोतल शराब पीने की आजादी थी। नाश्ते में एक उबले अंडे के साथ एक ग्लास वाइन पीने की परमिशन थी। इसके बाद लंच में दो अंडे, जिसे उबाल कर या ऑमलेट बना कर खाया जा सकता था, के साथ दो ग्लास वाइन पी सकते थे। डिनर में महिलाएं डेढ़ सौ ग्राम चिकन खा सकती थी। इसके साथ सब्जियां और फिर बची हुई शराब। तीनों टाइम में एक कप ब्लैक कॉफ़ी भी शामिल थी। इस डाइट की मदद से मात्र तीन दिन में तीन किलो वजन घटाया जा सकता था।

न्यायालय तहसीलदार, बागबहार जिला - जशपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. - / अ-19 (3) / 2023-24 ग्राम- कोतबा

एतद् द्वारा समस्त आम जनता ग्राम - गोढ़ी बी , प.ह.नं. 16 तहसील-बागबहार जिला - जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि कलेक्टर महोदय जशपुर के आदेश पत्र दिनांक .12.2024 में मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पंचायत कोतबा जिला- जशपुर द्वारा नगर पंचायत क्षेत्रान्तर्गत गंदा पानी नाली से होकर नदी में बहने के कारण जल अशुद्ध होने से रोकने हेतु एस.टी.पी. योजना के अन्तर्गत नगर पंचायत कोतबा अन्तर्गत भूमि नम्बर 164/1 रकबा 5.026 हे. में से रकबा 0.300 हे. डिसमिल प्रस्तावित भूमि का अग्रिम आधिपत्य सौंपते हुए प्रकरण में आवेदित भूमि को राजस्व पुस्तक परिपत्र में दिये गये प्रावधान अनुसार आबंटन की कार्यवाही एवं विस्तृत जांच कार्यवाही पूर्ण करते हुए अपने अभिमत सहित प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु श्रीमान अनुविभागीय अधिकार (रा.) पत्थलगांव से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है । उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या पक्षकार को कोई दावा/ आपत्ति करना हो तो वे नियत दिनांक 17.03.2025 को स्वयं या अपनें मान्य अभिकर्ता अथवा अपनें अधिवक्ता के माध्यम से दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । नियत दिनांक 17.03.2025 के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 10/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय के पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
बागबहार, जिला - जशपुर (छ.ग.)

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। अष्टविनायक हॉस्पिटल आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव। बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

दर-दाँत (गम पेंट) बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है HMS देखकर खरीदें 94060-21769

हर्बल लेप शिव मस्सानाशक शिव मस्सानाशक को 12-15 घंटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप छूट जाए तो पुनः लगा दें।

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- Louis Philippe शोरूम लिंक रोड बिलासपुर में कार्य करने हेतु सेल्सबॉय/ सेल्सगर्ल की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। रेडीमेड दुकान में पहले कार्य करने वालों को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9841397000 (37080)

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु फुलटाइम एकाउंटेंट की आवश्यकता है जिसे Tally Prime/ Busy में काम करना आता हो। सम्पर्क करें- अविनाश मोदी, पी-2, संजय अपार्टमेंट, व्यापर विहार रोड, बिलासपुर 9179991222 (37082)

आवश्यकता है-बुजुर्ग महिला की देखभाल करने के लिए महिला नर्सिंग स्टॉफ की आवश्यकता है केवल अनुभवी महिला सम्पर्क करें- 70008 67969 (37077)

आवश्यकता है-नमामी प्लास्टिक में HDPE पाईप के सेल्समेन कार्य हेतु अनुभवी व्यक्ति चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार पता- 72 सी, सेक्टर-बी, दैनिक भास्कर प्रेस के पास, इंडस्ट्रीयल एरिया सिरगिट्टी बिलासपुर 8098797774 (37070)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में आर्डर बुकिंग, पेमेंट कलेक्शन हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर 9827497711 (37067)

आवश्यकता है-रोहित मेहता सिक्योरिटी एजेंसी में भूतपूर्व सैनिकों की आवश्यकता है सिक्योरिटी गार्ड के कार्य के लिए डीजीआर रेट पर सिर्फ कोरबा में ड्यूटी के इच्छित ही मो. 9109792914 (4905)

आवश्यकता है-सीए आफिस में काम करने हेतु चपरासी (प्यून) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शाम 4 से 8बजे तक पलाश पमनानी एंड एसोसिएट्स सिन्ध ऑटो स्टोर्स के पास गांधी चौक बिलासपुर (37072)

आवश्यकता है-मोतीलाल सर्विस स्टेशन पेट्रोल पम्प में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7974771586 (37074)

आवश्यकता है-होलसेल रेडीमेड दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7970105174, 9827830278 (37075)

आवश्यकता है-दयालबन्द स्थित प्रतिष्ठित किताब दुकान में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- विवेक बुक डिपो गुरूद्वारा के सामने मेन रोड दयालबंद बिलासपुर 98933 78899 (37078)

आवश्यकता है-फैक्ट्री होटल हेतु सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड, लेडीगार्ड, मार्केटिंग अधिकारी योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर गार्ड ऊंचाई 5'7" वेतन 12000 से 15000 सम्पर्क-Alert SGS Private Limited, 434, चतुर्थ तल, प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर 77460 00016, 8720005500 (3160)

आवश्यकता है-लॉज के लेट्रीन बाथरुम सफाई पार्ट टाइम हेतु जरूरतमंद सफाई कर्मचारी चाहिए सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज अमरनाथ जड़ी बूटी दुकान के बाजू वाली में अंदर गोल बाजार बिलासपुर 9827940898, 94063 90898 (37052)

आवश्यकता है-60 वर्षीय वकील महिला की देखभाल हेतु 30 से 35 वर्षीय महिला चाहिए। वेतन 6000, कार्य समय शाम 5बजे से सुबह 7बजे तक सम्पर्क करें- सोनगंगा कॉलोनी बिलासपुर 7869759897, 98939 68977 (37061)

आवश्यकता है-चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों, लेबर कार्य हेतु पुरुष एवं ड्राइवर की जरूरत है। सम्पर्क करें-SBI एटीएम के सामने आकृति विहार अम्ली डीह रायपुर 7469980000, 07714075490 (7053)

आवश्यकता है-हॉस्टल साफ सफाई (सुबह 9 से शाम 5 तक) काम करने हेतु कर्मचारी चाहिए। सम्पर्क- मित्र विहार कालोनी, स्काई जिम के बगल वाली गली में, लिंक रोड बिलासपुर 9340969592, 7828803577 (37063)

आवश्यकता है-होलसेल खिलोना दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़को की आवश्यकता है जिसे खिलोना दुकान मे काम करने, कार्टून पैकिंग का अनुभव हो सम्पर्क करें-तेलीपारा बिलासपुर 7711006641, 9753330000 (36813)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है-नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 7439736348 (704)

आवश्यकता है-इनोवा कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है अनुभवी, शिक्षित एवं नशा मुक्त, पत्नी के लिए भी काम, रहने का घर उपलब्ध। सम्पर्क करें- विद्या चरण वर्मा 7000785661 (37062)

बेचना है

बेचना है-रिंग रोड-2 अमेरी चौक सैंट फ्रांसिस स्कूल से 2km घुरू सैदा सकरी मुख्य मार्ग वार्ड नं-4 में रोड पर 34×50 कमर्शियल, 35×55 रेसिडेंशियल डायवर्टेड प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 62674 06986 (37081)

बेचना है-हर्ष- फिनिक्ससिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 3BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, T&C रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (36177)

बेचना है-सिन्धी कालोनी जरहाभाठा स्थित गीतांजलि अपार्टमेंट में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK फ्लैट, आसमां में 1000 वर्गफुट प्लाट, रामा वर्ल्ड 1292 वर्गफुट प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- राजेश श्यामनानी 9827168452, 93006 25174 (37073)

बेचना है-टिकरापारा मन्नू चौक स्थित वैशाली वैलेन्सिया में 4th फ्लोर 3BHK फ्लैट नम्बर 405, बिल्टअप एरिया-101.68 वर्गमीटर पूरा इंटीरियर किया हुआ फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 8377001716, 9643808995 (37068)

बेचना है-बिलासपुर उसलापुर साईं आनन्दम मैरिज हॉल के पास साइज 800 एवं 2000 वर्ग फिट प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 8461997770, 97551 73102 (3359)

बेचना है-बिलासपुर मोपका मेन रोड पर गुलाब नगर कॉलोनी में सभी साइज के डायवर्टेड प्लाट उपलब्ध है सम्पर्क करें- 9131575158, 8349688998 (37071)

बेचना है-बिलासपुर में गोकुल धाम में सर्व सुविधा युक्त 2BHK, 25×40= 1000 वर्ग फीट में बना हुआ नव निर्मित मकान 28 लाख रुपए में बेचना है मो. 9340252857 (36988)

बेचना है- सुसज्जित ऑफिस एज कमर्शियल कॉम्प्लेक्स (एज बिल्डिंग) विधान सभा रोड, मोवा रायपुर में स्थित सुसज्जित ऑफिस 386 वर्ग फीट बेचना है खरीददार सम्पर्क करें- 7067925702, 9425532376 (कृपया ब्रोकर सम्पर्क ना करें) (4903)

किराया

किराया-बिलासपुर नेहरू नगर में परिजात एक्सटेंशन में स्थित 1BHK, 2BHK, 3BHK, 4BHK, 5bhk बिजली पानी सुरक्षा पार्किंग की उत्तम व्यवस्था के साथ मकान किराए से देना है सम्पर्क करें- 8817680657 (37069)

किराया-तिफरा में 10000 वर्गफुट का गोडाउन (बेस्ट लोकेशन टाइल्स शोरूम) टाइल्स अथवा अन्य व्यावसायिक उपयोग हेतु किराए से देना है सम्पर्क करें- 9826191897 (37065)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

व्यापार

व्यापार-अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं 30000 से 50000 प्रति माह कमाएं आटो मेटिक मशीन द्वारा दोना पत्तल डिस्पोजल बनायें कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट सम्पर्क करें-APS इंटरप्राईजेस रायपुर- 9111760925, 7477221345, बिलासपुर- 8359913999, 95892 88936 रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871 (3194)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Medicare Specialists

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 75 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 7-8 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
ब्रेस्ट टोनर क्रिम
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि समाचार ही नही, विचार भी
CLASSIFIED RATE CARD
15 जून 2024 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	450	550	500	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	400	500	480	150/- Sq cm
Bilaspur City	400	450	450	140/- Sq cm
Raipur All Edition	650	750	700	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	550	600	600	195/- Sq cm
All CG	900	1020	1000	310/- Sq cm
All CG + MP	1150	1500	1450	330/- Sq cm
All Edition	1550	1900	1800	380/- Sq cm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4

Colour 20% Extra Charge For Disply

SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. Single day Booking 100Rs. Extra.

ADVT. Booking time 10.30 am to 4.00 pm.

5% GST for All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	2800	2+1
Bhilai + Durg Edition	2600	5+3
Raipur Edition	4000	10+10
Bilaspur City	2200	15+18
Bilaspur Edition	3500	
All CG	5000	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

Edition	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	50000	80000	100000
Bilai + Durg Edition	45000	75000	95000
Bilaspur City	35000	65000	80000
Raipur All Edition	65000	110000	140000
Bilaspur All Edition	50000	90000	110000
All CG	100000	160000	200000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

30 जिला पंचायतों में भाजपा भारी, आज 3 जिलों की बारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जिला पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव में भाजपा को लगातार जीत मिल रही है। सोमवार और मंगलवार को भाजपा के प्रत्याशी तीन जिलों में जीते। अब तक भाजपा के 30 जिलों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष जीत गए हैं। अब बचे 3 जिलों में बुधवार को चुनाव होंगे। इसमें से रायपुर और सुकमा में भाजपा बराबरी पर है। ऐसे में यहां पर कांटे का मुकाबला होगा। इसी के साथ मुख्यमंत्री के गृह जिले जशपुर में भी बुधवार को ही चुनाव होना है।

नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिली है। सभी नगर निगमों में जहां भाजपा के महापौर बने, कोरबा को छोड़कर बाकी निगमों में सभापति भी भाजपा के बने। वैसे तो कोरबा नगर निगम में जीते सभापति भी भाजपा के ही हैं, लेकिन पार्टी से बगावत करके चुनाव लड़ने के कारण उनको पार्टी से बाहर कर दिया गया है। इसी के साथ पंचायत चुनावों के बाद भाजपा ने जहां जनपद पंचायतों में अध्यक्षों के सबसे ज्यादा पद जीते हैं, वहीं जिला पंचायतों में भी अब तक हुए चुनाव में सभी 30 जिलों में अपने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनाने में सफलता प्राप्त की है।

रायपुर में सिक्के से फैसला संभव

भाजपा ने 31 स्थानों में बहुमत का दावा किया है, उसमें से 30 में भाजपा जीत गई है। अब बुधवार को तीन स्थानों पर चुनाव हो रहा है। रायपुर और सुकमा में कांटे का मुकाबला है। सबकी नजरें रायपुर पर हैं। रायपुर में भाजपा के आठ सदस्य जीते हैं। कांग्रेस के जहां छह सदस्य जीते हैं, वहीं दो निर्दलीय जीते हैं। इनको कांग्रेस का समर्थक बताया जा रहा है। संभावना है कि यहां पर भी मुकाबला बराबरी का होने पर भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों को 8-8 मत मिलने की स्थिति में फैसला सिक्के से होगा। सुकमा में भी यही स्थिति हो सकती है। जशपुर में भाजपा का बहुमत का दावा है।

तीन और जिलों में जीत

सोमवार को चिरमिरी में चुनाव हुआ। यहां पर कांटे का मुकाबला हुआ और भाजपा की प्रत्याशी यशवंती रविशंकर सिंह को टॉस से जीत मिली। यहां पर भाजपा के उपाध्यक्ष राजेश कुमार साहू जीते। मंगलवार को मुंगेली और सारंगढ़ में चुनाव हुए। मुंगेली में भाजपा के अध्यक्ष प्रत्याशी श्रीकांत पांडेय और उपाध्यक्ष पद पर शांति भास्कर को जीत मिली। सारंगढ़ में अध्यक्ष पद पर भाजपा के संजय भूषण पांडे और उपाध्यक्ष पद पर अजय जवाहर नायक जीते।

कांग्रेस के सदस्य अज्ञातवास में

रायपुर में कांग्रेस को अपने सदस्यों के तोड़फोड़ का डर है। ऐसे में पहले जब चुनाव पांच मार्च को होने वाले थे, तब इनको गोवा भेज दिया गया था। वहां से सभी छह मार्च को वापस आ गए थे। इसके बाद चुनाव की तिथि 12 मार्च होने के कारण कांग्रेस के सदस्यों को अज्ञातवास में भेज दिया गया था। कांग्रेस के नेताओं का कहना है, निर्दलीय भी हमारे साथ हैं। सभी को बुधवार को चुनाव के ठीक पहले लाया जाएगा। भाजपा के नेताओं का कहना है हमारे सदस्य यहां हैं उनको कहीं भेजा नहीं गया है। भाजपा नेताओं के मुताबिक पार्टी को अपने सदस्यों पर भरोसा है।

रानू-सौम्या, सूर्यकांत, माया और मनोज की न्यायिक रिमांड बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

निलंबित आईएएस रानू साहू, सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी, माया वारियर और मनोज द्विवेदी की न्यायिक रिमांड बढ़ा दी गई है। सभी को ईओडब्ल्यू की स्पेशल कोर्ट में 19 मार्च तक के लिए जेल भेज दिया है। इन सभी को विशेष न्यायालय में मंगलवार को पेश किया गया। ईओडब्ल्यू के उपसंचालक अभियोजन ने बताया कि डीएमएफ घोटाले की जांच चल रही है। पूछताछ करने के बाद सभी को एक दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। कोर्ट में पक्ष रखा गया कि रिमांड अवधि पूरी होने पर पूछताछ की आवश्यकता नहीं है। इस पक्ष को सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश ने सभी को 8 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का फैसला सुनाया।

- 19 मार्च तक भेजे गए जेल, ईओडब्ल्यू की सभी को स्पेशल कोर्ट में किया पेश

सौम्या-सूर्यकांत की जमानत पर 17 को बहस

राज्य सेवा की निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया और कारोबारी सूर्यकांत के वकील द्वारा दोनों के जमानत के लिए अर्जी लगाई गई है। इस अर्जी पर 17 मार्च को विशेष न्यायालय में बहस होगी। आवेदन में दोनों ने स्वयं को निर्दोष बताते हुए कहा कि डीएमएफ घोटाले से उनका कोई संबंध नहीं है। उन्हें परेशान करने के लिए झूठे प्रकरण में फंसाया गया है। इस प्रकरण में आज तक किसी भी तरह की संलिप्ता नहीं मिली है। इस आवेदन पर दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश अपना फैसला सुनाएंगे।

मुख्यमंत्री साय के खिलाफ बोलने से पहले भूपेश को हजार बार सोचना चाहिए

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन व सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री बघेल को प्रदेश के पहले आदिवासी सौम्य और सरल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के बारे में कुछ भी बोलने से पहले हजार बार सोचना चाहिए। श्री कश्यप ने कहा, भूपेश हमेशा से आदिवासी विरोधी रहे हैं। उन्हें यह पच ही नहीं रहा है कि कोई आदिवासी भी प्रदेश की कमान संभाल सकता है। श्री कश्यप ने कहा, मुख्यमंत्री श्री साय प्रदेश ही नहीं, बल्कि समूचे देश के सबसे अनुभवी आदिवासी नेता हैं। उनका अनुभव और राजनीतिक करियर भी भूपेश बघेल से कई गुना बड़ा है। एक बार केंद्रीय मंत्री, दो बार विधायक, तीन बार प्रदेश अध्यक्ष, चार बार सांसद और अब प्रदेश के चौथे मुख्यमंत्री के रूप में श्री साय के कार्यकाल की देशभर में सराहना हो रही है। श्री साय के नेतृत्व में आज नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों में कांग्रेस का सफाया हो गया। लोकसभा चुनाव में मोदी गारंटी पूरे करने का असर दिखा, समूचे देश में सौम्य सरल लेकिन कड़े निर्णय लेने वाले नेता के रूप में विष्णुदेव साय की पहचान है।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा इंजीनियरिंग विभाग

निम्नलिखित कार्य के ई–निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी.–45–2025 दिनांकः 07.03.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** मंडल अभियंता (उत्तर) जबलपुर के अंतर्गत कटनी–मानिकपुर खंड में ट्रैक के किनारे बाउंड्री बॉल/ट्रैक फेन्सिंग का निर्माण।, **कार्य का अनुमानित मूल्यः** 75,37,74,983/–, **बयाना राशि(रूपये):** 39,18,900/–, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी.–46–2025 दिनांकः 07.03.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** मंडल अभियंता (मध्य) जबलपुर के अंतर्गत जबलपुर–कटनी खंड में ट्रैक के किनारे बांउड्री बॉल/ट्रैक फेन्सिंग का निर्माण।, **कार्य का अनुमानित मूल्यः** 71,82,57,735/–, **बयाना राशि(रूपये):** 37,41,300/–, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी.–47–2025 दिनांकः 07.03.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** मंडल अभियंता (दक्षिण) जबलपुर के अंतर्गत इटारसी–जबलपुर खंड में ट्रैक के किनारे बांउड्री बॉल/ट्रैक फेन्सिंग का निर्माण।, **कार्य का अनुमानित मूल्यः** 95,85,49,563/–, **बयाना राशि(रूपये):** 49,42,800/–, **उपरोक्त सभी निविदाओं की समापन अवधिः** 12 माह, **उपरोक्त सभी निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे तकः** 01.04.2025, **उपरोक्त सभी निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 01.04.2025। उपरोक्त ई–निविदा संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नही की जायेगी।

मंडल रेल प्रबंधक(कार्य), पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

तेंदुआ शावकों की तस्करी मामले में ईडी की कार्रवाई आरोपी शब्बीर अली की अचल संपत्ति कुर्क

विशेष टीम गठित कर पकड़ा गया था आरोपियों को

रायपुर पुलिस को गरियाबंद के मैनपुर से तेंदुआ के शावकों को तस्करी कर रायपुर लाए जाने की सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर ही जिले के सीमावर्ती इलाकों में पुलिस की विशेष टीम गठित कर नाकेबंदी की गई और इन दोनों को वाहन की जांच में शावकों को बरामद किया था।

रायपुर। तेंदुआ के दो शावकों की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किए गए शब्बीर अली की अचल संपत्तियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनंतिम रूप से कुर्क किया है। ईडी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत यह कार्रवाई की है।

रायपुर पुलिस ने गरियाबंद के मैनपुर से वर्ष 2019 में तेंदुआ के शावकों के साथ दो आरोपी शब्बीर अली और राकेश निषाद को गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों के विरुद्ध वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत सिविल लाइंस थाना में एफआईआर कराई गई थी, जिसके आधार पर इस मामले की जांच की जा रही थी। दोनों आरोपियों पर आरोप लगाया गया था कि वे दो तेंदुए के शावकों को बेचने के इरादे से उनकी तस्करी में शामिल थे। इस मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने रायपुर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष 1 नवंबर 2019 को आरोप पत्र (संख्या 428/19) दायर किया था। ईडी की जांच में बिक्री के इरादे से तेंदुए के शावकों की अवैध तस्करी में शब्बीर अली की संलिप्तता के बारे में सबूत एकत्र किए गए थे। इन दस्तावेजों के साक्ष्यों के साथ पीएमएलए 2002 की धारा 50 के तहत दर्ज अभियुक्तों के बयानों ने उक्त गतिविधियों में शब्बीर अली और राकेश निषाद को दोषी पाया है। इसके अतिरिक्त जांच से यह भी पता चला कि शब्बीर अली वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 49 का उल्लंघन करते हुए पक्षियों और जानवरों की अनाधिकृत बिक्री और खरीद में भी शामिल रहा है।

कौशल्या देवी साय का जन्मोत्सव एवं होली मिलन समारोह में संगीत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय के जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री निवास में विशेष जन्मोत्सव एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जन्मदिवस के अवसर पर श्रीमती साय को बधाई दी गई, साथ ही होली की उमंग में रंगों और फूलों के संग हर्ष और उल्लासपूर्वक उत्सव मनाया गया। श्रीमती साय ने कहा, होली के रंगों की तरह हम सभी के जीवन में भी स्नेह, सौहार्द्र और समर्पण का रंग बिखरा रहे यही हमारी संस्कृति का संदेश है। प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती शालिनी राजपूत के नेतृत्व में महिला मोर्चा की बहनों ने मुख्यमंत्री निवास में पारंपरिक तरीके से फूलों की होली खेली। महिला मोर्चा की सदस्यों ने भजन-कीर्तन और नृत्य के माध्यम से पूरे वातावरण को बरसाना की भव्यता प्रदान कर दी।

न्यायालय श्रीमती रेशमा बैरागी पटेल प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी मुंगेली, जिला मुंगेली (छ.ग.)

रामेश्वर कश्यप वगैरह .... वादीगण विरूद्ध
राजेश कश्यप वगैरह ... प्रतिवादीगण
व्य.वा.क्र. 32/2024
पेशी दिनांक 21.04.2025
प्रोसेस क्र. 31/2025

समंस/ नोटिस

प्रति, 3. श्यामाबाई पिता स्व. रामभजन कश्यप उम्र 42 वर्ष निवासी मंदिर चौक जरहाभांठा बिलासपुर (छ.ग.)
प्रति, 10. मोगराबाई पिता स्व. रामकुशल पति जागेश्वर पाटनवार उम्र 48 वर्ष
प्रति, 12. उवर्शीबाई पिता स्व. रामकुशल उम्र 44 वर्ष पति अशोक पाटनवार दोनों निवासी ग्राम कुकदा तहसील बलौदा जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.)

इस न्यायालय में वादीगण द्वारा आप प्रतिवादीगण के विरूद्ध व्यवहार वाद प्रस्तुत किया गया है जिसमें पेशी दिनांक 21.04.2025 को नियत है। अतः आप प्रतिवादी क्र. 03, 10 एवं 12 स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर मय दस्तावेज अपनी प्रतिरक्षा के संबंध में दस्तावेज एवं जवाब प्रस्तुत करें अन्यथा आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी। उक्त पेशी दिनांक को अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस को उक्त प्रकरण की कार्यवाही की जायेंगी। आज दिनांक 05.03.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया है।
दिनांकः– 05.03.2025
मुहर

(श्रीमती रेशमा बैरागी पटेल)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी मुंगेली (छ.ग.)

आम सूचना

(ग्राम नरदहा, प.ह.न. 01 तहसील- आरंग, जिला रायपुर)

मेरे पक्षकार से प्रदत्त अधिकार एवं निर्देशों के अधीन एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता दिलीप कुमार तिवारी, पिता सीताराम तिवारी, निवासी- श्री निकेतन व्यापार विहार रोड, भारती नगर, बिलासपुर, तह. व जिला बिलासपुर (छ.ग.) के स्वामित्व व अधिपत्य की ग्राम-नरदहा प.ह.न. 01, रा.नि.म. - मंदिर हसौद, तहसील-आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.) में स्थित कृषि भूमि जिसका खसरा नंबर- 1621/1, रकबा- 2.9200 हेक्टयेर में से 79352 वर्गफीट को क्रय किये जाने का पक्का सौदा किया गया है।

अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निगम, शासकीय व अशासकीय विभाग या अन्य किसी को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो अथवा उक्त सम्पत्ति या उसके किसी भी भाग पर किसी प्रकार का स्वत्व, हक, अधिकार या भार हो तो वे इस आम सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित में मय सुसंगत दस्तावेजों के साथ मेरे समक्ष मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें एवं आम सूचना का खंडन किसी भी दैनिक समाचार पत्र में स्वीकार नहीं किया जायेगा। यह कि उक्त समयावधि के अवसान पश्चात मेरे पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित सम्पत्ति के विक्रय विलेख का निष्पादन व पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा तत्पश्चात प्रस्तुत की गई किसी भी प्रकार की उजर, दावा एवं आपत्ति आदि असत्य झूठा एवं सारहीन माना जावेगा तथा ऐसा आपत्ति मेरे पक्षकार के उपर मान्य एवं बंधनकारी नहीं होगा।

रायपुर (छ.ग.) दिनांकः-11.03.2025

श्रीमती मनीषा भंडारकर (अधिवक्ता)
Office: H. No. 31/596, Street No. 02B, New Shanti Nagar, Raipur (C.G.) 492007
Mob. No. - 94242-06446

छ.ग. स्टेट वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन

प्रधान कार्यालय ग्राम-झांझ, सेक्टर-24, अटल नगर, रायपुर (छ.ग.)

क्रं/2839/छगवेका/निर्माण/2024-25/ नवा रायपुर दि 07.03.2025

ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

Main Portal : https://eproc.cgstate.gov.in/

छ.ग. स्टेट वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन के प्रबंध संचालक की ओर से ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. शासन के लो.नि.वि. में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र ''अ'' प्रतिशत दर निविदा आमंत्रण सूचना के अंतर्गत निगम के विभिन्न शाखा परिसरों में मरम्मत एवं अन्य आनुशांगिक कार्य हेतु ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम के माध्यम से टेण्डर नं. 165705 ग्रुप क्रमांक 01 शाखा-बालोद, शाखा-कोड़िया, सरायपाली एवं सिहावा गोदाम परिसर का छत मरम्मत एवं आनुशांगिक कार्य, टेण्डर नं. 165706 ग्रुप क्रमांक 04 शाखा-कुनकुरी गोदाम परिसर मरम्मत एवं आनुशांगिक कार्य एवं टेण्डर नं. 165709 ग्रुप क्रमांक 05 शाखा-लोरमी गोदाम परिसर में मरम्मत कार्य, शाखा-जयरामनगर में बाउण्ड्रीवाल मरम्मत कार्य, बोड़ासागर (पुराना परिसर) गोदाम के छत मरम्मत कार्य एवं ओरदा में बाउण्ड्रीवाल की ऊँचाई बढ़ाने कार्य तथा टेण्डर नं. 165710 ग्रुप क्रमांक 06 शाखा-मनेन्द्रगढ़ गोदाम परिसर का विशेष छत मरम्मत कार्य एवं जशपुर में विशेष छत मरम्मत कार्य ग्रुपवार प्रथम निविदा आमंत्रित की जाती है, तथा निगम के विभिन्न शाखाओं परिसरों में सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य हेतु टेण्डर नं. 165713 शाखा-अकलतरा (मुरलीडीह) एवं टेण्डर नं. 165714 शाखा-महासमुन्द तथा टेण्डर नं. 165726 शाखा बैकुण्ठपुर तथा में पृथक-पृथक कार्य की प्रथम निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की अंतिम तिथी दिनॉक 03.04.2025 तक है। निविदा की विस्तृत जानकारी Help-desk Contractors may contact e-procurement help desk for any clarification of their doubts regarding the on line process. For more details, please get in touch with e-Procurement system integrator, M/s. Mjunction Services Limited, Raipur 492 001 on Toll free 18002582502 or email helpdesk.eproc@cgswan.gov.in Any further amendment/ corrigendum for the tender will be published only online on https://eproc.cgstate.gov.in/the

संवाद–43174 कार्यपालन अभियंता

HDFC BANK — एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड

शाखाः अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर, फोन : 0771-4243149/240
CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

मांग–सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम) की धारा 13(2) के तहत, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ें।

जबकि अधोहस्ताक्षरी प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश द्वारा अनुमोदित समामेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) का प्राधिकृत अधिकारी है। वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस जारी किए गए।, यहां नीचे सूचीबद्ध उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों से संबंधित नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर संबंधित मांग नोटिस/नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान करने का आह्वान किया गया है। नीचे दिए गए विवरण के अनुसार. अधोहस्ताक्षरी ने इन नोटिसों को उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों के अंतिम ज्ञात संबंधित पते के परिसर में चिपकाया है। उक्त नोटिस की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि, यदि चाहें तो, किसी भी कार्य दिवस पर संबंधित प्रति अधोहस्ताक्षरी से प्राप्त कर सकते हैं। सामान्य कार्यालय समय.

उपरोक्त के संबंध में, एक बार फिर उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों को नोटिस दिया जाता है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर एचडीएफसी को भुगतान करें। यहां नीचे दी गई राशियां उनके संबंधित नामों में अतिरिक्त ब्याज के साथ दी गई हैं। जैसा कि उक्त डिमांड नोटिस में बताया गया है, नीचे कॉलम (सी) में उल्लिखित संबंधित तारीखों से लेकर भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, ऋण समझौते और उक्त उधारकर्ता द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेजों/लेखों, यदि कोई हो, के साथ पढ़ा जाए।. ऋण के उचित पुनर्भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप में, निम्नलिखित सुरक्षित संपत्ति को क्रमशः उक्त उधारकर्ता द्वारा एचडीएफसी के पास गिरवी रखा गया है।

सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्रं.	ऋणी/जमानतदार का नाम एवं पता	बकाया राशि	मांग सूचना तिथि	बंधक संपत्ति का विवरण
(अ)	(ब)	(स)	(द)	(इ)
1.	**श्री भेंसले अयोध्या प्रसाद,** प्लॉट. नं. ए–7 लक्ष्मी नगर, प.ह. 2, रॉ हाउस, स.क्र., खसरा क्रमांक 1097/10, प.ह.नं. 19/22, ग्राम रिसाली, दुर्ग–491001. **श्री भेंसले अयोध्या प्रसाद,** Qr. No. LIG-62, मंडल कॉलोनी, तहसील कार्यालय के पीछे, बलौदाबाजार, रायपुर – 495559. **श्री भेंसले अयोध्या प्रसाद,** छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, रायपुर – बलौदा बाजार, O/o. कार्यकारी अभियंता कार्यालय, O&M डिवीजन, उपखंड कार्यालय, बलौदा बाजार, रायपुर – 495559. **श्रीमती भेंसले सुशीला,** Qr. No. LIG-62, मंडल कॉलोनी, तहसील कार्यालय के पीछे, बलौदाबाजार, रायपुर – 495559. **श्रीमती भेंसले सुशीला,** प्लॉट. नं. ए–7 लक्ष्मी नगर, प.ह. 2, रॉ हाउस, स.क्र., खसरा क्रमांक 1097/10, प.ह.नं. 19/22, ग्राम रिसाली, दुर्ग–491001.	₹ 12,77,349/- as on 31-JAN-2025	28-Feb-2025	समस्त एवं आंशिक भाग की संपत्ति जिसका प्लॉट क्रमांक ए/7 क्षेत्रफल –139.30 वर्ग मीटर, खसरा क्रमांक 1097/10 (भाग), लक्ष्मी नगर, फेस–2 (भाग के अंदर), प.हनं.–19/22, वार्ड–63 आरआईसी–दुर्ग–1, ग्राम– रिसाली, तहसील एवं जिला दुर्ग में स्थित है। **चौहद्दीः**–उत्तर–विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण–रोड, पूर्व–प्लॉट क्रमांक ए/6, पश्चिम–प्लॉट क्रमांक ए/8.
2.	**श्रीमती श्रीवास्तव सीमा,** फ्लैट–ए–415, फ्लोर–4, नारायणी टावर्स, खसरा नंबर 1211/1-2, 1212/1-2 1213/1-2, 1234/8, शीट नंबर 14/11 पी. नंबर 6/2, प.ह.नं. 22, नवीन क्रमांक 28, मौजा तोरवा, हेमू नगर, बिलासपुर–छ.ग.–495001. **श्रीमती श्रीवास्तव सीमा,** फ्लैट नंबर 415, नारायणी टॉवर, वार्ड नंबर 38, साई मंदिर के पास, हेमूनगर, बिलासपुर – बिलासपुर–छ.ग. – 495001. **श्रीमती श्रीवास्तव सीमा,** जे.डी. ऑटोनेशन टाटा मोटर्स, एनएच 130 एनएच. 130 परसदा, बिलासपुर–छ.ग.–495001. **श्रीमती श्रीवास्तव प्रशांत,** फ्लैट–ए–415, फ्लोर–4, नारायणी टावर्स, खसरा नंबर 1211/1-2, 1212/1-2 1213/1-2, 1234/8, शीट नंबर 14/11 पी. नंबर 6/2, प.ह.नं. 22, नवीन क्रमांक 28 मौजा तोरवा, हेमू नगर, बिलासपुर–छ.ग.–495001. **श्रीमती श्रीवास्तव प्रशांत,** मै. एक्सेसरीज वर्ल्ड, शॉप नंबर 16, नगर निगम कॉम्प्लेक्स, पुराना बस स्टैंड, बिलासपुर–छ.ग.–495001 **श्रीमती श्रीवास्तव प्रशांत,** फ्लैट नंबर 415 नारायणी टॉवर, वार्ड नंबर 38, साई मंदिर के पास, हेमूनगर, बिलासपुर – बिलासपुर–छ.ग. – 495001.	₹ 16,15,522/- as on 31-JAN-2025	28-Feb-2025	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की संपत्ति, फ्लैट–ए–415, मंजिल–4, क्षेत्रफल–628.60 वर्ग फीट, खसरा नं. 1211/1-2, 1212/1-2 1213/1-2, 1234/8, शीट सं. 14/11, 'नारायणी टॉवर', हेमू नगर, प.ह.नं.–22/34, आरआईसी–बिलासपुर, ग्राम–बिलासपुर छतमुरा, तह. और जिला बिलासपुर छ.ग. में स्थित, **चौहद्दीः**–उत्तर – फ्लैट सं. ए–416, दक्षिण – फ्लैट सं. डी–414 पूर्व – गली, पश्चिम – खुला आसमान।
3.	**श्री कुमार शिव,** प्लॉट नंबर सी–52, कैपिटल सिटी, प.ह.– III (ब्लॉक ए और सी) स.क्र., ख.नं. 326/1, 2, 327, 328/1, 2, 329, 334 भाग द्वारा, 335/1, 2, प.ह.नं. 109, ग्राम– सड्डू, रायपुर–492001. **श्री कुमार शिव,** मकान नं. सी–52, कैपिटल सिटी, फेज़–3, सड्डू, रायपुर – 492001. **श्री कुमार शिव,** जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, रायपुर–मंदिर हसौद, जिंदल स्टील प्लांट, मंदिर हसौद, महासमुंद रोड – रायपुर – 492101. **श्रीमती यादव संगीता,** मकान नं. सी 52, कैपिटल सिटी, फेस–3, सड्डू, रायपुर – 492001. **श्रीमती यादव संगीता,** प्लॉट नंबर सी–52, कैपिटल सिटी, प.ह.– III (ब्लॉक ए और सी)। क्र.सं., ख.नं. 326/1, 2, 327, 328/1, 2, 329, 334 भाग द्वारा, 335/1, 2, प.ह.नं. 109, ग्राम– सड्डू, रायपुर–492001..	₹ 41,60,074/- as on 31-JAN-2025	28-Feb-2025	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की संपत्ति, जिसका प्लॉट क्रमांक सी–52, क्षेत्रफल–1200 वर्ग फीट, खसरा नं. – 334/4 (भाग), कैपिटल सिटी, फेज 3, वार्ड क्रमांक– 26, प.ह.नं.–109, आरआईसी–रायपुर–1, ग्राम– सड्डू, तह. और जिला रायपुर छत्तीसगढ़ में स्थित है। **चौहद्दीः**–उत्तर–प्लॉट क्रमांक सी–53, दक्षिण–प्लॉट क्रमांक सी–51, पूर्व–रोड, पश्चिम–प्लॉट क्रमांक बी–65.
4.	**श्री पांडे संजीव,** फ्लैट–LIG-V/12, फ्लोर–2, दीन दयाल आवास योजना, स.क्र., हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, LIG फ्लैट्स (जी+2 और जी+3); विनोबा नगर, रायगढ़–छ.ग.–496001. **श्री पांडे संजीव,** मकान नं. 49, देवांगन गली, बंगला पारा, ग्राम–बेलादुला, रायगढ़–रायगढ़–छ.ग.– 496001. **श्री पांडे संजीव,** MSP स्टील एंड पावर लिमिटेड, SST पावर, MSP स्टील एंड पावर लिमिटेड, जामगांव, रायगढ़ – रायगढ़–छ.ग.– 496001. **श्रीमती पांडे रेनू,** म.नं. 49, देवांगन गली, बंगला पारा, ग्राम–बेलादुला, रायगढ़–रायगढ़–छ.ग.– 496001. **श्रीमती पांडे रेनू,** फ्लैट–LIG-V/12, फ्लोर–2, दीन दयाल आवास योजना, क्रमांक, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, LIG फ्लैट्स (जी+2 और जी+3); विनोबा नगर, रायगढ़–छ.ग.–496001.	₹ 7,60,792/- as on 31-JAN-2025	28-Feb-2025	आवासीय फ्रीहोल्ड फ्लैट, क्षेत्रफल–487 वर्ग फुट, ख.नं.–313, प्लॉट नं.–93, मौजा–विनोबा नगर में स्थित, "312 एलआईजी फ्लैट्स', छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड फ्लैट–LIG-V–12, दूसरी मंजिल ब्लॉक–V, रायगढ़ वार्ड नंबर 24, विनोबा नगर (बैजनाथ मोदी नगर–छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड)–ब्लॉक एवं तह. – रायगढ़ और जिला–रायगढ़, छत्तीसगढ़। **चौहद्दीः**–उत्तर–फ्लैट V/11, दक्षिण–डब्ल्यू ब्लॉक, पूर्व–फ्लैट V/10, पश्चिम–खुला क्षेत्र।
5.	**श्री रोक्कम श्रीधर,** यूनिट–L–76 लोटस सिटी, स.क्र., खसरा क्र. 51-53, 57-59, 72, 73, 80, 81, 83, 84, 86-89, 92-104, 107-123, 128-131, 142, 143 148-178,203 का भाग, प.ह.नं. 4, ग्राम परसदा, तह.पाटन, दुर्ग– 490042. **श्री रोक्कम श्रीधर,** 558 पंचशील नगर पूर्व, पोस्ट बी.एम.वाई., चरोदा वार्ड 20, भिलाई चरोदा दुर्ग, भिलाई– 493441. **श्री रोक्कम श्रीधर,** मै. श्री ब्रदर्स इंटरप्राइजेज, 01 ग्राम सांकरा, तहसील धरसीवा, पोस्ट सोंद्रा, रायपुर – 492001. **श्रीमती आर. रजनी,** 558 पंचशील नगर पूर्व, पो. बी.एम.वाई., चरोदा वार्ड 20, भिलाई चरोदा दुर्ग, भिलाई– 493441. **श्रीमती आर. रजनी,** यूनिट–L–76 लोटस सिटी, स.क्र., खसरा क्र 51-53, 57-59, 72, 73, 80, 81, 83, 84, 86-89, 92-104, 107-123, 128-131, 142, 143 148-178,203 का भाग, प.ह.नं. 4, ग्राम परसदा, तह.पाटन, दुर्ग– 490042. **श्रीमती आर. रजनी,** मैसर्स. श्री ब्रदर्स इंटरप्राइजेज, 01 ग्राम सांकरा, तहसील धरसीवा, पोस्ट सोंद्रा, रायपुर – 492001.	₹ 9,23,756/- as on 31-JAN-2025	25-Feb-2025	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की संपत्ति, यूनिट L-76 क्षेत्रफल– 690 वर्ग फीट, खाता संख्या– 323, खसरा नं. – 88/2 भाग, लोटस सिटी, प.ह.नंबर–4, आरआईसी–भिलाई–3, ग्राम– परसदा, तह.– पाटन और जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ में स्थित है। **चौहद्दीः**–उत्तर–प्लॉट संख्या एल–65, दक्षिण– पथ, पूर्व–प्लॉट संख्या–ख–75, पश्चिम–प्लॉट संख्या एल–77.
6.	**श्री वलेचा मनोज कुमार,** यूनिट–6087, फ्लोर–6, करेंसी टावर, क्र.सं. 611/1-2-3-4, 612/1-2, वीआईपी रोड, रायपुर–492001. **श्री वलेचा मनोज कुमार, पिता लाल चंद वलेचा,** क्वार्टर नंबर 39, रिद्धि सिद्धि रेजीडेंसी, अवंती विहार तेलीबांधा, रायपुर – 492001. **श्रीमती वलेचा मनोज कुमार,** मै. दिशा एंड एसोसिएट्स, क्वार्टर नंबर -39, रिद्धि सिद्धि रेजीडेंसी, तेलीबांधा, रायपुर – 492001. **श्रीमती वलेचा भाविशा पति मनोज कुमार वलेचा,** क्वार्टर नंबर 39, रिद्धि सिद्धि रेजीडेंसी, अवंती विहार तेलीबांधा, रायपुर – 492001. **श्रीमती वलेचा भाविशा,** मै. राधे कंस्ट्रक्शन्स, क्वार्टर नंबर–39, रिद्धि सिद्धि रेजीडेंसी, तेलीबांधा, रायपुर– 492001.	₹ 14,53,913/- as on 31-JAN-2025	28-Feb-2025	वाणिज्यिक इकाई क्रमांक–6087, 6वीं मंजिल, क्षेत्रफल–173 वर्ग फीट, ख.नं.–15009, मौजा–वीआईपी स्क्वायर, तेलीबांधा, रानी दुर्गावती वार्ड, वार्ड क्रमांक–45 'करेंसी टॉवर' कॉन्डोमिनियम तहसील व जिला–रायपुर, छत्तीसगढ़ और **चौहद्दीः**–उत्तर–इकाई क्रमांक–6088, दक्षिण– इकाई क्रमांक–6086, पूर्व–गली, पश्चिम– इकाई क्रमांक–6090.

*अतिरिक्त ब्याज के साथ। भुगतान और/या वसूली की तारीख तक किए गए आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क जैसा लागू हो आदि।

यदि उक्त उधारकर्ता उपर्युक्त के अनुसार एचडीएफसी को भुगतान करने में विफल हो जाते हैं, तो एचडीएफसी उक्त अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जो पूरी तरह से जोखिम में है। उक्त उधारकर्ता(ओं)/कानूनी वारिस(ओं)/कानूनी प्रतिनिधियों(ओं) की लागत और परिणाम के बारे में।

उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि को उक्त अधिनियम के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है, चाहे वह बिक्री, पट्टे या अन्यथा के माध्यम से हो। एचडीएफसी की पूर्व लिखित सहमति। कोई भी व्यक्ति जो अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, वह अधिनियम के तहत प्रावधान के अनुसार कारावास और/या दंड के लिए उत्तरदायी होगा।

स्थान : रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, रायगढ़ — कृते / प्राधिकृत अधिकारी
दिनांक : 12.03.2025 — पंजीकृत पता– एचडीएफसी बैंक हाऊस, सेनापती बापट मार्ग, लोवर पर्ल (पश्चिम), मुंबई–400020 — एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

pnb — Together for the better

मण्डल कार्यालय, प्लॉट नं. ए.48, रिंग रोड नं. 2 गौरवपथ, बिलासपुर, फोन : 077752 432710/729

ई–नीलामी 17.04.2025

सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अन्तर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री

APPENDIX-IV-A [See proviso to rule 8(6)]

पंजाब नैशनल बैंक के प्राधिकृत अधिकारी/अधोहस्ताक्षरी ने अपने अधिकारों को इस्तेमाल करते हुए सरफेसी अधिनियम 2002 **की धारा 13 (2) के अंतर्गत** नोटिस जारी किया तथा सांकेतिक कब्जा/भौतिक कब्जा में ली गई सम्पत्तियां जिस पर सरफेसी अधिनियम की धारा 13 (4) के तहत बैंक की बकाया राशि, ब्याज एवं अन्य खर्चों सहित की वसूली हेतु निम्नलिखित संपत्तियों की बिक्री **'जैसा है जहाँ है'** एवं **'जो है जैसा है'** के आधार पर किया जाना है।

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है।

ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि व समय- 17.04.2025, सायं 04.00 बजे तक एवं ई-नीलामी 17.04.2025 प्रात 11:00 से सायं 4:00 बजे तक

क्र. सं.	ऋणी का नाम एवं पता/ शाखा का नाम	जमानतदार का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति का स्वामी	13(2) की तिथि/ बकाया राशि/ कब्जा का प्रकार	आरक्षित मूल्य (रु.) ईएमडी (रु.) बोली वृद्धि
1.	**शाखा-सिवनी** **स्वेता फ्लाई ऐश ब्रिक्स, प्रोप- पुष्पेंद्र डनसेना** पिता जगदीश प्रसाद डनसेना, ग्राम- एवं डाकघर- करनौद, तहसील- बम्हनीडीह, जांजगीर- 495660	**प्रोप- पुष्पेंद्र डनसेना** पिता जगदीश प्रसाद डनसेना, ग्राम- एवं पोस्ट-करनौद, तहसील-बम्हनीडीह, जांजगीर- 495660. **जमानतदार/बंधककर्ता- जगदीश प्रसाद डनसेना** पिता रत्थूलाल डनसेना, क्लब के पास, रजगामार कॉलोनी, श्याम नगर, कोरबा-495683, **जमानतदार-अजय डनसेना** पिता श्री रत्थूलाल डनसेना, ग्राम- पोस्ट-करनौद, बम्हनीडीह, जांजगीर-495660	खसरा नं- 889 एवं 890, पीएच नंबर- 22, गांव करनौद, तहसील-चांपा, जिला-जांजगीर चांपा में क्षेत्रफल- 0.98 एकड़, यानी 42728 वर्गफुट पर स्थित साम्यिक बंधक संपत्ति का समस्त भ्हाग तथा अंश. मालिकाना हक- श्री जगदीश प्रसाद डनसेना	27-05-2022 / ₹ 29,73,647.00 / सांकेतिक कब्जा	₹33,00,000 / ₹3,30,000 / ₹30000
2.	**शाखा-यूबीआई रायगढ़** **मेसर्स श्री सिद्धि विनायक फ्लाई ऐश ब्रिक्स, प्रोप - श्रीमती किरण देवी अग्रवाल** पति सुभाष च अग्रवाल, ओडेकरा, सरायपल्ली, चेचांग, पो.ओ एवं जिला जांजगीर चांपा 495692	**प्रोप./बंधककर्ता- श्रीमती किरण देवी अग्रवाल** पति सुभाष चौधरी अग्रवाल, डाकघर खरसिया, रायगढ़, 496661	खसरा नं.- 26/2, प.ह. नंबर-12, आरएनएम चंद्रपुर, सरायपल्ली चेचांग, जिला-जांजगीर छ.ग. में क्षेत्र-0.138 हेक्टेयर (2512.5 वर्गफीट) पर स्थित बंधक रखी फैक्ट्री भूमि, शेड का समस्त भाग तथा अंश, डीड नं.-77, दिनांक- 18.04.2019, मालिकाना हक़- किरण देवी अग्रवाल पति सुभाष सीएच अग्रवाल.	04-01-2020 / ₹ 18,71,405.00 / सांकेतिक कब्जा	₹25,76,000 / ₹2,57,600 / ₹20000
3	**शाखा-कोरबा** **मेसर्स कमल फ़र्निचर एंड कॉन्ट्रैक्टर्स, पार्टनर्स-ओम प्रकाश कुर्रे, श्री धरम प्रकाश कुर्रे एवं श्रीमती श्यामबाई कुर्रे,** पता- मोहन ताकीज रोड, जमनीपाली, कोरबा-495450	**पार्टनर- ओम प्रकाश कुर्रे** पिता बुधराम सिंह कुर्रे, **पार्टनर- धरम प्रकाश कुर्रे** पिता बुधराम सिंह कुर्रे, **पार्टनर- श्यामबाई कुर्रे** पति बुधराम सिंह कुर्रे, **बंधककर्ता- बुधराम सिंह कुर्रे** पिता स्व. नंदू राम कुर्रे, सभी का पता: मोहन ताकिज रोड, जमनीपाली, कोरबा	सर्वे नंबर -272/2 प.ह. नंबर-17, ग्राम- जमनीपाली, आरआईसी एवं तहसील- कटघोरा, जिला-कोरबा छ.ग. में क्षेत्र- 0.09 एकड़ (3924 वर्गफुट) पर स्थित साम्यिक बंधक भूमि एवं भवन, मालिकाना हक़- श्री बुधराम सिंह कुर्रे।	01-09-2021 / ₹ 4206876.71 / सांकेतिक कब्जा	₹5300000 / ₹530000 / ₹50000
4	**शाखा-कोरबा** **मेसर्स टीन कल्चर, प्रो.- बाबूलाल मनवानी** पिता कृपाल दास मनवानी, पता - दुकान नं. 110, एस एस प्लाजा, पी.एच. रोड कोरबा (छ.ग.) पिन 495677	**जमानतदार: सुनील कुमार मनवानी** पिता कृपाल दास मनवानी, पता - दलिया गोदाम के पास राम सागर पारा कोरबा (छ.ग.)	दुकान नं. एफएफ-52, प्रथम तल, सिटी सेंटर मॉल, पावर हाउस रोड, कोरबा (छ.ग.) पर स्थित संपत्ति. सीमाएं: उत्तर: यूनिट नं. एफएफ 53, दक्षिण: कॉरिडोर, पूर्व: यूनिट नं. एफएफ 54, पश्चिम: कॉरिडोर।	28-12-2020 / ₹ 15,59,741.20 / सांकेतिक कब्जा	₹2160000 / ₹216000 / ₹30000
5	**शाखा-बरेला** **मोहम्मद रफीक अबानी** पिता उस्मान भाई, मकान नंबर-152, बजरंग नगर, वार्ड नंबर-05, तखतपुर, जिला: बिलासपुर -495330	**जमानतदार: सिकंदर अबानी** पिता मोहम्मद रफीक अबानी, मकान नंबर-152, बजरंग नगर, वार्ड नंबर-05, तखतपुर, जिला: बिलासपुर -495330	खसरा नंबर 212, प. ह. नंबर- 37, मौजा- बरेला, राजस्व सर्किल- जरहागांव, ब्लॉक एवं तहसील- मुंगेली, जिला- मुंगेली में क्षेत्रफल - 10,990 वर्गफीट पर स्थित भूमि. मालिकाना हक़- मोहम्मद रफीक।	28-05-2021 / ₹ 45,46,325.60 / सांकेतिक कब्जा	₹4200000 / ₹420000 / ₹40000
6	**शाखा- (ई-यूबीआई) रायगढ़** **श्री नीरज शर्मा** पिता श्री प्रेमनारायण शर्मा 52/2 नयापारा, पी.ओ. चौहानपारा रायगढ़ रोड, घरघोड़ा रायगढ़ 496111 (छ.ग.)	**श्री नीरज शर्मा** पिता श्री प्रेमनारायण शर्मा, 52/2 नयापारा, पी.ओ. चौहानपारा, रायगढ़ रोड, घरघोड़ा, रायगढ़ 496111 (छ.ग.)	खसरा नं. 257/2, पीसी नं. 8, (पुराना 22) ग्राम - भेंड्रा आर.आई. सर्किल एवं तह- घरघोड़ा, जिला- रायगढ़ (छ.ग.) में क्षेत्रफल 0.223 हेक्टेयर (23958 वर्गफीट) पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक़- श्री नीरज शर्मा पिता श्री प्रेमनारायण शर्मा	04-07-2019 / ₹ 23,52,040.00 / सांकेतिक कब्जा	₹2500000 / ₹250000 / ₹20000
7	**शाखा- (ई-यूबीआई) रायगढ़** **देव नारायण राठौड़** पिता-माली राम राठौड़, पता-88/1, रेलवे बंगलापारा, वार्ड क्रमांक-39, रायगढ़, छ.ग. 496001	**उधारकर्ता / बन्धककर्ता- देव नारायण राठौड़** पिता माली राम राठौड़, पता-88/1, रेलवे बंगलापारा, वार्ड क्रमांक-39, रायगढ़, छ.ग. 496001	खसरा नं- 3/6, पीएच नं- 01, ग्राम- कुशवाबहरी, तहसील / जिला- रायगढ़, छ.ग. में क्षेत्रफल-7000 वर्गफुट पर स्थित साम्यिक बंधक आवासीय संपत्ति.	16-10-2023 / ₹ 1138968.34 / सांकेतिक कब्जा	₹1890000 / ₹189000 / ₹10000
8	**शाखा-कटघोरा** **मेसर्स कव्वाल ट्रांसपोर्ट, प्रोप-फरीदुद्दीन अंसारी** पिता स्वर्गीय कमरुद्दीन अंसारी, बेलपारा, वार्ड नंबर-6, पोस्ट-कटघोरा, कोरबा छ.ग. 495445	**प्रोप-फरीदुद्दीन अंसारी** पिता स्वर्गीय कमरुद्दीन अंसारी, बेलपारा, वार्ड नंबर-6, पोस्ट-कटघोरा, कोरबा छ.ग. **जमानतदार / बंधककर्ता- मोइनुद्दीन अंसारी** पिता कमरुद्दीन, वार्ड नंबर-06, राजीव नगर वार्ड, पोस्ट-कटघोरा, जिला-कोरबा, छ.ग.	खसरा नंबर 221/1 गा, प. ह नंबर- 25, क्षेत्रफल 170 वर्ग फीट, वार्ड क्रमांक 06, राजीव नगर वार्ड, कोरबा, (छ.ग) 495445 पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री मोइनुद्दीन पिता श्री कमरुद्दीन	11-01-2022 / ₹ 2521326.22 / सांकेतिक कब्जा	₹1800000 / ₹180000 / ₹10000

नोट: इच्छुक खरीददार जो संपत्ति देखना चाहते हैं वे संबंधित शाखा प्रबंधक से संपर्क करें अथवा नीचे उल्लेखित नियम व शर्तों में अवलोकन कर बैंक के अधिकारियों से व्यक्तिगत संपर्क करें। संपत्ति देखने की तिथि: 11.04.2025 (बैंक कार्यालयीन समय में) प्राधिकृतअधिकारी से संपर्क के लिए मो. नं. 07752-310132, 0775-2310118

महत्वपूर्ण नोट:- 1. नीलामी बिक्री "ई-नीलामी" पोर्टल **http://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन होगी . इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल नंबर और ईमेल-आईडी का उपयोग करके पोर्टल **(https://baanknet.com)** पर पंजीकरण करें। इसके अलावा, उनसे अपेक्षित केवाईसी दस्तावेज़ अपलोड करने का अनुरोध किया जाता है। एक बार जब केवाईसी दस्तावेज़ ई-नीलामी सेवा प्रदाता द्वारा सत्यापित हो जाते हैं (जिसमे 2 कार्य दिवस लग सकते हैं), इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को **ई-नीलामी दिनांक 17/04/2025** से पहले पोर्टल पर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाइन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि हस्तांतरित करनी होगी। पंजीकरण, केवाईसी दस्तावेजों का सत्यापन और वॉलेट में ईएमडी का हस्तांतरण नीलामी की तारीख से पहले ही पूरा किया जाना चाहिए।
नियम और शर्तें- बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियमों व शर्तों और निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:- संपत्तियों को **"जैसा है जहां है" और "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है"** के आधार पर बेचा जा रहा है। यहां ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा। 3. संपत्ति की बिक्री **ई-नीलामी दिनांक 17/04/2025** वेबसाइट **https://baanknet.com** पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी। बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com** एवं **www.pnbindia.in** देखें . इस नीलामी के अंग्रेजी में जानकारी के लिए Central Chronicle दिनांक 12.03.2025 में प्रकाशित समाचार पत्र देखें। किसी भी विवाद की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा.

नोट:- इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई-डी व पासवर्ड स्वंय बनाना हैं। जिसे बनाने में न्युनतम 2 दिन का समय लगता हं। अतः बोलीकर्ता से निवेदन हं कि यूजर आई-डी अंतिम तिथी से पूर्व ही बना ले।

दिनांक - 12/03/2025 , स्थान - बिलासपुर (छ.ग) — प्राधिकृत अधिकारी/पंजाब नैशनल बैंक, सुरक्षित ऋणदाता

haribhoomi.com
चौपाल
रंग छत्तीसगढ़ के

हरिभूमि 8
बिलासपुर, बुधवार 12 मार्च 2025

धार्मिक

डा. ज्योति चंद्राकर

होलिका दहन में डाड़ गाड़ना और कुंवारी होली

एहोलिका दहन असत्य पर सत्य के विजय का त्योहार माना जाता है। पुराणों के अनुसार माना जाता है कि इस दिन बुआ होलिका ने भतीजे प्रहलाद को गोद में बिठाकर जलाना चाहा था,परंतु स्वयं जलकर राख हो गई और विष्णु भक्त प्रहलाद बच गया। इसी याद में रात्रि में होलिका दहन फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष के चतुर्दशी को किया जाता है। होलिका दहन प्रतीक है ,अत्याचार के विनाश का। जिसमें असत्य रूपी होलिका जल जाती है और सत्य रूपी प्रहलाद बच जाता है। होलिका दहन का त्योहार सामुदायिकता का त्यौहार है जिसे अंचल में सभी जाति के लोग समूह में मिलकर मनाते हैं । ग्रामीण अंचल में होलिका दहन का त्यौहार बसंत पंचमी के दिन से शुरू हो जाता है। वसंत पंचमी के दिन अरंड (अरंडी) पेड़ की टहनी गांव के होलिका दहन करने वाले स्थल में गड़ा दी जाती है। इसी दिन से गांव में लकड़ी इकट्ठा करना, नगाड़ा बजाना शुरू किया जाता है। इस प्रकार एक महीने तक लकड़ी इकट्ठी की जाती है । ग्रामीण इसे डाड़ गाड़ना कहते हैं। गांव के सभी वर्ग के पुरुष होलिका दहन के मुहूर्त के अनुसार होलिका दहन करते हैं। पूर्व समय में ग्रामीण क्षेत्र में होलिका दहन के समय बैगा द्वारा पूजा कर मंत्र जाप करने के पश्चात चकमक पत्थर से अग्नि उत्पन्न कर उससे होलिका जलाई जाती थी, जिसे कुंवारी होली कहा जाता था। वर्तमान समय में चकमक पत्थर का उपयोग नहीं किया जाता।

लोकगीत

डा. राजन यादव

अंचल में होली के अवसर पर गाए जाते हैं फाग गीत

छत्तीसगढ़ के दो प्रमुख त्योहार दीपावली और होली का सम्बन्ध फसल चक्र से है। दीपावली खरीफ फसल से जुड़ा है तो होली रबी फसल से। फाग लोक गीतों का एक सरस अंग है। फाग गीत एक परिष्कृत तथा सांस्कृतिक रुचि का निर्देशन भी है। छत्तीसगढ़ में फाग गीत बसंत पंचमी से चैत्र पूर्णिमा तक सभी लोगों द्वारा नगाड़ा, टिमकी, टासक, मंजीरा आदि वाद्यों के साथ गाया जाता है। बसंत पंचमी के दिन लोग अरंड वृक्ष की एक शाखा काट कर शहर या गांव के उस स्थान पर स्थापित करते हैं जहां होलिका दहन किया जाता है। गांव के चौपाल या मंदिर के चबूतरों या प्रांगण में रात्रि के समय लोग एकत्र होकर फाग गाते हैं। शास्त्र की तरह लोक में भी प्रथम पूजित गणेश जी का पावन स्मरण किया जाता है। वंदना परक फाग गीतों में भी जवांरा गीत की भांति एक ही गीत में कई देवी देवताओं के प्रसंग आते हैं -

ए हो प्रथम चरण गणपति को हो
गणपति को मनाव, प्रथम चरण गणपति को।
काकर पुत गणपति भए, का पुत हनुमान।
काकर पुत भैरव भए, काकर पुत भगवान ।

छत्तीसगढ़ी फाग गीतों के कथानक विस्तृत होते हैं। फाग गीतों में सभी देवताओं को बराबर स्मरण किया जाता है। युवा जन अपनी प्रेम भावना को राधा कृष्ण के प्रेम प्रसंगों के माध्यम से व्यक्त करते हैं।

परब विशेष

कमल नारायण

कवर्धा के आदिवासी तेरह दिनों तक मनाते हैं होली

छत्तीसगढ़ का अधिकांश हिस्सा आदिवासी बाहुल्य है, जिसमें होली त्योहार मनाने की परम्परा अन्य स्थानों से भिन्न होती हैं। यह आदिवासी वर्ष भर विभिन्न तीज त्योहारों उत्सव को रंगीन बनाने के लिए अलग-अलग तरीके से नाच गाना करते हैं। इनके उत्सव के अपने अलग रंग होते हैं। इसी तरह कबीरधाम जिले में निवासरत बैगा जनजाति फागुन तेरस तक होली मनाते हैं। खासकर यहां के बोड़ला और पंडरिया विकास खंड में आदिवासी एक दूसरे के गांवों में जाकर होली खेलते हैं जिसे खेकड़ा और खेकड़ी के नाम से जाना जाता है। यहां प्रस्तुत किए जाने वाले गीत और नृत्य को करमा फाग गीत कहते हैं। नृत्य के दौरान पुरुष और महिला मुखौटा पहने रहते हैं। गीत और नृत्य प्रस्तुति के समय नर्तक दलों द्वारा विशेष श्रृंगार किया जाता है। महिलाएं श्रृंगार में तोड़ा, पहुंची, रुपिया माला, करधन और कौड़ी का उपयोग करते हैं। पुरुष वर्ग काली जैकेट, कमीज, सालुखा, मोर पंख की कलगी और गले में माला धारण करते हैं। सभी कलाकार अपने अनुसार , टासक वाद्य यंत्र का उपयोग करते हैं।

दंतेवाड़ा के दंतेश्वरी देवी के मंदिर में कलश स्थापना के बाद फागुन मड़ई का शुभारंभ होता है। षष्ठी के दिन मड़ई के शुरुआत के दूसरे दिन तालाब से ताड़ के पत्तों को धोकर होलिका दहन के लिए रखा जाता है। मान मनौती और पूजा पाठ के साथ सामाजिक मेल मिलाप मड़ई का आकर्षण होता है। दंतेश्वरी माता की डोली में आंवले का फल चढ़ाया जाता है और बाद में लोग एक दूसरे पर आंवले की बौछार करते हैं। आमंत्रित देवी देवताओं को मेडका डबरा में ठहराया जाता है। दस दिनों की इस फागुन मड़ई में पूरी बस्ती लोकगीतों और लोक नृत्यों से गूंजती रहती हैं।

दंतेवाड़ा में देवी-देवताओं के बीच मनाई जाती है फागुन मड़ई

तीज तिहारः अश्विनी केशरवानी

बस्तर अंचल में दंतेवाड़ा की फागुन मड़ई का अपना अलग ही महत्व है। फागुन मड़ई के उल्लास में शामिल होने की दावत देव गुड़ियों में विराजमान देवी देवताओं को भी दी जाती है। वैसे इन देवी देवताओं की संख्या अधिक होती है। ग्रामीण जनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 39 गांवों की 55 देवियों को मड़ई में आमंत्रित किया जाता है, जबकि ग्राम बालूद के हिरमराज देव ही अकेले देवता के रूप में बुलाए जाते हैं। आमंत्रित देवियों में टेकानार की परदेशीन माता, हिरमा माता, शीतला माता, कोलाकामिनी माता, बालपेट की गंगना देवी, मटेनार की सेमरिया माता, बेलगुर की पातका देवी, मलेनार की पीलाबाई, कारली की धांस बोडिन माता प्रमुख हैं। दंतेश्वरी देवी के कलश स्थापना के बाद फागुन मड़ई का शुभारंभ होता है। षष्ठी के दिन मड़ई के शुरुआत के दूसरे दिन तालाब से ताड़ के पत्तों को धोकर होलिका दहन के लिए रखा जाता है, इसे ताड़ पलंगा विधान कहते हैं। अष्टमी के दिन खोर खोदनी विधान होता है। अर्थात आदिवासियों का समूह दन्तेश्वरी देवी के सामने नृत्य करता है। अगले दिन मांडनी विधान में भी नृत्य किया जाता है। मान मनौती और पूजा पाठ के साथ सामाजिक मेल मिलाप मड़ई का आकर्षण होता है। फागुन मड़ई के अगले दिन चार दिन क्रमशः लम्हामार, कोडरीमार, चीतलमार, और गबरमार का आयोजन होता है। लम्हा यानि खरगोश, चीतल शिकार का स्वांग रचा जाता है। चतुर्दशी के दिन आंवरामार का आयोजन होता है। दंतेश्वरी माता की डोली में आंवले का फल चढ़ाया जाता है और बाद में लोग एक दूसरे पर आंवले की बौछार करते हैं। इसमें दर्शकों का मनोरंजन होता है। षष्ठी से लेकर दंतेवाड़ा के मड़का डबरा मैदान में फागुन माह के शुक्ल पक्ष के छठवें दिन दंतेश्वरी देवी का कलश स्थापित होता है। आमंत्रित देवी देवताओं को भी मेडका डबरा में ठहराया जाता है। रंग बिरंगी पालकी में ग्रामवासी इन्हें यहां लाते हैं। दस दिनों की इस फागुन मड़ई में पूरी बस्ती लोकगीतों और लोक नृत्यों से गूंजती रहती हैं। बसंत ऋतु में दंतेवाड़ा का जन जीवन फागुन मड़ई के सम्मोहन में बंध कर शंखनी और डंकनी नदी के संगम में इकठ्ठा होने लगता है।

पर्यटन : तपेश जैन

सरगुजा अंचल के महत्वपूर्ण स्थलों में कैलाश गुफा

जशपुर अंचल में बगीचा से बतौली से होकर करीब 40 किलोमीटर गायबुड़ा के जंगल में कैलाश गुफा स्थित है। बताया जाता है कि यहां कभी भी बारिश गिरने लगती है। वर्ष भर यहां अधिकतर वर्षा होते देखी जाती है। गुफा के अंदर से बादल को निहारने पर ऐसा लगता है मानों हम पहाड़ की चोटी से बादल के करीब ही हैं। यह कैलाश गुफा छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध संत गहिरा गुरु की तपोस्थली रही है। इस स्थल पर भगवान शिव का मंदिर दर्शनीय है। कैलाश गुफा के आसपास दुर्लभ प्रजाति की जड़ी बूटियां पाई जाती हैं । यहां पाई जाने वाली एक तेज बल वृक्ष प्रसिद्ध धाम केदारनाथ के बाद कैलाश गुफा में ही पाया जाता है, तेजबल वृक्ष की पत्तियां औषधि गुण से परिपूर्ण हैं। कैलाश गुफा के संदर्भ में संत गहिरा गुरु के पुत्र व बभ्रुवाहन बताते हैं कि यह स्थान प्राचीन ऋषि परंपरा का साक्षी है। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण हरियाली लिए कैलाश गुफा सरगुजा अंचल का सबसे ज्यादा महत्व का पर्यटन स्थल है।

लोक साहित्य

मृणालिका ओझा

छत्तीसगढ़ी लोक कथाओं में लोक विश्वास

छत्तीसगढ़ी लोककथाएं लोक विश्वास रूपी रक्त द्वारा ही संचालित हैं। विश्व की समस्त लोक कथाओं में वहां के लोक मानस में व्याप्त लोक विश्वासों के छाप अंकित हैं। यह लोक विश्वास यदि एक ओर उन मान्यताओं की ओर संकेत करते हैं, जो हमारी आज की मान्यताओं तक की सुदीर्घ यात्रा में तय की गई दूरी को बताते हैं, तो दूसरी ओर हमारे आदिम जीवन के उस मस्तिष्क को भी प्रमाणित करते हैं जो कच्ची मिट्टी के घड़े सदृश था। छोटी छोटी घटनाएं मनुष्य को रहस्यमय ढंग से सोचने को विवश करती थीं, यह बात लोक कथाओं में व्यक्त लोक विश्वासों द्वारा ही अनुमानित हो सकती हैं। जब मनुज मस्तिष्क इतना सुविकसित व परिष्कृत नहीं था, जो किसी परिणाम के वास्तविक कारणों का पता लगा सके। अतः इन लोक विश्वासों के सहारे हम मनुष्य के हजारों हजारों वर्ष पूर्व व्यतीत जीवन को टटोलते हैं। इनमें से कुछ लोक विश्वास तो पारंपरिक होते हैं और कुछ सामयिक परिस्थितियों से उत्पन्न होते हैं। भय और आशंकाओं से पूरित मानव मन न मालूम कितने विश्वासों को जन्म दे रहा है और कितनों को जीवित रखने में सहायक बना है। कुछ विद्वानों के अनुसार अविवेक एवं अज्ञान ही लोक विश्वासों का जनक है। इस कथन की सत्यता पर हम विचार करने के लिए तब विवश हो जाते हैं जब आज के शिक्षित समाज में भी इन लोक विश्वासों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में श्वास लेते हुए देखते हैं। सभ्यता की चोटी पर पहुंचे देशों में आज भी जानवरों व पक्षियों के दर्शन, उनके द्वारा पथ पर आड़ करने, छींक आदि से संबंधित सैकड़ों लोक विश्वास व्याप्त हैं प्रायः विश्व के सभी देशों में यह अपने विभिन्न फलादेश के साथ मान्यता प्राप्त है जो हमारे आदिम संस्कारों के अवशेष हैं।

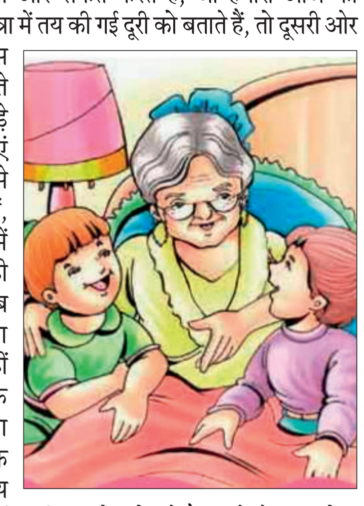

परम्परा

डा. राघवेन्द्र कुमार 'राज'

रंगों से मिलन का पर्व होली

छत्तीसगढ़ की पवित्र वसुंधरा ने न केवल दिव्य रत्नों को जन्म दी हैं वरन् बहुजन हिताय की सूक्तिवाक्यों को आत्मसात भी किया है। इसके हृदय स्थल में विविध पर्वों ने अठखेलियां की हैं और लोकमानस को आह्लादित भी किया है। तभी तो यहां की लोकधारा गा उठती है -
करता पहुनाई जन-जन का,जहां आँखों का पानी।
किशन के प्रेम रंगों में भीगती जहां राधा दीवानी।
सनातन धर्म में होलिका पूजन का विशेष महत्व है।जो सुख -सौभाग्य प्राप्ति का माध्यम भी है। जहां वसुधैव कुटुम्बकम् की पवित्र भावना फलीभूत होती हुई दृष्टिगोचर होती है।

छत्तीसगढ़ में होलिका पूजन की अपनी अनूठी परम्परा और मान्यताएं विद्यमान हैजो कहीं न कहीं निश्चित रूप से 'सर्वेभवन्तु सुखिनः'की पवित्र भावना से अनुप्राणित सा लगता है। होलिका पूजन में जो यज्ञाहुतियां दी जाती हैं। उसके पीछे भी लोक धारणाएं और प्राचीन मान्यताएं हैं। जैसे -घी और सरसों तेल के दिये जलाना, सात गेहूं की बालियां और सात सफेद सूत के (धागे), हल्दी का तिलक,रोली, सिन्दूर, श्रीफल, लौंग, कपूर, काले तिल के दाने, राई, गाय के गोबर की उपलें (कंडा या छेना), चांवल, दही, हलुवा, मालपुवा और अरंड (अंडा) पेड़ की टहनी गाड़ना आदि। ऐसा मानना है कि सरसों तेल के दिये जलाने से भगवान काल भैरव का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

सात गेहूं की बालियां सप्ताह में सात दिन, विवाह में सात फेरे और सात अंक शुभ का प्रतीक है। सात कच्चे सफेद सूत का संबंध शनि ग्रह से है। इसके अर्पण से शनिदोष से मुक्ति मिलती है। उपलों को सात धागों से बांधने से बुरी शक्तियां बंध जाती हैं। सात पान के पत्ते चाहे अरंड या कपूरी पान के हो। इसके अग्निहोत्र से परिवार में सुख, शांति, समृद्धि और उन्नति की प्राप्ति होती है। लौंग और कपूर की आहुतियों से सुख -शांति, धनवृद्धि, घर में बरकत और पितृ व देवदोषों के अलावा कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। काले तिल के दाने,नमक व राई से बाधाएं दूर ,पुण्य की प्राप्ति होती हैं। नारियल अर्पण से दृष्टिदोष, शारीरिक और मानसिक समस्याओं का निवारण होता है। होली की भस्म मस्तक पर धारण करने से राहु-केतु की महादशा से मुक्ति, पारिवारिक क्लेश और विवाद का अंत व वास्तुदोष का निवारण होता है। गाय के गोबर की उपलें नकारात्मक शक्तियों, घरेलू परेशानियों को दूर कर वातावरण को शुद्धता प्रदान करती हैं।

अरंड (अंडा) पेड़ की टहनी गाड़ने से समस्त रोगों का अवसान होता है और ये सहज रूप से गांव -शहर में उपलब्ध हो जाती हैं। इसके फल, पत्तियां, टहनियां रोगकारक जीवाणु , कीटाणु से रक्षा करती हैं। दुर्भिक्ष (अकाल), भूखमरी और रूग्णता से मुक्ति दिलाती है।

होली की रात्रि दैवी की जागरण की रात्रि होती है। तभी तो भक्तों और श्रद्धालुओं की मंडलियां भक्ति भाव से गा उठती हैं-अरे!सर ररा सुन ले मोर कबीर..

प्रथम चरण गणपति को मनाव, गणपति को मनाव।....अरे!

हां हां दे दे बुल ऊवा राधे को,
के ब्रज में होली होय।...
फागुन महराज अब के गये कब अइ हव।...

होली,प्रेम के रंगों में सराबोर हो जाने का संदेश देती है। साथ ही अभद्रता का त्याग कर भद्रता को अपनाने का पुरजोर समर्थन करती है। होली ,निष्कलुषित प्रेम का परिचायक है । जो भाईचारे के साथ जीने का आह्वान करती है। अंत में-
आओ खो जाएं हँसी ठिठोली में।

11- MAR- COR- MAIN- Pg- 11 KHEL_Layout 1 3/11/2025 9:56 PM Page 1

आईपीएल के इतिहास में विराट ने पकड़े सबसे ज्यादा कैच, टॉप 10 में चार विदेशी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आईपीएल 2025 का काउंटडाउन शुरू हो गया है। 22 मार्च से 18वें सीजन का आगाज होगा। इस बार कई टीमें बदली-बदली नजर आने वाली हैं, क्योंकि मेगा ऑक्शन के बाद प्लेयर इधर-उधर हुए हैं। 4-5 टीमों ने अपने कप्तान बदले हैं।

18वें सीजन में एक तरफ जहां चौके-छक्के दिखेंगे तो वहीं दूसरी तरफ फील्डिंग में भी कमाल दिखने वाला है। इन टीमों में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो कैच लपकने में कोई गलती नहीं करते.।आईपीएल के इतिहास में 10 ऐसे खिलाड़ी हुए हैं, जिन्होंने अपनी फील्डिंग से ना सिर्फ सबका दिल जीता बल्कि सबसे ज्यादा कैच पकड़ने की लिस्ट में जगह बनाई।

लिस्ट में भारतीयों का जलवा

सबसे ज्यादा कैच लेने की लिस्ट में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा है। नंबर एक पर सबके चहेते विराट कोहली हैं, जिनके नाम अब तक 114 कैच हैं. दूसरे नंबर पर मिस्टर आईपीएल कहे जाने वाले सुरेश रैना का नाम है, जिन्होंने अपने करियर में 109 कैच लिए थे। आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ी ...

कोहली : 114 कैच

साल 2008 से 2024 तक विराट कोहली ने आईपीएल में 252 मैच खेले और 114 कैच लिए।

रैना : 109 कैच

चेन्नई और गुजरात लायंस के लिए खेलने वाले सुरेश रैना ने 205 मैचों में 109 कैच लिए हैं।

पोलार्ड : 103 कैच

वर्ष 2010 से 2022 तक आईपीएल में मुंबई के लिए खेलने वाले इस दिग्गज ने अपने करियर के 189 मैचों में 103 कैच लपके हैं।

जडेजा ने किए 103 शिकार

आईपीएल में 4 टीमों के लिए खेल चुके रवींद्र जडेजा ने 240 मैचों में 103 कैच लिए हैं। वो आईपीएल 2025 में सीएसके का हिस्सा हैं।

रोहित ने 101 को किया आउट

मुंबई इंडियंस के लिए अपनी कप्तानी में 5 खिताब दिलाने वाले रोहित ने 257 मैचों में 101 कैच लिए हैं. इस बार वो बतौर कप्तान नजर आएंगे।

शिखर धवन 99 कैच

बाएं हाथ के इस स्टार बल्लेबाज ने 2008 से 2024 तक 222 मैचों में 99 कैच लिए. वो आईपीएल 2025 में नजर नहीं आएंगे.

डिविलियर्स 90 को भेजा वापस
आईपीएल में 2008 से 2021 तक आरसीबी के लिए खेलने वाले इस दिग्गज ने 184 मैचों में 90 कैच लिए थे।

वॉर्नर 86, पांडे ने 83 कैच
बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 2009 से 2024 तक 184 मैच खेले, जिसमें 86 कैच लिए। आईपीएल 2025 में यह खिलाड़ी नजर नहीं आएगा।
मनीष पांडे- आईपीएल में 7 अलग-अलग टीमों से खेल चुके मनीष पांडे 171 मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 83 कैच लपके हैं।

फाफ डु प्लेसिस के 81 कैच
आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स समेत 3 टीमों के लिए खेल चुके फाफ ने 145 मैचों में 81 कैच लिए हैं।

खबर संक्षेप

रोनाल्डो ने अल नासर को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया

रियाद। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल की मदद से सऊदी अरब के अल नासर ने सोमवार को यहां ईरान के एस्टेघलाल को 3-0 से हराकर एएफसी चैंपियंस लीग एलीट फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल नासर से जुड़े थे लेकिन अभी तक रियाद के इस क्लब के लिए कोई ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। वह पिछले सप्ताह अंतिम 16 के दौर के पहले चरण के मैच में गोल नहीं कर पाए थे। पहले चरण का मैच गोल रहित बराबरी पर छूटा था और इस तरह से अल नासर ने 3–0 के कुल अंतर से जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। रोनाल्डो ने 26वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किया।

प्रणय ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप से बाहर

बर्मिंघम। भारत के एचएस प्रणय पुरुष एकल के पहले दौर में मंगलवार को यहां फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव के खिलाफ सीधे गेम में शिकस्त के साथ ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर हो गए। विश्व चैंपियनशिप 2023 और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता 32 वर्षीय प्रणय को दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी पोपोव के खिलाफ 53 मिनट में 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय कुश्ती महासंघ पर 2023 में सरकार ने लगाया था प्रतिबंध

भारतीय कुश्ती महासंघ से हटा निलंबन, अब हो सकेगा इंटरनेशनल टूर्नामेंट के लिए टीम चयन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगाए गए निलंबन को हटा दिया है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पहलवानों का चयन फिर से संभव हो सकेगा। अब तक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इं

डिया और एडहॉक कमेटी महासंघ की प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभाल रही थीं। खेल मंत्रालय ने अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप की जल्दबाजी में घोषणा करने के कारण 24 दिसंबर, 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था। संजय सिंह के नेतृत्व वाली समिति ने 21 दिसंबर, 2023 को डब्ल्यूएफआई का चुनाव जीता था, लेकिन पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के गढ़ गोंडा के नंदिनी नगर में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए स्थल के चयन से सरकार नाराज थी। मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि डब्ल्यूएफआई ने सुधारात्मक कदम उठाए हैं, इसलिए उसने निलंबन हटाने का फैसला किया है।

महिला पहलवानों के विरोध से बढ़ा विवाद

इस पूरे विवाद की जड़ में महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन शोषण के गंभीर आरोप थे। 16 जनवरी 2023: ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और अन्य महिला पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई के तत्कालीन अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर धरना दिया। अप्रैल 2023: जब सरकार से ठोस कार्रवाई की उम्मीद नहीं दिखी, तो पहलवानों ने दोबारा प्रदर्शन किया। 21 अप्रैल 2023: दिल्ली पुलिस को संबोधित 6 महिला पहलवानों ने बृजभूषण सिंह और महासंघ के सचिव विनोद तोमर के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराईं, जिसमें 8-9 साल से चले आ रहे यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए गए थे।

15 महीने बाद हटा प्रतिबंध

2023 में भारतीय कुश्ती महासंघ पर प्रतिबंध लगाया गया था, जब नवनियुक्त अध्यक्ष संजय सिंह ने पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के गृह क्षेत्र में राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप आयोजित करने की घोषणा की थी। इस फैसले के तुरंत बाद 24 दिसंबर 2023 को खेल मंत्रालय ने महासंघ को निलंबित कर दिया था।

साक्षी ने लिया था संन्यास

22 दिसंबर 2023: बजरंग पूनिया ने महासंघ के चुनाव में संजय सिंह की जीत के विरोध में अपना पद्मश्री सम्मान वापस करने की घोषणा की। 21 दिसंबर 2023: साक्षी मलिक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जूते मेज पर रखकर कुश्ती से संन्यास की घोषणा की थी।

डब्ल्यूएफआई का फैसला खिलाड़ियों की जीत

भारतीय कुश्ती महासंघ से निलंबन हटाने के केंद्र सरकार के फैसले का इस खेल संस्था के पूर्व अध्यक्ष और कैसरगंज से पूर्व सांसद

बृजभूषण शरण सिंह ने स्वागत किया है। बृजभूषण ने कहा, "26 महीनों तक तमाम षड्यंत्र रचे गए, झूठे आरोप लगाए गए और भारतीय कुश्ती को ठप करने की कोशिशें हुईं लेकिन साजिश करने वाले अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सके। इस विवाद के चलते टीम दो विश्व रैंकिंग अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकीं। प्रशिक्षण शिविर बंद हो गए और कुश्ती जगत को भारी नुकसान उठाना पड़ा।' साथ ही उन्होंने अध्यक्ष संजय सिंह और अन्य पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे खिलाड़ियों के हित में निष्पक्ष निर्णय लें और किसी भी प्रकार के भेदभाव से बचें।

मुझे पूर्ण विश्वास था निलंबन हटेगा : संजय सिंह

वाराणसी में महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि निलंबन खत्म होने पर अब कुश्ती

सुचारू रूप से चलेगी। उन्होंने कहा मैं देश और पहलवानों के हित के लिए काम कर रहा था, इसलिए मुझे पूर्ण विश्वास था कि कुश्ती संघ से निलंबन हटेगा। कुश्ती के खिलाड़ियों का ढाई साल से शिविर नहीं लग रहा था। निलंबन हटने के बाद खिलाड़ी शिविर में नई-नई तकनीक सीखेंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025

नहीं मिला मौका, पानी पिलाते रहे ये खिलाड़ी, फिर भी मिला तमगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने दुबई के मैदान पर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम को 4 विकेट से मात देकर तीसरी बार खिताब अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

वहीं, 3 ऐसे खिलाड़ी भी रहे जिन्हें पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन खास बात यह है कि ये तीनों खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों की सेवा में लगे रहे और जब जिसकी जो डिमांड हुई उसे पूरी की। इन सबके बावजूद बेंच पर बैठे-बैठे ही इन तीनों खिलाड़ियों के नाम एक उपलब्धि जुड़ गई वो ये कि ये खिलाड़ी भी चैंपियंस ट्रॉफी विजेता टीम के सदस्य कहलाएंगे।

बीसीसीआई ने जब चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया था, तब जसप्रीत बुमराह स्क्वाड का हिस्सा थे। हालांकि, बाद में चोट के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा।

स्पिनरों का दबदबा, सुंदर को नहीं मिली जगह

भारतीय टीम के स्क्वाड में पांच स्पिनर्स को शामिल किया गया था, जिसमें से वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने शानदार प्रदर्शन किया। उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के चलते वॉशिंगटन सुंदर को एक भी मैच में मौका नहीं मिला।

ऋषभ पंत को नहीं मिला मौका

भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल को तरजीह दी। पहले ही मैच में उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की, जिसके बाद टीम मैनेजमेंट ने किसी बदलाव की जरूरत नहीं समझी। इसी वजह से ऋषभ पंत को पूरे टूर्नामेंट में बेंच पर बैठना पड़ा।

अर्शदीप सिंह भी रहे बाहर

दुबई की पिचें तेज गेंदबाजों के अनुकूल नहीं थीं। शुरुआती मैचों के बाद हर्षित राणा को भी बाहर बैठना पड़ा, वहीं अर्शदीप सिंह को तो प्लेइंग इलेवन में जगह ही नहीं मिल पाई। भारत के लिए अनुभवी मोहम्मद शमी ने नई गेंद से जबरदस्त प्रदर्शन किया और जसप्रीत बुमराह की कमी महसूस नहीं होने दी।

टॉप-10 बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में भारतीय पुरुष नहीं

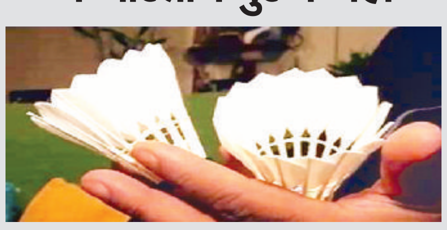

नई दिल्ली। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की मशहूर पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार को जारी ताजा बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग के अनुसार पांच-पांच पायदान नीचे खिसक गई है जिससे विश्व की शीर्ष 10 रैंकिंग में भारतीय पुरुष खिलाड़ियों का कोई भी प्रतिनिधित्व नहीं है। दुनिया के पूर्व छठे नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य इस सत्र में लगातार खराब प्रदर्शन के बाद 15वें स्थान पर खिसक गए हैं। रैंकिंग में पूर्व नंबर एक सात्विक और चिराग की पुरुष युगल जोड़ी पिछले सप्ताह सातवें से 12वें स्थान पर खिसक गई है। एशियाई खेलों की चैंपियन जोड़ी नवंबर 2021 के बाद पहली बार शीर्ष 10 से बाहर हुई है।

महिलाओं ने भी नहीं दिखाया दमखम
महिला एकल में दो ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू भी एक स्थान नीचे खिसक गईं और अब 16वीं रैंकिंग पर काबिज हैं। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने भारत को शीर्ष 10 में शामिल रखा। यह जोड़ी विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर बनी हुई है। मिश्रित युगल में तनिषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला ने अपने करियर की सर्वोच्च रैंकिंग 19वीं हासिल की। पिछले सप्ताह ऑरलियन्स मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे आयुष शेट्टी ने पांच पायदान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 43वीं रैंकिंग हासिल की।

आईसीसी रैंकिंग

दीप्ति महिला ऑलराउंडर रैंकिंग में पांचवें स्थान पर

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत की दीप्ति शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय की नवीनतम महिला ऑलराउंडर रैंकिंग में न्यूजीलैंड की अमेलिया केर को पछाड़कर एक स्थान के फायदे से शीर्ष पांच में पहुंच गई। भारत की 27 वर्षीय ऑलराउंडर दीप्ति 344 अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की एशलेग गार्डनर शीर्ष पर काबिज हैं। दीप्ति टी20 ऑलराउंडर की रैंकिंग में तीसरे जबकि एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं। श्रीलंका की शीर्ष ऑलराउंडर चामरी अटापट्टू न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल में संपन्न श्रृंखला के बाद दो स्थान के फायदे से ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर है।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला 2-0 से जीती थी जिसमें अटापट्टू ने 25 रन बनाने के अलावा तीन विकेट चटकाए थे। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में स्मृति मंधाना शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। वह दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। नैट स्किवर ब्रंट तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने अटापट्टू को पछाड़ा।

टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ : ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा डे-नाइट टेस्ट

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुरुष टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मार्च 2027 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर पिंक गेंद से एकमात्र डे-नाइट टेस्ट मैच खेले जाने की घोषणा की है। यह मैच 11-15 मार्च तक खेला जाएगा। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 1877 में इसी मैदान पर पहला टेस्ट मैच खेला गया था और 2027 में इसकी 150वीं वर्षगांव होगी।सीए ने कहा है कि यह मैच 1877 के पहले और 1977 में 100वीं वर्षगांठ पर खेले गए मैचों से अलग होगा, क्योंकि वो दोनों ही दिन में लाल गेंद से खेले गए थे और दोनों में ही ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीत दर्ज की थी। सीए ने कहा कि यह एमसीजी में पहला डे-नाइट पुरुष टेस्ट मैच होगा। इससे दर्शकों की उपस्थिति बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह मैच स्कूल और कार्य वर्ष के दौरान खेला जाएगा।

राहुल ने ठुकराई डीसी की कप्तानी अक्षर पटेल को मिल सकती है कमान

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की शुरुआत 22 मार्च से होनी है। आगामी सीजन में दिल्ली कैपिटल्स अपने अभियान की शुरुआत 24 मार्च को करेगी। हालांकि, टीम ने अब तक कप्तान की नियुक्ति नहीं की है। इस बीच खबर है कि केएल राहुल ने दिल्ली की कप्तानी को ठुकरा दिया है।

ऐसे में टीम के प्रमुख ऑलराउंडर अक्षर पटेल को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। ऐसी खबर है कि राहुल ने कप्तानी संभालने के बजाय खिलाड़ी के तौर पर योगदान देना बेहतर समझा। डीसी की टीम से जुड़े सूत्रों ने मंगलवार को कहा, अक्षर पटेल को आईपीएल 2025 के लिए डीसी का कप्तान बनाए जाने की संभावना है। फ्रेंचाइजी ने राहुल को टीम का कप्तान बनाने के लिए कहा था, लेकिन वह आगामी टूर्नामेंट में खिलाड़ी के तौर पर

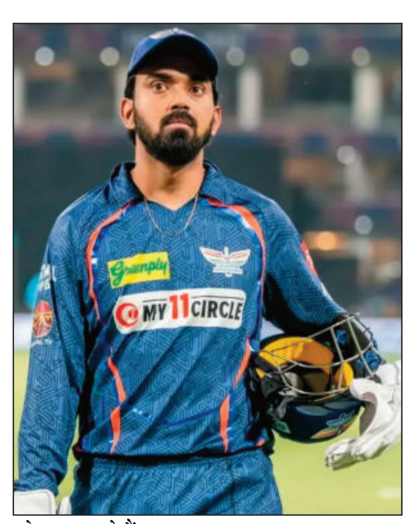

खेलना चाहते हैं।

अक्षर को दिल्ली ने किया था रिटेन
आईपीएल 2024 में जब डीसी के कप्तान ऋषभ पंत को ओवर-रेट अपराध के लिए निलंबित किया गया था, तब अक्षर ने दिल्ली की कप्तानी की थी। वह अब आईपीएल 2025 के लिए पूर्णकालिक कप्तान के रूप में कार्यभार संभालने के लिए तैयार हैं। वह 2019 से इसी फ्रेंचाइजी के साथ हैं और बड़ी नीलामी से पहले उन्हें 18 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर रिटेन किया गया था।

ऐसा है अक्षर का आईपीएल कॅरियर
अक्षर ने आईपीएल में 150 मैच खेले हैं, जिसमें बल्लेबाजी में 21.47 की औसत से 1,653 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 66 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 3 अर्धशतक लगाए हैं। दूसरी तरफ गेंदबाजी में उन्होंने 30.5 की औसत और 7.27 की इकॉनमी रेट के साथ 123 विकेट अपने नाम किए थे।

बेंगलुरु ने लॉन्च की नई जर्सी, कप्तान पाटीदार ने कराया फोटोशूट

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के लिए सभी टीमों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। दरअसल, 22 मार्च से इस महा टूर्नामेंट की शुरुआत होगी, जिसे भारत में किसी त्योहार से कम नहीं माना जाता है। सभी टीमें इसके लिए जमकर तैयारी कर रही हैं। इसी कड़ी में टीमें अपनी नई जर्सी भी लॉन्च कर रही हैं। अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भी अपनी नई जर्सी लॉन्च कर दी है। बता दें कि इस जर्सी को आरसीबी की वेबसाइट, पूमा की ऑफिशियल वेबसाइट और ऐप से खरीदा जा सकता है। हालांकि, अब तक टीम की ओर से इस जर्सी की कीमत जारी नहीं की गई है।

जर्सी 12 मार्च से बिक्री के लिए उपलब्ध होगी।

खबर संक्षेप

कार ने ट्रक को टक्कर मारी, दो की मौत

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में मंगलवार को एक कार ने खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना सदर थाना क्षेत्र के रांची कोकर इलाके में राम लखन सिंह यादव कॉलेज के पास तड़के करीब तीन बजे हुई।

झोपड़ी में आग लगने से तीन जिंदा जले

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार में एजीसीआर एन्क्लेव के पास एक झोपड़ी में भीषण आग लग गई, जिसमें जलकर तीन लोगों की मौत हो गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा को इस घटना के संबंध में सोमवार रात दो बजकर 22 मिनट पर सूचना मिली, जिसके बाद दमकल के तीन वाहनों को घटनास्थल पर भेजा गया। आग पर रात दो बजकर 50 मिनट पर काबू पा लिया गया। अग्निशमन सेवा के अधिकारी फिरोज ने झोपड़ी के अंदर से तीन लोगों के जले हुए शव बरामद किए जाने की पुष्टि की।

सिविल सर्जन के साथ डॉक्टरों-स्टाफ नर्सों का विवाद

ओपीडी का बहिष्कार, साइकिल स्टैंड में उपचार

हरिभूमि न्यूज:जांजगीर-चांपा

■ कलेक्टर से लगाई गुहार

जिला अस्पताल में प्रभारी सिविल सर्जन के साथ डॉक्टरों व स्टाफ नर्सों और कर्मचारियों के बीच चल रहा विवाद थमने के बजाए दिन ब दिन और गहराने लगा है। घटना के सातवें दिन डॉक्टरों और स्टाफ ने ओपीडी का बहिष्कार कर दिया। ऐसे में वे अस्पताल के सामने साइकिल स्टैण्ड के पास दरी में बैठकर इलाज करने लगे। इधर इस तरह के हालातों को लेकर स्वास्थ्य विभाग के साथ जिम्मेदार जिला प्रशासन की भी किरकिरी होने लगी है।

बीते 5 मार्च को जिला अस्पताल में डॉक्टरों और स्टाफ नर्स के साथ कर्मचारियों ने प्रभारी सिविल सर्जन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने प्रभारी सिविल सर्जन पर तानाशाही रवैया अपनाते हुए डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यव्हार करने का आरोप लगाया था। इतना ही नहीं स्टाफ नर्सों ने भी प्रभारी सिविल सर्जन पर गंभीर आरोप लगाए। इस मामले को लेकर उन्होंने जिला अस्पताल से कलेक्टोरेट तक पैदल मार्च करते हुए कलेक्टर से भी फरियाद लगाई। इसके बाद उच्चाधिकारियों से भी इस मामले की शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की।

जांच की टीम पर सवाल

जांच के लिए जो टीम बनाई भी गई है उसकी कार्रवाई भी कहीं संतोषजनक नजर नहीं आ रही है। ऐसी स्थिति में अपने विभाग के साथ प्रशासन के बीच बढ़ती दूरी का नतीजा ओपीडी का बहिष्कार और साइकिल स्टैण्ड के सामने दरी में बैठकर इलाज करने के रूप में सामने आया। खास बात यह है कि जिला गठन के तकरीबन ढ़ाई दशक से अधिक समय के बाद जिले के सबसे बड़े अस्पताल में इस तरह के विवाद और आंदोलन हो रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि इसके बाद भी जिम्मेदार प्रशासनिक अमला धृतराष्ट्र बना बैठा है।

जिम्मेदारों को झांकने तक की फुर्सत नहीं

एनजीओ के मार्गदर्शन में विनोबा एप, उत्कृष्ट जांजगीर, संवाद, क्रिएटर हब जैसे दुनियाभर के दिखावे में सरकारी राशि और समय की बर्बादी करने वाले जिम्मेदार अफसरों को आम लोगों से सीधे जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का जरा भी ध्यान नहीं है। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल जो न केवल गरीब तबकों का बल्कि मध्यमवर्गीय लोगों का भी उपचार कराने का एक मात्र ठिकाना है। वहां सप्ताह भर से प्रभारी अधिकारी और स्टाफ के बीच चल रहे विवाद के कारण व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हो रही है, लेकिन वाह रे! प्रशासन मौके पर जाकर मामले को सुलझाना और व्यवस्था बहाल कराना तो दूर की बात, चेम्बर में फरियाद लेकर पहुंचे सभी लोगों को भीतर आकर अपनी बात रखने तक की इज्जत नहीं दी।

पात्र किसानों के नाम जोड़ने 15 अप्रैल से चौथा अभियान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि हेतुपात्र किसानों के नाम जोड़ने के लिए हमने तीन अभियान चलाएं हैं, चौथा अभियान हम 15 अप्रैल से पुनः प्रारंभ करेंगे, ताकि कोई पात्र किसान शेष न रहें। हर पात्र किसान को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिले, इसके लिए हम राज्य सरकारों के साथ मिलकर अभियान चलाते हैं।

दिव्यांग कैदियों के मामले में केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जेलों में दिव्यांग कैदियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं और देश भर की जेलों में दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम, 2016 के क्रियान्वयन के अनुरोध वाली याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा है।

भारत बना दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ दुनिया का सबसे अधिक हथियार खरीदने वाला देश बना यूक्रेन

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत पिछले साल 2024 में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बन गया है। वैश्विक हथियार आयात में उसकी भागीदारी 8.3 फीसदी है। यह जानकारी जाने-माने अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंक 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी)' की पिछले सोमवार को जारी हुई रिपोर्ट के जरिए मिली है। जिसमें बताया गया कि रूस के साथ युद्ध में उलझा हुआ यूक्रेन दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बनकर उभरा है। जो उसके द्वारा 2015 से 2019 में खरीदे गए हथियारों से लगभग 100 गुना अधिक हैं। उसकी वैश्विक हथियार आयात में 8.8 फीसदी की भागीदारी है। वहीं, वर्ष 2020 से 2024 तक की समय अवधि में भारत द्वारा बड़े पैमाने पर की गई हथियारों की खरीद के पीछे चीन, पाकिस्तान की तरफ से लगातार बढ़ता सुरक्षा खतरा मुख्य वजह रहा है।

रूस पर घटी भारत की निर्भरता

सिपरी की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2015-19 और 2020-24 के दौरान भारत के हथियारों के आयात में 9.3 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। साथ ही इस मामले में उसकी रूस पर भी निर्भरता घटी है। इसकी एक बड़ी वजह भारत द्वारा अमेरिका, इजरायल और फ्रांस जैसे देशों से की जा रही हथियारों की खरीद है। यूक्रेन युद्ध और अमेरिका की भावी विदेश नीति को लेकर बनी हुई अनिश्चितता के कारण समान अवधि में यूरोप द्वारा किए जा रहे हथियार आयात में 155 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. *Ex-Showroom Price of HF Deluxe Self in Chhattisgarh.

1-800-266-0018

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो, 9289922706, अंबिकापुरः आनंद हीरो, 9289922359, सरगुजा हीरो, 9289923110, कोरबाः शांति हीरो, 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो, 9289923057, रायगढ़ः गोयल हीरो, 9289922373, आदित्य हीरो, 9289923091, जांजगीरः आनंद हीरो, 9289922772, बैकुंठपुरः आर.के. हीरो, 9289922812, जशपुरः आकाश हीरो, 9289922909, एसोशिएट डीलरः खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415, चौराः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सरियाः अग्रवाल ऑटो सेण्टर, 9993121909, गौरेलाः श्री माँ नर्मदा मोटर्स, 7587796622/7587796611, सनावलः सोनी ऑटोमोबाइल्स, 9479235816, रतनपुरः माँ महामाया मोटर्स, 9754240437/8839972027, बलोदाः श्री कमला ऑटो, 9926515216, मरवाहीः राहुल ऑटोमोबाइल्स, 8889467369/8719087320, मुंगेलीः महावीर, 9993855199, मनेन्द्रगढ़ः विवेक ट्रेडर्स, 6261178785, कटघोराः श्री शारदा एंटरप्राइज, 9809809925, शिवरीनारायणः सुल्तानिया ऑटो केयर, 9407600319, सक्तीः गोयल ऑटो, 9303571001/7000490324, खरसियाः विजय ऑटो एजेंसी, 9993093829, सीतापुरः श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांवः ज्योति ऑटो, 9406399000, सारंगढ़ः गोपाल ऑटो सेंटर, 9827893203, सूरजपुरः आशा ऑटोमोबाईल्स, 9826440096, अकलतराः श्री ऑटो, 9424174274, कोटाः उर्मिला मोटर्स, 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स, 6268000180/8718888789, रामानुजगंजः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 8827674000, बाराद्वारः दुर्गा ऑटो एजेंसी, 8319982160, उदयपुरः बंसत ऑटोमोबाईल्स, 9406022927, तपकराः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुरः तायल ऑटोमोबाईल्स, 9617218005, पटनाः आयुश ऑटोमोबाईल्स, 8839141926, पालीः आनंद ऑटोमोबाईल्स, 7089519999, राजपुरः महामाया एजेंसी, 9516209272/9340726288, महापालीः साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपतः मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज, 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः ओरियन ऑटोव्हील्स, 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्: उरगाः बालाजी सर्विस स्टेशन, 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर (सकरी): सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पाः आनंद हीरो, 7909901444, कोरबाः शांति हीरो, 7440299000, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुरः सत्या हीरो, 9289922464, खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415.

VML.5794.2025HIN

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com